

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 62 । पेज: 12 mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 29 अक्टूबर 2026(गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

गंदे पानी से जनता परेशान, नेताओं का बहाने बनाना अजीब है

सूरत राम भरोसे! कमल जैसे शहर में गंदा पानीः करोड़ों के बजट के बावजूद सिस्टम फेल, नेताओं ने 'एल नीनो' को ठहराया दोष!

सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पोल! नल से आ रहा है बदबूदार, पीला पानी

जनता के टैक्स के पैसे की वैल्यू ज़ीरो, बीमारी फैलने के डर से कॉर्पोरेटर बेबस

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। जिस शहर को स्मार्ट सिटी, डायमंड सिटी और पूरे देश में सफाई में बेंचमार्क सेट करने वाले शहर के तौर पर जाना जाता है, आज सूरत में लोगों की सबसे बेसिक ज़रूरत 'साफ पीने के पानी' की कमी हो रही है। करोड़ों रुपये के सालाना बजट वाली सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन शहर के लोगों को साफ पीने का पानी देने में पूरी तरह फेल रही है। लंबे समय से शहर के कई इलाकों में नलों से गंदा, काला-पीला और मिट्टी जैसी बदबू वाला पानी आ रहा है। इस गंदे पानी की सप्लाई की वजह से लोकल लोग एक भयानक महामारी के साये में जीने को मजबूर हो गए हैं। अजीब लॉजिकः 'एल नीनो' ज़िम्मेदारी से बचने का बहाना है! सबसे हैरानी और बेइज्ज़ती वाली बात यह है कि इतनी गंभीर समस्या का जल्दी और



पक्का हल निकालने के बजाय, जनता के नुमाइंदे, यानी कॉर्पोरेटर और उससे जुड़ी संस्थाएं, अपनी ज़िम्मेदारी से पूरी तरह बच रहे हैं! जब लोकल लोग शिकायत लेकर पहुंचते हैं, तो नेता गंदे और दूषित पानी के लिए 'एल नीनो' जैसी इंटरनेशनल और कुदरती घटनाओं को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं! सरकारों के ऐसे अजीब लॉजिक और बहाने सुनकर सूरत की जनता सिर पर हाथ रखकर बैठी है। जनता का बस एक ही ज़ोरदार सवाल है– 'क्या सूरत की जनता ने करोड़ों का टैक्स ऐसे बेतुके लॉजिक और बहाने सुनने के लिए दिया है? गंदा पानी और महामारी का डर जनता बीमार, प्रशासन लाचार सूरत के कई रिहायशी इलाकों, सोसाइटियों और झुग्गी-झोपड़ियों में हालात बहुत गंभीर हो गए हैं। पीने के पानी में गंदगी होने की वजह से बच्चों और बुजुर्गों में डायरिया, उल्टी, पीलिया, टाइफाइड और पेट में इंफेक्शन जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा खतरनाक रूप से बढ़ गया है। लोग बाहर से पीने का पानी खरीदने को मजबूर हैं या फिर गंदा पानी उबालकर इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। एक तरफ तो प्रशासन कागजों पर बड़े-बड़े वादे करता है और दूसरी तरफ, गंदे पानी की लाइनों को ठीक करने या फिल्ट्रेशन प्लांट में सुधार करने में प्रशासन पूरी तरह से लाचार साबित हुआ है।

प्रशासन अपनी नींद से कब जागेगा?

सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों और कमिश्नरों को तुरंत हर वार्ड में जांच करनी चाहिए और लाइनों में मिल रहे ड्रेनेज के पानी और फिल्ट्रेशन प्लांट की खामियों को दूर करना चाहिए। अगर सूरत के लोगों को जल्द से जल्द साफ पीने का पानी नहीं दिया गया तो स्मार्ट सिटी सूरत के लोग सड़कों पर उतरकर जोरदार विरोध करने को मजबूर होंगे।

बिहार में एक करोड़ उद्यमी बनाने का लक्ष्य एमएसएमई नीति-2026 को मंजूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



पटना। बिहार सरकार ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ परिवारों को उद्यमिता से जोड़ने और एक करोड़ प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने का लक्ष्य तय किया है। बुधवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में बिहार एमएसएमई नीति-2026 को मंजूरी दी गई। बैठक में कुल 43 प्रस्तावों पर मुहर लगी। नई नीति के तहत प्रत्येक जिले में एक औद्योगिक क्लस्टर और राज्य के सभी 38 जिलों में एमएसएमई केंद्र स्थापित किए जाएंगे। कैबिनेट ने राज्य में जैव ईंधन और संपीड़ित जैव गैस (सीबीजी) के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बिहार जैव ईंधन एवं सीबीजी उत्पादन प्रोत्साहन नीति-2026 को भी स्वीकृति दी। इसके अलावा किशनगंज जिले के ठाकुरगंज में ईस्टर्न एग्रो केमिकल्स लिमिटेड को फैक्ट्री स्थापित करने की मंजूरी दी गई। राज्य में बिजली की बढ़ती मांग और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 11,096.55 करोड़ रुपये की योजना मंजूर की गई है। इसके तहत अगले तीन वर्षों में चरणबद्ध तरीके से एलटी केबल बदली जाएंगी और ओवरलोड ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। योजना के लिए नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को 6,066 करोड़ रुपये और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को 5,030.55 करोड़ रुपये का कर्ज लेने की स्वीकृति दी गई है। सरकार का उद्देश्य बिजली वितरण व्यवस्था को मजबूत करना और उपभोक्ताओं तक बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। बजली की बढ़ती जरूरत को देखते हुए दरभंगा और पटना के खगौल ग्रिड उपकेंद्रों में दो नए पावर ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे। इस परियोजना के लिए 33.44 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। सरकार के इन फैसलों से एक ओर छोटे और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने की योजना है, वहीं दूसरी ओर औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और बिजली आपूर्ति में सुधार पर भी जोर दिया गया है।

करवा चौथ पर आज रात किस शहर में कब दिखेगा चांद, रायपुर में 8:18 बजे चंद्रोदय का अनुमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। करवा चौथ पर गुरुवार, 29 अक्टूबर को महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ निर्जला व्रत रखेंगी। सुबह सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करने के बाद दिनभर उपवास रखा जाएगा। शाम को करवा चौथ माता और भगवान गणेश की पूजा होगी। रात में चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने के बाद महिलाएं व्रत खोलेंगी। इस बार चक्रवात 'अर्नब' के प्रभाव से प्रदेश के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहने की आशंका है, जिससे चंद्र दर्शन में देरी हो सकती है। अनुमानित समय के अनुसार, छत्तीसगढ़ में सबसे पहले बलरामपुर में रात 8:02 बजे चांद दिखाई देने की उम्मीद है। अंबिकापुर में रात 8:03 बजे और कोरबा में रात 8:06 बजे चंद्र दर्शन हो सकते हैं। राजधानी रायपुर में रात 8:18 बजे चांद निकलने का अनुमान है, जबकि जगदलपुर में रात 8:17 से 8:22 बजे के बीच चंद्रमा के दर्शन होने की संभावना है। ये समय अनुमानित हैं और स्थानीय मौसम के अनुसार इनमें बदलाव हो सकता है।



निवाड़ी में गंग नहर पटरी पर दोनों ओर से करीब 15 राउंड फायरिंग, मौके से पिस्टल बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। क्राइम ब्रांच ने निवाड़ी क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान एक लाख रुपये के इनामी बदमाश धर्मेंद्र उर्फ टिड्डी उर्फ बावरिया को मार गिराया। मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी विनीत, अमित और हिमांशु भी गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, अमरोहा के बशी गांव का रहने वाला धर्मेंद्र बावरिया गिरोह से जुड़ा था और लूट-डकैती की वारदातों में शामिल था। गाजियाबाद और मेरठ पुलिस ने उस पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। गाजियाबाद, बागपत समेत कई जिलों की पुलिस और एसटीएफ वर्ष 2025 से उसकी तलाश कर रही थी।स्ह्न पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने गंग नहर पटरी पर कार्रवाई की। पुलिस का दावा है कि धर्मेंद्र ने टीम पर फायरिंग की, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई हुई।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का विपक्ष पर हमला, बोले- एसआईआर से साफ हुई मतदाता सूची

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के जरिए मतदाता सूची में सुधार किया गया है। नवीन के मुताबिक, मतदाता सूची में ऐसे लोगों के नाम भी दर्ज थे, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इसके अलावा कुछ मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज होने और कुछ लोगों का पता नहीं चल पाने की समस्या भी सामने आई है। उन्होंने ऐसी प्रविष्टियों को 'घोस्ट वोटर्स' से जुड़ा मामला बताते हुए कहा कि भाजपा मतदाता सूची को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने में विश्वास रखती है। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि विपक्ष ऐसी मतदाता सूची बने रहने देना चाहता था, जिससे उसके राजनीतिक हित पूरे होते रहें। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता सत्ता में रहते हुए भी जनता के मुद्दों पर सड़कों पर संघर्ष करते हैं और विपक्ष में रहते हुए भी अपनी आवाज उठाते हैं। उन्होंने इसे भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान बताया भाजपा ने बुधवार को दिल्ली में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली के तहत पदयात्रा निकाली। यह यात्रा गौरी शंकर मंदिर से शुरू होकर टाउन हॉल तक गई। करीब 500 मीटर लंबी इस पदयात्रा में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पार्टी के अन्य नेता शामिल हुए। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष को लगता है कि जनता के वोटों से चुनी गई सरकार को हटाकर सत्ता परिवर्तन किया जा सकता है, तो उसे यह विचार छोड़ देना चाहिए।



हिमाचल में चार दिन बिगड़ा रहेगा मौसम, ऊंची चोटियों पर बर्फबारी के आसार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 29 अक्टूबर से अगले चार दिनों तक मौसम खराब रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से एक नवंबर तक मैदानी और मध्यम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, लाहौल-स्पीति, किन्नौर और चंबा जिलों की ऊंची चोटियों पर हल्का हिमपात होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 29 अक्टूबर को कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में कुछ स्थानों पर आंधी-तूफान का यलो अलर्ट जारी किया है। 30 अक्टूबर को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में भी कुछ स्थानों पर आंधी-तूफान आने की चेतावनी दी गई है। 31 अक्टूबर और एक नवंबर को किसी भी जिले के लिए विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम खराब रह सकता है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दो नवंबर को भी हल्के बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम में बदलाव का असर तापमान पर भी दिखाई देगा। अगले चार दिनों में प्रदेश के ज्यादातर शहरों के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का अनुमान है। ऊंचाई वाले इलाकों में सुबह, शाम और रात के समय ठंड बढ़ सकती है। ऐसे में लोगों को मौसम के बदलते मिजाज के अनुसार सावधानी बरतने की जरूरत होगी।



सोनीपत में वक्फ बोर्ड के एस्टेट ऑफिसर समेत तीन गिरफ्तार

दुकानों के प्लॉट की लीज फाइल आगे बढ़ाने और रसीद जारी करने के नाम पर मांगी रकम; शिकायतकर्ता की रिकॉर्डिंग के आधार पर एसीबी ने बिछाया जाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने वक्फ बोर्ड कार्यालय में कार्रवाई करते हुए एस्टेट ऑफिसर मोहम्मद सलीम, रेंट क्लर्क मोहम्मद ताहिर और निजी चपरासी सलीम को तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोप है कि तीनों दुकानों के प्लॉट की लीज से जुड़ी फाइलें आगे बढ़ाने और भुगतान की रसीद जारी करने के नाम पर रकम मांग रहे थे। शिकायतकर्ता की ओर से उपलब्ध कराई गई ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच के बाद एसीबी ने जाल बिछाकर तीनों को कार्यालय से पकड़ा

गोहाना में दुकानों के प्लॉट की लीज के लिए किया था आवेदन

सोनीपत के गोहाना स्थित किशन कॉलोनी निवासी सतीश ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उसने पिछले साल अपने तीन सहयोगियों भरत सिंह, कमलेश और सुभाष के साथ दुकानों के प्लॉट की लीज के लिए हरियाणा वक्फ बोर्ड में आवेदन किया था। शिकायत के अनुसार, आवेदन प्रक्रिया के दौरान एक लाख रुपये अग्रिम और दो लाख दो हजार रुपये अन्य शुल्कों के नाम पर दिए गए थे, लेकिन उन्हें आधिकारिक रसीद नहीं मिली। इससे फाइलों और भुगतान के दस्तावेजों को लेकर परेशानी बनी हुई थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, करीब एक महीने पहले निजी तौर पर चपरासी का काम करने वाले सलीम ने उसे बताया कि उनकी फाइलों में संशोधन कर दिया गया है। इसके बाद उसने तीन लाख रुपये लेकर सोनीपत स्थित वक्फ बोर्ड कार्यालय आने को कहा। जब सतीश ने पूछा कि इस रकम के बदले कितनी राशि की आधिकारिक रसीद मिलेगी, तो उसे स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। उसे बताया गया कि संबंधित फाइलें



एस्टेट ऑफिसर के कमरे की अलमारी में रखी हैं और रसीदें एस्टेट ऑफिसर ही जारी करेंगे। लगातार दबाव बनाए जाने के बाद सतीश ने एसीबी से संपर्क किया और सबूत के तौर पर कुछ ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग सौंपीं। एसीबी ने प्रारंभिक जांच में शिकायत की पुष्टि करने के बाद कार्रवाई की योजना बनाई। जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 को रोहतक एसीबी में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद जींद उपकेंद्र के निरीक्षक मोहिन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर जाल बिछाया गया।

लखनऊ स्नातक एमएलसी चुनाव में आचार्य इंदु प्रकाश की पत्नी स्मिता मिश्रा की जमानत जब्त होने की चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ खंड स्नातक एमएलसी चुनाव में ज्योतिषाचार्य आचार्य इंदु प्रकाश मिश्रा की पत्नी स्मिता मिश्रा को हार का सामना करना पड़ा। स्मिता कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरी थीं। उन्हें 300 वोट भी नहीं मिले। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी हार को लेकर टिप्पणियां होने लगीं। कुछ लोगों ने इसे ज्योतिषाचार्य की भविष्यवाणियों से जोड़कर प्रतिक्रिया दी। स्मिता मिश्रा 28 सितंबर को तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुई थीं। उस समय उन्हें लखनऊ खंड स्नातक सीट से प्रत्याशी बनाए जाने का आश्वासन मिला था। हालांकि, कुछ ही दिनों बाद अजय राय प्रदेश अध्यक्ष पद से हट गए। नई अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने स्मिता को चुनाव नहीं लड़ाने का फैसला लिया। इसके बावजूद स्मिता ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा।द्व स्मिता मिश्रा ने चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि मतदान के



दौरान उनके एजेंट को केंद्र के अंदर नहीं बैठने दिया गया और अधिकारियों ने उनके सामने ही एजेंट को डांटकर बाहर निकाल दिया। उन्होंने कहा कि वह दो साल से चुनाव की तैयारी कर रही थीं और 37 तहसीलों के स्कूल-कॉलेजों में शिक्षकों, समर्थकों के वोट नहीं बनने देने और कुछ लोगों को मतदान से रोकने के आरोप भी लगाए।

देहरादून एयरपोर्ट पर विंटर शेड्यूल लागू, 12 शहरों के लिए 26 उड़ानों का संचालन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। देहरादून एयरपोर्ट से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए उड़ानों का नया समय जानना जरूरी हो गया है। एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल लागू हो चुका है, जो 27 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत देश के 12 शहरों के लिए करीब 26 उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। सर्दियों को देखते हुए कई उड़ानों के समय में बदलाव किया गया है। एयरपोर्ट निदेशक भूपेश सीएच नेगी के अनुसार, नए शेड्यूल में दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, जयपुर, मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ, पुणे, कोलकाता, नवी मुंबई, पिथौरागढ़ और नोएडा के लिए उड़ानें शामिल हैं। इनमें इंडिगो की 19, एयर इंडिया की पांच और एयर इंडिया एक्सप्रेस तथा एलायंस एयर की एक-एक उड़ान संचालित होगी।

ईडी ने आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी की संपत्तियां कब्जे में लीं

संपत्तियों की अनुमानित बाजार कीमत 1,170 करोड़ रुपये; सरकारी धन के दुरुपयोग, जमीन कब्जाने और फर्जी चंदे के आरोपों की जांच जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

रामपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से जुड़े मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की जमीन और इमारतों को अपने कब्जे में ले लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार को की गई कार्रवाई के तहत अटैच संपत्तियों की कीमत 426.46 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि इनकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 1,170 करोड़ रुपये आंकी गई है। ईडी के अनुसार, रामपुर के जौहर नगर क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय का संचालन मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट करता है। इस ट्रस्ट की स्थापना आजम खान ने की थी और वह इसके प्रमुख ट्रस्टी हैं। जांच एजेंसी का आरोप है कि सरकारी धन, ठेकेदारों से प्राप्त रकम और जमीन से जुड़े मामलों में कथित अनियमितताओं के जरिए जुटाई गई राशि का इस्तेमाल विश्वविद्यालय की संपत्तियां बनाने में किया गया। ईडी ने रामपुर के अजीम नगर थाने में दर्ज 26 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इन मामलों में किसानों की जमीन पर कथित अवैध कब्जे और करीब 34 एकड़ शत्रु संपत्ति पर गैरकानूनी कब्जे के आरोप शामिल हैं। एजेंसी का दावा है कि सरकारी विकास योजनाओं और ठेकेदारों से जुड़ी रकम को कथित तौर पर ट्रस्ट के खातों में स्थानांतरित किया गया। जांच में रामपुर नगर पालिका की सफाई मशीन का विश्वविद्यालय परिसर में इस्तेमाल किए जाने का मामला भी सामने आया है। ईडी की जांच में ट्रस्ट की बैलेंस शीट में दिखाए गए 78.32 करोड़ रुपये के चंदे पर भी सवाल उठाए गए हैं। एजेंसी के अनुसार, इसमें से 66.03 करोड़ रुपये का चंदा कथित तौर पर फर्जी पाया गया। इसी मामले से जुड़े घटनाक्रम में आयकर विभाग ट्रस्ट का पंजीकरण पहले ही रद्द कर चुका है। जांच से जुड़े एक अन्य मामले में आरोप है कि वर्ष 2016 में रामपुर में गरीब परिवारों के मकानों को गिराया गया था और उनसे निकले मलबे का इस्तेमाल विश्वविद्यालय के निर्माण



में किया गया। इस मामले में भी कथित भूमिका और घटनाक्रम की जांच की गई है। ईडी के मुताबिक, अगस्त 2026 में आजम खान और उनसे जुड़े परिसरों पर छापेमारी के दौरान डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज बरामद किए गए थे। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच अभी जारी है। संपत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई जांच का हिस्सा है। मामले में लगाए गए आरोपों पर अंतिम निष्कर्ष जांच और संबंधित कानूनी प्रक्रिया के बाद ही सामने आएगा।

जियो की ऐतिहासिक लिस्टिंग से रिलायंस बना देश का सबसे बड़ा कारोबारी समूह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। जियो प्लेटफॉर्म्स की लिस्टिंग के साथ रिलायंस समूह के कारोबारी मूल्य में बड़ी बढ़ोतरी का दावा किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 28.9 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि टाटा समूह का बाजार पूंजीकरण 25.6 लाख करोड़ रुपये बताया गया है। इस तरह दोनों समूहों के बीच करीब 3.23 लाख करोड़ रुपये का अंतर हो गया। अडाणी समूह 16.6 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ तीसरे स्थान पर बताया गया है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर जियो प्लेटफॉर्म्स को दुनिया की सातवीं और एशिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बताया गया है। एशिया में चीन की चाइना मोबाइल उससे आगे है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, चाइना मोबाइल का बाजार पूंजीकरण 20.82 लाख करोड़ रुपये है। जियो की इस उपलब्धि को भारतीय दूरसंचार क्षेत्र और रिलायंस समूह के लिए अहम घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। जियो की लिस्टिंग के मौके पर अनंत अंबानी ने कंपनी की यात्रा और लोगों से मिले समर्थन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जियो को पूरे देश का आशीर्वाद मिला है। मां ने कहा 'जियो मेरे लाल', दादी ने कहा 'जुग जुग जियो' और दोस्तों ने कहा 'जियो यार।



अहमदाबाद में ड्रग माफिया का नापाक प्लान नाकामः वटवा SP रिंग रोड से 4.96 लाख रुपये कीमत का 9 kg से ज़्यादा गांजा ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर पुलिस ने गुजरात में ड्रग्स का धंधा करने वाले तस्करों और शराब तस्करों पर अपनी पकड़ मज़बूत कर ली है। एक मिली-जुली टिप-ऑफ़ के आधार पर, पुलिस की क्राइम ब्रांच और वटवा पुलिस ने शहर के वटवा इलाके में रोपड़ा चौराहे के पास SP रिंग रोड से 5 लाख रुपये कीमत का भारी मात्रा में गांजा ज़ब्त किया है। इस चौंकाने वाली घटना में पुलिस ने जूनागढ़ से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि इतनी मात्रा में गांजा ऑर्डर करने वाला मास्टरमाइंड अंधेरे में छिपकर भाग गया है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस जांच में सामने आई जानकारी के मुताबिक, गांजे की यह गैर-कानूनी और जानलेवा मात्रा ओडिशा से रबीदास नाम के एक व्यक्ति ने भेजी थी। यह माल एक इंटर-स्टेट ड्रग्स सिंडिकेट के नेटवर्क के तहत ओडिशा से गुजरात में स्मगल किया जा रहा था, जिसे अहमदाबाद ले जाया जा रहा था और आगे की डिलीवरी चल रही थी। वटवा पुलिस को मिली खास जानकारी के बाद, पुलिस ने S.P. रिंग रोड पर नाकाबंदी की और संदिग्ध हरकतों पर कड़ी नज़र रखी। पुलिस ने यह पता लगाने के लिए पूरी जांच की है कि इस बड़े ड्रग नेटवर्क के तार कहां-कहां जुड़े हैं और यह माल गुजरात में किसे डिलीवर किया जाना था। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

दिवाली पर ही अहमदाबाद वालों की सेहत से खिलवाड़ गोमतीपुर की 'रजवाड़ी स्वीट' पर हेल्थ डिपार्टमेंट की रेड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। त्योहारों के मौसम में लोग अपने परिवार का मुंह मीठा करने के लिए मिठाइयां खरीदते हैं, लेकिन क्या हो अगर वही मिठाइयां जहरीली निकल जाएं? जी हां, दिवाली में बस कुछ ही दिन बचे हैं, अहमदाबाद सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ डिपार्टमेंट ने आंखें मूंद ली हैं। हेल्थ डिपार्टमेंट की एक टीम ने शहर के गोमतीपुर इलाके में मौजूद 'रजवाड़ी स्वीट' नाम की एक फर्म पर बड़े पैमाने पर रेड मारी है। यहां बेचने के लिए रखे और कोल्ड स्टोरेज में छिपाकर रखे गए मावे की क्वालिटी संदिग्ध



पाई गई, इसलिए एडमिनिस्ट्रेशन ने तुरंत मात्रा को सील कर दिया और उसके सैंपल लैब भेज दिए। मिली जानकारी के मुताबिक, हेल्थ डिपार्टमेंट की एक स्पेशल टीम ने गोमतीपुर में मौजूद 'रजवाड़ी स्वीट' पर सरप्राइज चेकिंग की। दुकान के अंदर चेक करने पर पता चला कि पीछे कोल्ड स्टोरेज में बड़ी मात्रा में मावा संदिग्ध हालत में रखा हुआ था। यह मावा दिवाली के त्योहारों में भारी डिमांड को पूरा करने के लिए कितने समय से तैयार करके रखा गया था और इसमें किस तरह का मटीरियल इस्तेमाल किया गया था, यह एक बड़ा रहस्य है। अधिकारियों को शुरुआती जांच में यह मावा संदिग्ध लगा और उन्होंने इसे तुरंत सील कर दिया। त्योहारों पर ज़्यादा मुनाफ़ा कमाने के चक्कर में, शराब तस्कर और बेईमान व्यापारी लोगों की जान से खिलवाड़ करते हैं। गोमतीपुर की इस फर्म में इस बात की गहन जांच शुरू कर दी गई है कि मावा में कोई न खाने वाली चीज़, स्टार्च या नुकसानदायक मैकेनिकल चीज़ें तो नहीं मिलाई गई हैं। मावा की शुद्धता जांचने के लिए सैंपल टेस्टिंग के लिए लैब में भेजे गए हैं, रिपोर्ट आने के बाद ही मिलावट का असली सच सामने आएगा। नकली मावा हो सकता है अगर इस मावे में कोई बहुत नुकसानदायक केमिकल या केमिकल डाई मिलाई गई हो, तो यह सीधे इंसान की किडनी और लिवर को हमेशा के लिए नुकसान पहुंचा सकता है।

टाटा समूह को 'आपराधिक तरीके से नष्ट' करने की कोशिश का राहुल गांधी का आरोप, उद्योगपतियों की चुप्पी पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप से जुड़े विवाद पर अब सियासी पारा देखने को मिल रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मामले में आक्रामक रुख अपनाया है और सरकार और देश के बड़े कारोबारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं. राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि टाटा समूह को 'आपराधिक तरीके से नष्ट' किया जा रहा है. उनके इस बयान से



कॉरपोरेट जगत और राजनीतिक गलियारों में बहस छिड़ गई है. उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने सवाल किया कि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने से क्यों डरते हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि उद्योगपति कब तक चुप रहेंगे? क्या वे तब तक इंतजार करेंगे जब तक उनके पूरे व्यापारिक साम्राज्य पर कब्ज़ा करने की कोशिश नहीं की जाती? राहुल गांधी के बयान का मुख्य संदेश यह है कि देश का उद्योग जगत किसी की निजी संपत्ति नहीं है. उन्होंने यह भी दावा किया कि बड़े कारोबारी दबाव के कारण खुलकर नहीं बोल रहे हैं, जबकि उनकी पार्टी कथित अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार है. टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और टाटा ट्रस्ट के बीच विवाद प्रशासनिक नियंत्रण और नेतृत्व से जुड़े मुद्दों के कारण चर्चा में रहा है। टाटा समूह देश के औद्योगिक विकास, रोजगार और वैश्विक व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इस समूह से जुड़ा कोई भी बड़ा विवाद केवल कंपनी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी इसकी चर्चा होती है। राहुल गांधी के बयान के बाद अब सवाल यह है कि टाटा ग्रुप विवाद को लेकर चल रहे राजनीतिक आरोपों के बीच असल स्थिति क्या है?

दिवाली से ठीक पहले अहमदाबाद में एक बड़ा स्कैम सामने आयाः फूड डिपार्टमेंट ने राधिका फूड प्रोडक्ट्स के कोल्ड स्टोरेज पर छापा मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जब दिवाली का पवित्र त्योहार और मिठाइयों का मौसम ज़ोरों पर है, तब लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाला एक बहुत ही चौंकाने वाला और जानलेवा स्कैम सामने आया है। त्योहारों के मौसम से पहले अहमदाबाद शहर में फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट की सबसे बड़ी कार्रवाई में, 'राधिका फूड प्रोडक्ट्स' नाम की एक यूनिट और उसके कोल्ड स्टोरेज से करीब 40,000 kg (40 टन) संदिग्ध मावा ज़ब्त किया गया है। इतनी बड़ी मात्रा में संदिग्ध मावा मिलने से पूरे फूड एंड सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट के साथ-साथ बिजनेस कम्युनिटी में भी दहशत फैल गई है। कोल्ड स्टोरेज में बड़ी मात्रा में संदिग्ध सामान छिपाया गया था।, ऑफिशियल जानकारी के मुताबिक, फूड डिपार्टमेंट की टीमों ने अहमदाबाद में अलग-अलग जगहों पर छापे मारे। उन्हें बताया गया कि त्योहारों के दौरान मार्केट में मिठाइयों की भारी डिमांड को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर मिलावटी या मिलावटी सामान स्टोर किया जा रहा था। इस बीच, जब राधिका फूड प्रोडक्ट्स के कोल्ड स्टोरेज पर छापा मारा गया, तो अंदर का नज़ारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। लैब रिपोर्ट आने के बाद, प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इस घोटाले में शामिल मुख्य माफिया और जिम्मेदार मैनेजरों के खिलाफ सख्त कानूनी और क्रिमिनल कार्रवाई की जाएगी।

'अगर सच्चे हो तो उज्जैन में पक्के सबूतों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में आ जाओ

महानगर मेट्रो न्यूज़ का खुला चैलेंज; साधुवेश त्यागकर प्रायश्चित करने की उठी मांग

साधु के वेश में कुसाधु सागरचंद्र सागर के खिलाफ जैन समाज में उबालः दान के पैसों से टीम बनाकर सच दबाने का सनसनीखेज खेल बेनकाब!

साधुवेश की आड़ में कलंकित खेल? जैन समाज के नाम पर चल रहे पाखंड और करोड़ों के साम्राज्य पर उठे गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

उज्जैन/अहमदाबाद। जैन धर्म, जो कि त्याग, संयम, अहिंसा और पवित्रता का पर्याय माना जाता है, उस पावन परंपरा को कलंकित करने वाले एक कथित संत का काला चिट्ठा अब खुलकर सामने आ रहा है। साधु के वेश में छिपे कुसाधु सागरचंद्र सागर द्वारा जैन समाज की आड़ में चलाए जा रहे कथित कारनामों और अनैतिक गतिविधियों को लेकर समाज के भीतर और मीडिया जगत में भूचाल आ गया है। दान में मिलने वाले करोड़ों रुपयों के बल पर अपनी एक 'पेड टीम' खड़ी करके हर सच को दबाने और मीडिया की आवाज़ का गला घोंटने के हथकंडे अब बेनकाब हो चुके हैं।

दान के पैसों से टीम खड़ी कर सच को दबाने का कुचक्र

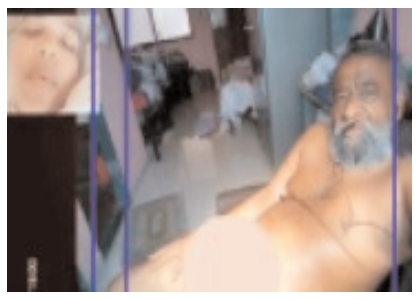
सूत्रों और प्राप्त शिकायतों के अनुसार, सागरचंद्र सागर के खिलाफ जब भी कोई पोल खोलने वाली खबर या सच सामने आता है, तब उसके इशारे पर काम करने वाली एक खास टीम सक्रिय हो जाती है। यह टीम बिना किसी तह तक जाए, तथ्यों की सत्यता की जांच किए बिना अंधभक्तों की तरह खबरों का अंधाधुंध खंडन करने में जुट जाती है। आरोप है कि इन तमाम लीपापोती और खंडन के पीछे दानदाताओं द्वारा दिए गए पवित्र धन (दान की राशि) का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है। पैसों के दम पर सच को झुठलाने और जैन समाज की भावनाओं को हाईजैक करने का यह गंदा खेल अब ज्यादा दिन छुप नहीं सकता। सवाल यह उठता है कि क्या जैन समाज का दानधर्म अपनी अय्याशी और कुकर्मों को छिपाने के लिए है?

'हवास के पुजारी को समाज से निष्कासित किया जाए ': जैन समाज में आक्रोश

कथित संत सागरचंद्र सागर के चरित्र और उनकी तथाकथित 'रासलीलाओं' को लेकर जैन समाज के प्रबुद्ध वर्ग और युवाओं में भारी रोष देखने को मिल रहा है। समाज के लोगों का कहना है कि ऐसे चरित्रहीन और कलंकित व्यक्ति को एक पल भी साधु वेश में रहने का कोई अधिकार नहीं है। आरोप है कि कई भोली-भाली साध्वी बहनों और महिलाओं की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया गया है। उनकी इस और ऐश-आराम भरी जिंदगी के काले सच को अब जैन समाज के सामने बेनकाब करना वक्त की सबसे बड़ी मांग बन गई है, ताकि आने वाले समय में कोई अन्य साध्वी या महिला इनके जाल में न फंसे।

महानगर मेट्रो न्यूज़ का खुला चैलेंज: 'हिम्मत है तो उज्जैन आएं और पक्के सबूतों का सामना करें!

इस पूरे प्रकरण की सत्यता को उजागर करने के लिए 'महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर' ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। महानगर मेट्रो न्यूज़ की ओर से सागरचंद्र सागर को सीधा और खुला आमंत्रण (चैलेंज) दिया गया है 'आगामी समय में उज्जैन में

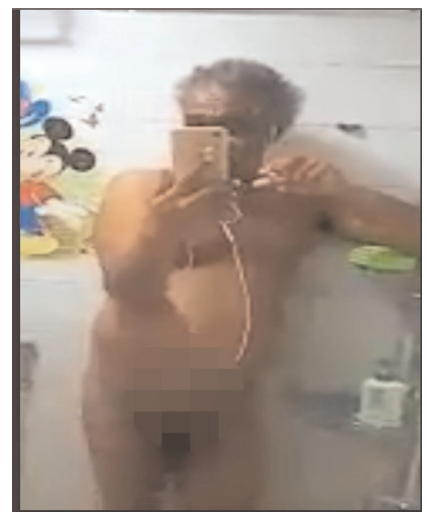


पुख्ता और पक्के सबूतों के साथ एक विशाल प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। यदि आप (सागरचंद्र सागर) सच्चे हैं और आपके दामन पर कोई दाग नहीं है, तो उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आएं और सबूतों का सामना करें! प्रेस कॉन्फ्रेंस की तारीख, दिन और समय जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। '

'साधु वेश त्याग दो, करोड़ों रुपए वापस करो और आम जिंदगी में लौट जाओ '

महानगर मेट्रो न्यूज़ और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि पाप छिपाए नहीं छिप रहे और जरा भी नैतिकता बची है, तो

1. जैन समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगकर तुरंत अपना साधु वेश त्याग दें और अपनी सामान्य (आम) जिंदगी में वापस लौट जाएं, ताकि जैन समाज और उसकी पवित्र परंपराएं सुरक्षित रह सकें।



2. दान में ऐंठे गए करोड़ों रुपए तत्काल जैन समाज को वापस लौटाए जाएं और अपनी अय्याशी का धंधा बंद किया जाए। भगवान महावीर का मार्ग सत्य, अहिंसा और पवित्र आचरण का है। एक कलंकित और भ्रष्ट व्यक्ति को संत कहलाने का कोई हक नहीं है। अब देखना यह है कि महानगर मेट्रो न्यूज़ के इस खुले चैलेंज और प्रेस कॉन्फ्रेंस के आमंत्रण पर क्या यह तथाकथित संत सामने आने की हिम्मत जुटा पाता है या फिर अपने पापों पर पर्दा डालने के नए पैंतरे चलता है? जैन समाज के मान-सम्मान और धर्म की रक्षा के लिए महानगर मेट्रो न्यूज़ का यह महा-अभियान निरंतर जारी रहेगा।

अहमदाबाद के गोटा में आग का तूफ़ानः ग्रेनाइट गोदाम में अचानक भयानक आग लगने से अफ़रा-तफ़री मच गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज अहमदाबाद शहर के पॉश और हलचल भरे गोटा इलाके में अचानक अग्निदेव ने आग का रूप ले लिया, जिससे अफ़रा-तफ़री और डर का माहौल बन गया। गोटा इलाके में एक बड़े ग्रेनाइट गोदाम में अचानक और भयानक आग लगने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। जैसे ही दूर से काली लपटें और ऊंची-ऊंची लपटें दिखाई दीं, आसपास के रिहायशी और कमर्शियल इलाकों के लोग खुद को बचाने के लिए सड़क पर भागे।

आसमान धुएं से ढक गया, स्थानीय लोग दहशत में

ग्रेनाइट गोदाम में लकड़ी की पैकिंग, संदिग्ध ज्वलनशील पदार्थ या अन्य सामान होने के कारण आग ने पल भर में भयंकर रूप ले लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, स्थानीय लोगों ने तुरंत कंट्रोल रूम में फोन किया और अहमदाबाद फायर एंड इमरजेंसी सर्विस को सूचित किया। पूरा इलाका धुएं से भर गया, तो आस-पास की दुकानों और घरों में रहने वाले लोगों में जान बचाने के लिए भगदड़ मच गई।

मौके पर फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां: युद्ध स्तर पर ऑपरेशन शुरू घटना की गंभीरता को समझते हुए, फायर डिपार्टमेंट की टीम तुरंत एक्शन मोड में आ गई। मौके पर तुरंत 4 फायर फाइटिंग गाड़ियां और एम्बुलेंस तैनात की



गईं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी चारों तरफ से लगातार पानी की बौछार करके आग को और फैलने से रोकने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं।

आग लगने का कारण साफ नहीं: हताहतों और नुकसान पर सस्पेंस

अभी यह पक्के तौर पर पता नहीं चला है कि गोदाम में आग किस वजह से लगी (शॉर्ट सर्किट या कोई और वजह)। इस भयानक घटना में कोई कर्मचारी या नागरिक फंसा है या नहीं और कितना आर्थिक नुकसान हुआ है, इसकी ऑफिशियल जानकारी फायर डिपार्टमेंट का पूरा ऑपरेशन पूरा होने के बाद ही साफ होगी। फिलहाल, फायर डिपार्टमेंट आग पर पूरी तरह काबू पाने की कोशिश कर रहा है।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में बड़ा फाइनेंशियल स्कैंडल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अब अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर ऑफिशियली गंभीर सवाल उठ रहे हैं। अहमदाबाद शहर के जमालपुर वार्ड के कॉर्पोरेटर वसीम ठाकोर ने AMC के GST रिकॉर्ड और टैक्स स्कैम को लेकर अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कॉर्पोरेटर ने AMC के AMC रिकॉर्ड पर सवाल उठाकर म्युनिसिपल सिस्टम में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है। उन्होंने पुरजोर मांग की है कि AMC से जुड़ी कुल 4,571 पार्टियों की संदिग्ध डिटेल्स तुरंत बताई जाएं। 147 GST नंबर पूरी तरह से इनवैलिड पाए गए एडमिनिस्ट्रेशन में गड़बड़ इस मामले में जानकारी देते हुए कॉर्पोरेटर नाज़नीन वसीम ठाकोर ने एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा किया है कि AMC के रिकॉर्ड में रजिस्टर्ड और फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन करने वाली पार्टियों की जांच में एक चौंकाने वाला सच सामने आया है। नगर निगम की किताबों में चल रहे करोड़ों रुपये के एडमिनिस्ट्रेशन में इस्तेमाल हुए GST नंबरों में से 147 GST नंबर इनवैलिड पाए गए हैं। अगर इतनी बड़ी संख्या में झूठे या बोगस GST नंबर सरकारी डॉक्यूमेंट्स और नगर निगमों में घूम रहे हैं, तो इसके पीछे कौन है, यह एक बड़ा सवाल बन गया है। कॉर्पोरेटरों के इन आक्रामक हमलों के बाद AMC के टैक्स डिपार्टमेंट और फाइनेंस ब्रांच का कामकाज शक के घेरे में आ गया है। सवाल उठ रहे हैं कि अगर GST नंबर इनवैलिड थे, तो अब तक इन पार्टियों को करोड़ों रुपये का ट्रांज़ैक्शन या टैक्स पेमेंट कैसे हुआ? क्या एडमिनिस्ट्रेशन जानबूझकर इस गबन को छिपा रहा था या कोई बड़ा स्कैम छिपाने का खेल चल रहा था डिटेल्स न बताने पर हिंसक आंदोलन की धमकी राष्ट्रवादी वसीम ठाकोर ने प्रशासन को साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर AMC ने इन 4,571 पार्टियों की ट्रांसपेरेंट लिस्ट और फाइनेंशियल डिटेल्स तुरंत नहीं दीं, तो यह मामला राज्य लेवल पर उठाया जाएगा और जमकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। त्योहारों के मौसम में AMC के कथित GST घोटाले ने राजनीतिक गलियारों में काफी गरमागरम माहौल बना दिया है और आने वाले दिनों में यह मामला और गरमा सकता है।

रंगपुर पुलिस ने बच्ची के अपहरण और पॉक्सो मामले में आरोपी को अहमदाबाद से पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रंगपुर। रंगपुर पुलिस ने छोटा उदेपुर के रंगपुर गांव से 5 साल की बच्ची को अगवा करने और बोडेली पुलिस स्टेशन के POCSO के तहत जुर्म करने के आरोपी को कुछ ही दिनों में गिरफ्तार कर लिया। छोटा उदेपुर के पुलिस सुपरिटेंडेंट इम्तियाज शेख और के.एच. सूर्यवंशी डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस छोटा उदेपुर के निर्देश और गाइडेंस में POCSO और किडनैपिंग जैसे गंभीर जुर्म के आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने और असरदार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। तदनुसार, शिकायतकर्ता संदीपभाई अहमदभाई राठवा, निवासी रंगपुर, ता.जी. छोटाउदेपुर नाव को भारतीय दंड संहिता की धारा 137(2), 318(4) के अंतर्गत 19/10/2026 को आरोपी नासिकभाई नासरियाभाई राठवा, निवासी नानी टिटोड, ता.क्वांट, जी. छोटाउदेपुर नाव द्वारा गिरफ्तार किया गया, जिसने उसे विश्वास में लिया और अपने बुरे इरादे को पूरा करने में उसकी मदद की। इस आधार पर, 2005 में पैदा हुई एक नाबालिग लड़की को शिकायतकर्ता की कानूनी संरक्षकता से अपहरण कर लिया गया और धोखा दिया गया, जिसके अनुसार, जे.डी. पंड्या, पुलिस निरीक्षक, रंगपुर पुलिस स्टेशन, आर.डी. पलास, पुलिस उपनिरीक्षक, रंगपुर डाकघर और पुलिस कर्मचारियों के निर्देश और मार्गदर्शन में अलग-अलग टीमों का गठन किया और 20/10/2026 को बोडेली रेलवे स्टेशन पर इस काम की पीड़िता को ढूंढकर उसके अभिभावक को वापस कर दिया। हालांकि, इस काम का आरोपी फरार है। आरोपियों के खिलाफ बोडेली पुलिस स्टेशन में बीएनएस धारा 64(2)(एम), 65(1), 87,137(2), 351(3) और पोक्सो धारा



4,6 के तहत अपराध भी दर्ज किया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज रंगपुर पुलिस को मिला। फुटेज, टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन रिसोर्स का इस्तेमाल करके, इस काम के आरोपी नासिकभाई नासरीभाई राठवा, जो नानी टिटोड निशाल फलिया, तालुका क्वांट, जिला छोटा उदयपुर का रहने वाला है, और जुर्म के लिए कानूनी कार्रवाई की गई।

अहमदाबाद वेस्ट में शादी सिर्फ़ 20 दिन में होनी थी, लेकिन एक होटल के कमरे ने सारा खेल पलट दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वेस्टर्न इलाके में हाल ही में एक चौंकाने वाली और ड्रामाटिक घटना सामने आई है जिसने दो परिवारों को सदमे में डाल दिया है। शादी में सिर्फ़ 20 दिन बचे थे। दोनों परिवारों में खुशी का माहौल था, मंडप और शादी की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। लेकिन इसी खुशी के बीच होने वाली दुल्हन अपने 5 साल छोटे आशिक से मिलने एक होटल पहुंच गई। होने वाली पत्नी पर शक होने पर मंगेतर ने लोकेशन ट्रेस की और अपने परिवार के साथ होटल में रेड मार दी। आखिर में होटल के गेट पर इतना हाई-वोल्टेज ड्रामा हुआ कि मामला 181 अभयम रेस्क्यू टीम तक पहुंच गया। जब अभयम की टीम मौके पर पहुंची और काउंसलिंग शुरू की, तो पूरी कहानी का सबसे चौंकाने वाला ट्विस्ट सामने आया। लड़की ने रोते हुए अपनी मजबूरी बताते हुए कहा कि वह अपनी मर्ज़ी से नहीं बल्कि अपने पिता के डर से सगाई कर रही है। लड़की के मुताबिक, उसके पिता लगातार डोमेस्टिक वायलेंस करते थे और घर पर उसकी मां को पीटते थे। उसे इस बात का बहुत डर था कि अगर वह अपने लवर के साथ भाग गई, तो उसका शैतान पिता उसकी बेकसूर मां को पीट-पीटकर मार डालेगा। इसी डर की वजह से उसने अपनी मर्ज़ी के खिलाफ सगाई कर ली। लेकिन, जब उसका अपने 5 साल के लवर से प्यार कम नहीं हुआ, तो वह उससे आखिरी बार मिलने होटल आई। इससे पहले भी इसी लव अफेयर की वजह से एक सगाई टूट चुकी थी और उसके पिता को सब कुछ पता होने के बावजूद वह उसकी शादी उसके लवर से करने को तैयार नहीं थे। उसके परिवार के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी और साफ कर दिया कि वह अपने लवर के बिना नहीं रह सकती।

अहमदाबाद इंटरनेशनल बुक फेस्टिवल में सनातन संस्था की भव्य बुक एग्ज़िबिशन को ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। संस्कृति, धर्म और ज्ञान की त्रिमूर्ति सनातन संस्था की ओर से साबरमती रिवरफ्रंट के इवेंट सेंटर में चल रहे भव्य 'अहमदाबाद इंटरनेशनल बुक फेस्टिवल - 2026' में एक खास एग्ज़िबिशन लगाई गई है। फेस्टिवल के स्टॉल नंबर C-35 पर शुरू हुई इस दिव्य एग्ज़िबिशन में राष्ट्र, धार्मिक और आध्यात्मिक जागरूकता के मकसद से कई अनमोल किताबें दिखाई गई हैं, जिन्हें देखने और आनंद लेने के लिए शहर के लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। इस ज्ञान बढ़ाने वाली और सांस्कृतिक एग्ज़िबिशन की शुरुआत सनातन संस्था के साधकों ने शास्त्रों के अनुसार और बहुत ही भावुक माहौल में दीप जलाकर की। यह स्टॉल शुरू से ही पाठकों के बीच काफी दिलचस्पी खींच रहा है। इंसानी ज़िंदगी से जुड़े अलग-अलग सब्जेक्ट पर अनमोल किताबें मौजूद हैं। सनातन संस्था के इस खास स्टॉल पर आज के ज़माने की ज़रूरतों के हिसाब से कई सब्जेक्ट पर आधारित लिटरेचर है। खास तौर पर



साधना और अध्यात्म: भगवान और मन की शांति पाने का रास्ता दिखाने वाली किताबें।

आचारधर्म और धर्मशिक्षा: रोज़मर्रा की ज़िंदगी में धार्मिक रीति-रिवाज़ और रीति-रिवाज़ सिखाने वाली किताबें।

आयुर्वेद और हेल्थ: कुदरती इलाज और लंबी उम्र के लिए गाइड।

राष्ट्र रक्षा और धर्म जागृति: देशभक्ति और देश की भावना जगाने वाला प्रेरणा देने वाला लिटरेचर।

बाल संस्कार: बच्चों में कम उम्र से ही अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्य सिखाने वाली खास किताबें। प्रदर्शनी के शुरुआती दिनों से ही अहमदाबाद शहर के अलग-अलग हिस्सों से कई जाने-माने नागरिक, समाजसेवी और बुद्धिजीवी सनातन के इस स्टॉल पर आए थे। इन सभी खास लोगों ने सनातन संस्था की इन किताबों और इसके गाइडेंस की बहुत तारीफ़ की। घूमने के बाद, नेताओं ने अपनी खुशी ज़ाहिर की और कहा, 'आज की तेज़-तर्रार और वैल्यू-लेस स्थिति को देखते हुए, ऐसी धार्मिक और आध्यात्मिक किताबें समाज को सही दिशा दिखाने और नई युवा पीढ़ी में भारतीय संस्कृति के मूल्यों को डालने के लिए बहुत ज़रूरी और ज़रूरी हैं।

महिदपुर रोड में नौ दिवसीय नवपद ओलीजी आराधना संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमृतसर। अमृतसर के श्रीजी महाराज साहिब की निश्रा में महिदपुर रोड नगर में पूज्य साध्वी डॉ. नवपद ओलीजी आराधना श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। नौ दिनों तक चली इस बेहद प्रभावशाली नवकार आराधना में पूरे जैन समाज ने आध्यात्मिक पुण्य कमाया।



गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान, जप, तप और दर्शन से भरपूर प्रवचनों की श्रृंखला का शुभ आयोजन किया गया। नामली, बड़ावदा और बप्पैया समेत आस-पास के इलाकों से पहुंचे भक्तों ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुकेश कुमार, संतोष कुमार, दिनेश कुमार, महावीर, विरल रांका छत्तर परिवार (नाम से) स्वर्गीय शांतिलाल, ताराबाई, अशोक कुमार, स्वर्गीय सुनील कुमार, दिलीप कुमार हिंगड़ परिवार (बड़ावदा) इन सभी परिवारों ने नौ दिनों की साधना के दौरान साधकों के सुख सप्ताह (वैयावृच्छ) और धार्मिक व्यवस्थाओं में अपना अमूल्य योगदान देकर पुण्य कमाया आराधना काल में आए गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महिदपुर रोड स्थित जैन उपाश्रय और आराधना भवन में विशेष धार्मिक कार्यक्रम हुए।

रावपुरा पुलिस ने कांग्रेस ऑफिस में कैंप लगायाः मार्च से पहले ही विपक्ष की आवाज़ दबाने की कोशिश पर विवाद बढ़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर और राज्य में सियासत गरमा गई है। विपक्ष द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' टाइटल के तहत निकाले गए पब्लिक मार्च के होने से पहले ही लोकल पुलिस ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। वडोदरा के रावपुरा पुलिस स्टेशन का काफिला कांग्रेस ऑफिस पहुंचा और कैंप लगा लिया, जिससे पॉलिटिकल गलियारों में भारी हंगामा मच गया। विरोध और मार्च को शुरू होने से पहले ही दबाने के पुलिस के इस कदम से विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी गुस्सा है। कांग्रेस ऑफिस पर पुलिस की तैनातीः मार्च रोकने के लिए भारी धक्का-मुक्की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च लोगों की आवाज़ उठाने और रूलिंग पार्टी की पॉलिसी के खिलाफ निकाला गया था। लेकिन मार्च शुरू होने से पहले ही रावपुरा पुलिस स्टेशन के ऑफिसर और एक बड़ी पुलिस टुकड़ी कांग्रेस ऑफिस पहुंच गई। पुलिस ने ऑफिस के बाहर कड़े इंतज़ाम किए थे और हालात पर नज़र रखना शुरू कर दिया था। प्रोटेस्ट मार्च को रोकने के लिए पुलिस की इस अग्रेसिव स्ट्रैटेजी के बाद, कांग्रेस ऑफिस के ग्राउंड ज़ीरो पर बहुत टेंशन वाला माहौल बन गया। कांग्रेस के जाने-माने लीडर ऋतिक जोशी कांग्रेस ऑफिस पर पुलिस की प्रोसेशन और मार्च को रोकने की कोशिशों को देखकर बहुत परेशान थे। उन्होंने पुलिस और अथॉरिटीज़ के इस रवैये पर अपना गुस्सा ज़ाहिर किया और तीखे हमले किए। ऋतिक जोशी ने गुस्से में सवाल उठाया, 'क्या इस देश में डेमोक्रेसी बचाने के लिए शांति से मार्च निकालना गुनाह है? सत्ता में बैठे लोग लोगों की आवाज़ से इतने डरे हुए हैं कि वे पुलिस का इस्तेमाल करके विपक्ष की आवाज़ को दबाना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन कितना भी दबाव डालने की कोशिश करे, लोगों के हक और डेमोक्रेसी की रक्षा के लिए उठने वाली आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता।



वडोदरा रूरल LCB का बूटलेगर्स पर बड़ा हमलाः कोटांबी के शाह इंडस्ट्रियल पार्क में बदनाम गोदाम पर रेड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात में शराबबंदी कानून को और सख्त बनाने और शराब का काला धंधा चलाने वाले बूटलेगर्स की कमर तोड़ने के लिए पुलिस सिस्टम लगातार एक्शन मोड में है। ऐसे में, वडोदरा रूरल लोकल क्राइम ब्रांच की टीम को एक बहुत बड़ी और चौंकाने वाली कामयाबी मिली है। एक सीक्रेट जानकारी के आधार पर, पुलिस ने वडोदरा तालुका के कोटांबी गांव के पास शाह इंडस्ट्रियल पार्क-3 में मौजूद एक बड़े गोदाम पर अचानक रेड मारी। इस रेड के दौरान, गोदाम से करोड़ों रुपये की भारी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब ज़ब्त की गई। वडोदरा रूरल LCB की इस कार्रवाई से राज्य भर में शराब की दुकानें चलाने और सप्लाई करने वाले बूटलेगर्स में भारी हलचल मच गई है। इंडस्ट्रियल पार्क की आड़ में शराब का बड़ा साम्राज्य चल रहा था। मिली ऑफिशियल जानकारी के मुताबिक, वडोदरा रूरल LCB टीम को खास और कॉन्फिडेंशियल जानकारी मिली थी कि कोटांबी में मौजूद शाह इंडस्ट्रियल पार्क-3 के गोदाम में इंडस्ट्रियल काम की आड़ में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब छिपाकर रखी गई है और वहां से इसे आसपास के इलाकों में सप्लाई करने की कोशिश की जा रही है। इस जानकारी के आधार पर, LCB टीम ने बिना देर किए गोदाम को चारों तरफ से घेर लिया और सख्ती से छापेमारी की। जब पुलिस ने गोदाम का शटर खोलकर अंदर जांच की, तो अंदर पेटियों का ढेर देखकर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। करोड़ों का माल जब्तः अवैध शराब के धंधेबाजों और नेटवर्क की तलाश शुरू। गोदाम के अंदर अलग-अलग ब्रांड की हजारों बोतलें और पेटियां विदेशी शराब मिलीं, जिनकी कुल कीमत इंटरनेशनल और लोकल मार्केट के हिसाब से करोड़ों रुपये आंकी गई है। पुलिस ने करोड़ों रुपये की शराब, ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियां और दूसरे इक्विपमेंट और सामान जब्त कर कानूनी कार्रवाई की है। किसके नाम पर गोदाम किराए पर लिया गया था और इस रैकेट के पीछे कौन से बड़े माफिया या बूटलेगर शामिल हैं।



पुलिस की सटीक खुफिया जानकारी और मास्टर स्ट्रोक! वडोदरा के गोल्डन टोल नाका से भारी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा. गुजरात में शराबबंदी के सख्त दावों के बीच, वडोदरा पुलिस ने पुलिस की आंखों में धूल झोंककर शराब तस्करों द्वारा चलाए जा रहे अवैध शराब के धंधे पर नकेल कसी है। खुफिया जानकारी के आधार पर वडोदरा के हरनी पुलिस स्टेशन की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गोल्डन टोल नाका से लाखों रुपये की विदेशी शराब के साथ एक चार पहिया वाहन जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य मास्टरमाइंड और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। सूचना मिली और पुलिस ने चेकिंग पॉइंट लगायाः गाड़ी में भारी मात्रा में शराब मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हरनी पुलिस स्टेशन के स्टाफ को खास जानकारी मिली कि एक संदिग्ध चार पहिया गाड़ी भारी मात्रा में विदेशी शराब लेकर हाईवे से गुजरने वाली है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस तुरंत एक्टिव हुई और गोल्डन टोल नाका के पास निगरानी रखी। पुलिस ने सूचना के साथ संदिग्ध कार को रोका और उसकी गहन तलाशी ली। गाड़ी के अंदर चेकिंग करने वाले पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। गाड़ी में अलग-अलग ब्रांड की कुल 145 बोतलें विदेशी व्हिस्की और वोदका मिलीं। जब्त की गई इस विदेशी शराब की मात्रा की मार्केट कीमत लगभग 3,58,540/- रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस अवैध शराब के धंधे में इस्तेमाल होने वाली कुल 8,70,500/- रुपये (आठ लाख सत्तर हजार पांच सौ रुपये) की संपत्ति जब्त की है, जिसमें चार पहिया गाड़ी, विदेशी शराब की बोतलें, मोबाइल फोन और कैश शामिल हैं। पुलिस की इस तुरंत कार्रवाई से शराब कारोबारियों में भारी हलचल मच गई है। पुलिस ने इस शराब तस्करी और घोटाले में शामिल दो मुख्य आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मयूर उर्फ डुंगरी बहादुरसिंह मिरोला और केयूर अशोकभाई चौहान के रूप में हुई है।



शुरुआती पुलिस पूछताछ में पता चला है कि यह विदेशी शराब वडोदरा के उनदेरा इलाके के रहने वाले जय नायडू नाम के एक व्यक्ति ने मंगवाई थी, जबकि एक और अज्ञात व्यक्ति था जिसने हरियाणा के गुड़गांव से यह शराब पैक करके भेजी थी। पुलिस ने इन दोनों वॉन्टेड आरोपियों को पकड़ने की कोशिश शुरू कर दी है।

सरकारी वकील का यू-टर्न और पुलिस सिस्टम पर रिश्वत और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। बहुचर्चित और विवादित खोराज ज़मीन विवाद और उससे जुड़े किडनैपिंग केस में एक नया और बेहद सनसनीखेज मोड़ आया है। अब तक दावे किए जा रहे थे कि पुलिस केस की जांच कर रही है, लेकिन इसी केस की मुख्य शिकायत करने वाली काजल ठाकोर ने अब सीधे पुलिस की भूमिका पर हमला किया है। शिकायत करने वाली के इस यू-टर्न और पुलिस सिस्टम पर गंभीर हमलों ने पूरे गांधीनगर और अहमदाबाद पुलिस डिपार्टमेंट में हलचल मचा दी है। काजल ठाकोर का यू-टर्नः 'पुलिस के डर से पीड़ित परिवार चुप है, इंसाफ मिलने की जगह नाइंसाफी हुई है!' घटना की जानकारी के मुताबिक, किडनैपिंग की शिकायत दर्ज कराने वाली काजल ठाकोर अब खुलकर सामने आई हैं और पुलिस जांच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया है कि उनके पति पिछले दो महीने से घर से बाहर (लापता/लापता) हैं और फॉर्मल शिकायत दर्ज कराने के बावजूद सिस्टम ने उन्हें कोई इंसाफ नहीं दिया है। महिला के बयान से अब यह सवाल उठता है कि क्या सच में पुलिस के डर से पीड़ित परिवार अब तक चुप था? काजल ठाकोर के इस अग्रेसिव रवैये के बाद पूरे किडनैपिंग केस और जमीन घोटाले में पुलिस की भूमिका शक के घेरे में आ गई है। अडालज PI और रेंज ढ्ढत वीरेंद्र यादव पर 70 लाख कैश और 2 करोड़ के सनसनीखेज आरोप! इस मामले में सबसे धमाकेदार दावा रवि ठाकोर ने किया है। रवि ठाकोर के दावे के मुताबिक, अडालज पुलिस इंस्पेक्टर को 70 लाख रुपये कैश दिए गए, जबकि इस मामले में 2 करोड़ रुपये सेटलमेंट या समझौते के लिए टोकन के तौर पर दिए जाने थे! इसके अलावा, यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि यह बड़ी रकम और पैसे का लेन-देन रेंज IG वीरेंद्र यादव तक पहुंचाया जाना था। पुलिस के एक सीनियर IPS अधिकारी और लोकल पुलिस के खिलाफ इतने बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल लेन-देन के आरोपों से पुलिस फोर्स की इमेज खराब हुई है। 'गंगा जल स्कीम' के तहत जांच की मांग रवि ठाकोर और लोकल लोगों ने यह भी सनसनीखेज आरोप लगाया है कि बूटलेगर सलीम ढ्ढत साहब के नाम पर पूरे बॉर्डर या इलाके का 'एडमिनिस्ट्रेशन' संभाल रहा है। इस बात पर भी ज़ोरदार हमले हुए हैं कि यह सिंडिकेट शराब और जुए जैसे गैर-कानूनी ठिकानों से किश्तें वसूलने में भी शामिल है। यह कहते हुए कि इस अधिकारी के खिलाफ पहले भी कई गंभीर शिकायतें और आरोप लगाए गए हैं, सबमिशन में साफ तौर पर मांग की गई है 'राज्य सरकार को तुरंत इस IPS अधिकारी और संबंधित पुलिस कर्मियों के खिलाफ 'गंगा जल योजना' (हाई-लेवल निष्पक्ष कमेटी) के तहत एक निष्पक्ष और सख्त जांच सौंपनी चाहिए! इस पूरी घटना ने गुजरात पुलिस की साख पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। राज्य सरकार इन बड़े अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करके निष्पक्ष जांच करवाती है या यह विवाद भी कागजों में दबा दिया जाएगा।

डभोई तालुका के सेजपुरा गांव में गांव वाले सीवेज से परेशानः लाखों रुपये की लागत से बनी नई सीवर लाइन सिर्फ दिखावा बनकर रह गई है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका के सेजपुरा गांव में गांव वाले सीवेज का सही तरीके से डिस्पोजल न होने की वजह से बहुत ही दयनीय और दयनीय हालत में रहने को मजबूर हैं। गांव से गुजरने वाली बहुत ही व्यस्त सेजपुरा-राजली-मंडला मेन रोड पर सीवेज खुलेआम बह रहा है, जिससे पूरे इलाके में नारकीय स्थिति और असहनीय बदबू बनी हुई है। गांव में विकास के दावों के बावजूद समस्या बनी हुई है, और स्थानीय निवासी पंचायत सिस्टम और अधिकारियों से बहुत नाराज हैं। लाखों खर्च करने के बाद भी कोई नतीजा नहींः सरकारी पैसे की बेवजह बर्बादी सेजपुरा गांव में गांव वालों को सालों पुराने सीवर सिस्टम और सीवेज ओवरफ्लो होने की गंभीर समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए करीब एक से डेढ़ लाख रुपये की लागत से नई सीवर लाइन बिछाई गई थी। लेकिन कागजों पर प्लानिंग और डेवलपमेंट का काम न होने या घटिया क्वालिटी के काम की वजह से इस नई सीवर लाइन में पानी की एक बूंद भी नहीं जाती है। नतीजतन, एक गंभीर स्थिति पैदा हो गई है जहां जनता के टैक्स का पैसा सरकारी खजाने से बह गया है और सिर्फ भ्रष्टाचार के पाप धुल गए हैं। नई सीवर लाइन के ठीक से काम न करने की वजह से पुराने सीवर का गंदा और गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सीधे सेजपुरा-राजली-मंडला मुख्य सड़क पर बह रहा है। इस मुख्य सड़क से हर दिन गुजरने वाले कई वाहन चालक, पैदल चलने वाले और छोटे मासूम बच्चे इस बीमारी को फैलाने वाले गंदे पानी से अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं। सड़क पर भरे गंदे पानी के बड़े-बड़े की वजह से हादसों का खतरा भी लगातार बना रहता है। सड़कों और रिहायशी इलाकों में कई दिनों तक सीवेज का पानी जमा रहने की वजह से मच्छरों और ज़हरीले कीड़ों का प्रकोप बहुत बढ़ गया है। आस-पास के लोगों में इस बात का डर है कि गंदगी के राज से डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और पीलिया जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियाँ फैल सकती हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत को गंभीर खतरा होने के बावजूद ज़िम्मेदार अधिकारी आँखें मूंदे हुए हैं। सिस्टम को नींद से जगाने की ज़ोरदार मांगः आंदोलन की धमकी आस-पास के गाँव वालों की तरफ़ से कई बार कहने के बाद भी ग्राम पंचायत या संबंधित सिस्टम ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। गाँव वालों की साफ़ मांग है कि बड़े अधिकारी तुरंत मौके का मुआयना करें, इंजीनियरों और खराब काम के लिए ज़िम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई करें और नई सीवर लाइन को ठीक से लेवल करवाकर पानी का पक्का निपटारा करें। तो वहां के लोगों ने ऊंचे लेवल पर लिखकर शिकायत देकर ज़ोरदार आंदोलन करने की धमकी दी है।



धान से नमी निकालने के लिए ड्रोन से 8 से 10 km लंबी सड़क पर बुआई; एक तरफ पैदावार में भारी गिरावट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर/भरूच। गुजरात में कुदरत के बढ़ते बदले और अन्न पैदा करने वाले किसानों की अंधाधुंध हत्या के बीच, अब अंकलेश्वर और हंसोत पंथक से एक बहुत ही चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया है। खेतों में मेहनत करके सोने जैसी फसल काटने वाले किसानों की बेचैनी इस हद तक बढ़ गई है कि उन्हें अपनी धान की फसल सुखाने के लिए सरकारी सड़कों और हाईवे पर क्यारियां बनानी पड़ रही हैं। अंकलेश्वर और हंसोत इलाकों में ऐसे मंदिर बन गए हैं जहां सड़कों पर 'कच्चा सोना' (धान) बिछा दिया गया है, जिसे देखकर किसी भी समझदार इंसान की आंखों में आंसू आ जाएंगे। बेमौसम नमी और कुदरती आफ़तों से जूझते हुए, किसान अंकलेश्वर-हंसोट पंथक में करीब 8 से 10 द्यद्व लंबी सड़कों पर अपनी धान की फसल सुखाने के लिए फैलाने को मजबूर हैं। मौजूदा सरकारी और ज़मीनी फैक्ट्स के मुताबिक, इस साल अनियमित और भारी बारिश और माहौल में ज़्यादा नमी की वजह से धान की फसल में नमी बहुत ज़्यादा हो गई है। नियम के मुताबिक, अगर धान में नमी ज़्यादा होती है, तो किसानों को सरकारी सपोर्ट प्राइस पर या खुले बाज़ार में बेचते समय भारी नुकसान उठाना पड़ता है या माल नहीं लिया जाता। घर या खेत में फसल सुखाने के लिए सही सुविधा या धूप न होने और फसल खराब होने के डर से, अंकलेश्वर और हंसोट के बहादुर किसानों ने एक अनोखा लेकिन खतरनाक तरीका अपनाया है। गाड़ियों की भीड़ के बीच, अनाज सप्लायर सड़क के दोनों तरफ करीब 8 से 10 किलोमीटर लंबी पट्टी पर अपना धान फैला देते हैं, ताकि टायरों की रगड़ और धूप से धान की नमी जल्दी निकल जाए। हाईवे और गांव की सड़कों पर फैले धान के ये नज़ारे गुजरात की खेती की असली बदहाली दिखाते हैं एक तरफ किसान नमी निकालने के लिए जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इस साल खेती की इकॉनमी को बड़ा झटका लगा है। बाजार में धान के दाम में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है,



वडोदरा के गोरवा में एक 'चाय के अड्डे' में पार्टनर ने अपने पार्टनर को नहर के बहते पानी में धक्का देकर मार डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल्चरल सिटी वडोदरा के गोरवा इलाके में बिज़नेस की दुश्मनी और दिल टूटने के बीच एक बहुत ही चौंकाने वाला और सनसनीखेज मर्डर केस सामने आया है। चाय और नाश्ते का बिज़नेस साथ में करने वाले दो पार्टनर में से सिर्फ़ एक पार्टनर ने अपने ही पार्टनर को नहर के बहते पानी में धक्का देकर दर्दनाक मौत दे दी। हालांकि, वडोदरा शहर की गोरवा पुलिस टीम ने कुछ ही घंटों में अंधे कत्लखाने जैसे इस मर्डर केस का पर्दाफाश कर दिया है और कातिल पार्टनर को अरेस्ट करके सलाखों के पीछे डाल दिया है। बनावर को मिली जानकारी के मुताबिक, गोरवा इलाके में मधुनगर नहर के बहते पानी में एक युवक की लाश मिली, जिससे पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया। शुरू में यह घटना एक्सीडेंट या सुसाइड जैसी लग रही थी। लेकिन घटना की गंभीरता को देखते हुए गोरवा पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत एक्शन मोड में आई और पूरी जांच शुरू की। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस, CCTV फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर जब कड़ियों को जोड़ना शुरू किया, तो जो असलियत सामने आई, उसे देखकर पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक मनमोहन सिंह और आरोपी सूफियान 'चाय का अड्डा' नाम से चाय-नाश्ते की दुकान चलाते थे। लेकिन, पिछले कुछ सालों से मृतक मनमोहन सिंह समय पर दुकान नहीं पहुंच रहा था। इस छोटी सी बात को लेकर आरोपी सूफियान गुस्से, कड़वाहट और दुख से भर गया। इस बिजनेस की शिकायत का बदला लेने के लिए आरोपी सूफियान जानबूझकर मनमोहन सिंह को नहर के किनारे ले गया और मौका देखकर उसे नहर के गहरे बहते पानी में धक्का दे दिया, जिससे वह डूब गया और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। गोरवा पुलिस एक्शन कुछ ही घंटों में कातिल सलाखों के पीछे मर्डर की खबर मिलते ही वडोदरा शहर की गोरवा पुलिस टीम ने तेज़ी दिखाई और पूरी मर्डर मिस्ट्री से पर्दा उठाया।



सरदारपुर में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित, 86 मरीजों की हुई जाँच, 29 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु इंदौर रवाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

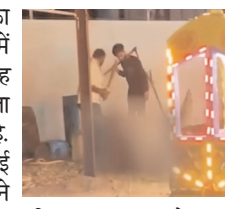
सरदारपुर। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट एवं जिला अंधत्व निवारण समिति, जिला धार के संयुक्त तत्वावधान में 28 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सरदारपुर में निःशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. शीला मुजाल्दा एवं भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय संयोजक श्री प्रेमकुमार वैद्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं भगवान श्री गणेश के पूजन के साथ किया गया। लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. शीला मुजाल्दा ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के अंतिम व्यक्ति तक नेत्र चिकित्सा की सुविधा पहुँचाना है। शिविरों के माध्यम से मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है तथा मोतियाबिंद से पीड़ित चयनित मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण चोइथराम नेत्रालय, इंदौर के कुशल नेत्र विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। इस प्रकार के आयोजनों से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को काफी लाभ मिल रहा है। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय संयोजक श्री प्रेमकुमार वैद्य ने संगठन की स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों एवं समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के प्रयासों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संगठन का संकल्प है कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त हों। इसके लिए सामाजिक संस्थाओं एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण उपचार से वंचित न रहे। शिविर में नेत्र चिकित्सा सहायक डॉ. सतीश पाराशर द्वारा कुल 86 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। परीक्षण के उपरांत मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित 29 मरीजों को बस के माध्यम से चोइथराम नेत्रालय, इंदौर भेजा गया, जहाँ उनके ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण की चिकित्सा प्रक्रिया की जानी है। इस अवसर पर भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के धार जिला अध्यक्ष श्री कैलाश बघेल ने उपस्थित चिकित्सकों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया। शिविर में ट्रस्ट के सरदारपुर तहसील अध्यक्ष श्री सिंह पंडर, महिला तहसील अध्यक्ष श्रीमती सीता शर्मा, सचिव श्रीमती साधना उपाध्याय तथा सदस्य श्री रामसिंह देवड़ा एवं श्री भारत सिंह खराड़ी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा मरीजों को चाय एवं बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराना तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने कहा कि 'मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।



बाबरा के स्वदेशी मेले में कर्मचारी से मारपीट, लोहे की रॉड और लाठियों से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली। अमरेली जिले के बाबर नगरपालिका के पटांगण में इस समय उत्सव और खुशी के माहौल में चल रहा 'स्वदेशी मेला' और लोक मेला काफी उत्साह और ड्रामा का केंद्र बन गया है. त्योहारों के मौसम में लोक मेले में एक आम झगड़ा किस तरह खतरनाक रूप ले सकता है, इसका जीता जागता उदाहरण बाबर से सामने आया है. एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आई है जिसमें दो बेचैन और गुस्सैल लोगों ने एक सार्वजनिक मेले में मनोरंजन की सवारी पर काम कर रहे एक निर्दोष कर्मचारी को सरेआम लोहे की रॉड और लाठियों से घसीटकर पीटा. इस बेरहमी से की गई पिटाई का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से पूरे अमरेली पंथक में भारी हंगामा मच गया. पब्लिक मेले के बीच हाई-वोल्टेज ड्रामाः झांसे में आए लोगों ने मचाया आतंक शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बाबर नगर पालिका के एक बड़े इलाके में पब्लिक के लिए स्वदेशी मेला और पब्लिक मेला लगा है, जहां हर दिन हजारों लोग और बच्चे राइड्स का मजा लेने आते हैं। अचानक, मेले में राइड्स की सफाई या मैनेजमेंट कर रहे एक कर्मचारी की दो अनजान लोगों से बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि इन दोनों लोगों ने कानून या पुलिस से न डरते हुए, मेले के बीच में ही एक राइड्स कर्मचारी पर जानलेवा हमला कर दिया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि हमलावरों के हाथों में डंडे हैं और वे राइड्स स्टाफ को बेरहमी से पीट रहे हैं। इतना ही नहीं, पीटा जा रहा कर्मचारी अपनी जान बचाने की गुहार लगाता रहा, फिर भी इन शैतानों ने उसे जमीन पर घसीटकर मेले की भीड़ में बेरहमी से पीटा।



Rs 10.3 लाख करोड़ के बड़े वैल्यूएशन के साथ स्टॉक मार्केट में बेंचमार्क सेट किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय कॉर्पोरेट जगत और स्टॉक मार्केट के इतिहास में आज एक नया और सुनहरा अध्याय लिखा गया है। देश के कैपिटल मार्केट में अब तक के सबसे बड़े और सबसे रोमांचक डेवलपमेंट में, रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम और डिजिटल आर्म 'रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड' के शेयरों की लिस्टिंग नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर बहुत ही शानदार और सफल तरीके से पूरी हुई है। जैसे ही जियो ने मार्केट में कदम रखा, उसने लगभग Rs 10.3 लाख करोड़ के बड़े और भारी वैल्यूएशन के साथ धमाका करके दलाल स्ट्रीट पर एक नया रिकॉर्ड बनाया। इस ऐतिहासिक सफलता ने पूरे देश के स्टॉक मार्केट और इंडस्ट्री में एक बड़ी चर्चा और उत्साह पैदा कर दिया है। 10.3 लाख करोड़ की बड़ी वैल्यूएशन Jio ने साबित की अपनी ताकत भारत ही नहीं, बल्कि एशिया की सबसे पावरफुल डेटा और डिजिटल सर्विस कंपनी मानी जाने वाली Jio Platforms ने स्टॉक मार्केट में आते ही इन्वेस्टर्स का खूब ध्यान खींचा। कंपनी की यह बड़ी वैल्यूएशन (10.3 लाख करोड़) साबित करती है कि भारतीय डिजिटल क्रांति में Reliance Jio की स्थिति कितनी मजबूत और अजेय है। इस लिस्टिंग के साथ ही लाखों छोटे-बड़े इन्वेस्टर्स और लॉन्ग-टर्म शेयरहोल्डर्स की दौलत में भी भारी उछाल आया है जैसे ही स्टॉक मार्केट में Jio का यह ऐतिहासिक और आसमान छूने वाला सफर शुरू हुआ, देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी और पूरा अंबानी परिवार मुंबई के पवित्र और प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में बप्पा के चरणों में माथा टेकने पहुंचा। बिजनेस की दुनिया के शिखर पर पहुंचने के बावजूद, अंबानी परिवार ने भगवान के प्रति अपार आस्था और विनम्रता दिखाते हुए बप्पा के दरबार में खास पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश और जियो परिवार की इस अभूतपूर्व सफलता के लिए गणपति दादा का आशीर्वाद लिया और औपचारिक आरती की। सिद्धिविनायक मंदिर परिसर में अंबानी परिवार के आने के कारण भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और भक्तों में काफी उत्सुकता और उत्साह था।



ट्रेनों में रात 11 से सुबह 5 बजे तक बंद रहेंगे मोबाइल चार्जिंग पॉइंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। ट्रेनों में रात के समय मोबाइल और पावर बैंक चार्ज करने से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे ने सुरक्षा नियमों की पालना सख्त करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक सभी कोचों में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट बंद रखना अनिवार्य होगा। नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए



अधिकारियों और सुपरवाइजरों को औचक निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। रेलवे बोर्ड के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी), इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (जनरल) शोभित गुप्ता ने 26 अक्टूबर को इस संबंध में सभी क्षेत्रीय रेलों के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियरों को पत्र जारी किया। इसमें निर्धारित समय के दौरान चार्जिंग पॉइंट बंद रखने के पहले से जारी निर्देशों का सख्ती से पालन कराने को कहा गया है। रेलवे बोर्ड के अनुसार, दक्षिण पूर्व रेलवे में हाल ही में एक घटना सामने आई थी, जिसमें निर्धारित समय के दौरान चार्जिंग पॉइंट बंद नहीं किए गए थे। इसी दौरान चार्जिंग पर लगा एक यात्री का पावर बैंक फट गया। इस घटना के बाद रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीरता दिखाई है। साथ ही संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करने पर जोर दिया गया है। रेलवे बोर्ड ने कर्मचारियों को नियमों की जानकारी देने के साथ परामर्श और प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं। अधिकारियों और सुपरवाइजरों को औचक निरीक्षण कर यह जांचना होगा कि रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक चार्जिंग पॉइंट वास्तव में बंद रखे जा रहे हैं या नहीं। इसका उद्देश्य निर्देशों की अनदेखी रोकना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की पहली प्राथमिकता है। निर्धारित समय में चार्जिंग पॉइंट बंद रखने की व्यवस्था को प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा।

जालोर में उपभोक्ता आयोग का फैसला: विनायक कॉलेज को लौटाने होंगे 16,200 रुपए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

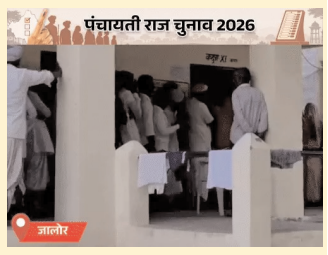
जालोर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने विनायक कॉलेज एंड डिफेंस अकादमी को परिवादी भारती कुमारी को फीस वापसी में कम दिए गए 16,200 रुपए 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा संस्थान को मानसिक संताप और परिवाद व्यय के लिए 10 हजार रुपए भी अदा करने होंगे। मामले के अनुसार, भैंसवाड़ा निवासी भारती कुमारी पत्नी धर्मेंद्र ने अपने पुत्र कौशिक को कक्षा 11 में प्रवेश दिलाने के लिए 18 मई 2023 को पोलजी नगर, स्टेशन रोड स्थित विनायक कॉलेज एंड डिफेंस अकादमी से संपर्क किया था। संस्थान की ओर से प्रवेश के लिए 69,500 रुपए जमा कराने को कहा गया, जिसके बाद उन्होंने पूरी राशि जमा करवा दी। बाद में भारती कुमारी ने अपने पुत्र का प्रवेश किसी अन्य संस्थान में कराने का निर्णय लिया और कॉलेज से जमा कराई गई फीस वापस मांगी। इसके लिए उन्होंने अलग-अलग तारीखों पर संस्थान से संपर्क किया, लेकिन उनके अनुसार पूरी राशि लौटाने के बजाय 16,200 रुपए कम वापस किए गए। शेष राशि प्राप्त करने के लिए उन्होंने संस्थान को कानूनी नोटिस भी भेजा, लेकिन इसके बावजूद भुगतान नहीं हुआ। इसके बाद भारती कुमारी ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश किया। मामले के तथ्यों और प्रस्तुत दस्तावेजों पर विचार करने के बाद आयोग के पीठासीन अधिकारी घनश्याम यादव और सदस्य निरंजन शर्मा ने संस्थान को शेष 16,200 रुपए परिवाद दर्ज होने की तारीख से वास्तविक भुगतान तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया आयोग ने संस्थान को मानसिक संताप और परिवाद व्यय के लिए 10 हजार रुपए अतिरिक्त देने के भी निर्देश दिए हैं। यह फैसला प्रवेश रद्द कराने के बाद फीस वापसी को लेकर होने वाले विवादों में उपभोक्ता शिकायतों और उनके निस्तारण के महत्व को रेखांकित करता है।चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शुरू, 843 केंद्रों पर वोटिंग



जालोर में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शुरू 843 केंद्रों पर वोटिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के तहत जालोर में जिला परिषद और पंचायत समितियों के वार्डों के लिए आज सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ। जिले में सात पंचायत समितियों के कुल 843 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें नौ सहायक मतदान केंद्र भी शामिल हैं। मतदान के दौरान कई केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही देखने को मिली, वहीं कुछ स्थानों पर दोपहर के समय मतदान की रफ्तार धीमी नजर आई। इस चरण में जिला परिषद के 23 वार्डों और जालोर, उम्मेदाबाद, आहोर, भाद्राजून, सायला, भीनमाल तथा जसवंतपुरा पंचायत समितियों के 135 वार्डों में मतदान हो रहा है। जिला परिषद के कुल 43 वार्डों में से 23 वार्डों के लिए आज वोट डाले जा रहे हैं। इनमें जालोर के चार, सायला के चार, भीनमाल के पांच, जसवंतपुरा के तीन, आहोर के तीन, भाद्राजून के दो और उम्मेदाबाद के दो वार्ड शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के गवांडे के नेतृत्व में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। मतदान केंद्रों पर चुनाव प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित करने के लिए प्रबंध किए गए हैं। जालोर के मांडवला में दोपहर करीब 3 बजे आदर्श मतदान केंद्र संख्या 71 पर टेंट नीचे गिरा हुआ और बिखरा मिला। वहां वीडियो और फोटो बनाए जाने के दौरान कर्मचारियों ने टेंट को दोबारा खड़ा करने का काम शुरू किया। घटना के समय मतदान केंद्र की व्यवस्था को लेकर यह स्थिति सामने आई। वहीं, दोपहर के समय मांडवला के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या कम दिखाई दी। बूथों पर इक्का-दुक्का मतदाता ही मतदान के लिए पहुंचते नजर आए आहोर विधानसभा क्षेत्र में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए हो रहे मतदान के दौरान मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। बुजुर्ग कक्कु देवी पत्नी भगाराम अपनी बहू के साथ मतदान केंद्र पहुंचीं और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी निभाई। क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों पर सुबह से मतदाताओं की आवाजाही बनी रही और दोपहर तक कई केंद्रों पर लोगों की भीड़ भी नजर आई।



नक्की झील से पांडव भवन मार्ग पर गंदगी देख पीजी संचालक को लगाई फटकार, मौके पर बुलाए सफाईकर्मी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने बुधवार सुबह सख्त रुख अपनाया। नक्की झील से पांडव भवन जाने वाले मार्ग पर गंदगी दिखाई देने पर उन्होंने संबंधित पेइंग गेस्ट हाउस संचालक को मौके पर बुलाकर साफ-सफाई बनाए रखने की हिदायत दी। अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने या सफाई व्यवस्था की अनदेखी करने पर अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोबारा गंदगी मिलने पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। उन्होंने केवल चेतावनी देकर मामला नहीं छोड़ा, बल्कि तत्काल सफाईकर्मियों को बुलाकर संबंधित स्थान की सफाई भी करवाई बुधवार सुबह निरीक्षण के दौरान नक्की झील से पांडव भवन जाने वाले मार्ग पर गंदगी नजर आने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष ने आसपास की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पेइंग गेस्ट हाउस संचालक को बुलाकर साफ शब्दों में कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। पर्यटन नगरी माउंट आबू में आने वाले पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इसी तरह गंदगी मिली तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और नियमानुसार जुर्माना भी लगाया जाएगा। मौके पर सफाईकर्मियों को बुलाकर सफाई करवाने की कार्रवाई से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करना जरूरी है। नक्की झील मार्ग पर सफाई करवाने के बाद सुनील आचार्य पोलो ग्राउंड पहुंचे, जहां चल रही सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर की स्वच्छता से जुड़े कार्यों को देखा। नगर पालिका की ओर से सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के प्रयासों के बीच अध्यक्ष का निरीक्षण इस बात का संकेत है कि सार्वजनिक स्थलों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। माउंट आबू जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल पर स्वच्छता का सीधा संबंध शहर की छवि और पर्यटकों के अनुभव से जुड़ा है। ऐसे में मुख्य मार्गों, पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित सफाई बनाए रखना महत्वपूर्ण है। स्थानीय स्तर पर सफाई व्यवस्था की निगरानी के साथ-साथ होटल, पेइंग गेस्ट हाउस और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी भी अहम मानी जाती है। पोलो ग्राउंड की ओर जाते समय नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य की मुलाकात निजी काम से माउंट आबू आए पूर्व सांसद देवजी एम. पटेल से हुई। इस दौरान पटेल ने शहर की सफाई व्यवस्था को देखकर अध्यक्ष के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह तीन बार सांसद रहे हैं, लेकिन उन्होंने पहले माउंट आबू में इस तरह की सफाई व्यवस्था नहीं देखी। पूर्व सांसद ने यह भी बताया कि उन्हें लोगों से फीडबैक मिला है कि नगर पालिका अध्यक्ष के रूप में सही व्यक्ति का चयन



हुआ है और इससे माउंट आबू के विकास को गति मिलने की उम्मीद है। उनके इस बयान को शहर की सफाई व्यवस्था और विकास को लेकर किए जा रहे प्रयासों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। माउंट आबू की पहचान एक प्रमुख पर्यटन नगरी के रूप में है। यहां देश के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में शहर की सड़कों, पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखना नगर पालिका के साथ-साथ स्थानीय व्यवसायियों और नागरिकों की भी साझा जिम्मेदारी है।

न ओटीपी साझा किया, न अनजान लिंक खोला, फिर भी दो बैंक खातों से निकली रकम; शिकायत के बाद भी ओटीपी आने का पीड़ित का आरोप

जोधपुर में बिना लिंक क्लिक किए खाते से 1.19 लाख की साइबर ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक के दो बैंक खातों से करीब 1 लाख 19 हजार रुपए निकाल लिए गए। पीड़ित का कहना है कि उसने न तो किसी अनजान लिंक पर क्लिक किया और न ही किसी के साथ ओटीपी साझा किया, इसके बावजूद उसके खातों से रकम कट गई। मामले में पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस को भी घटना की जानकारी दी है। पीड़ित रमेश सिंह के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात की है। उनके एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड से 1 लाख रुपए और इंडसइंड बैंक खाते के यूपीआई के जरिए 19 हजार रुपए निकाल लिए गए। मोबाइल पर लगातार लेनदेन के



संदेश आने पर उन्हें खाते से रकम कटने का पता चला। इसके बाद उन्होंने देर रात ही साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई। दूसरे बैंक खाते से जुड़ी शिकायत के लिए उन्होंने अगले दिन बैंक जाकर भी सूचना दी। रमेश सिंह का आरोप है कि इंडसइंड बैंक को आधिकारिक रूप से सूचना देने और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बावजूद उनके मोबाइल पर लगातार ओटीपी आ रहे हैं। इस स्थिति को लेकर उन्होंने चिंता जताई है। पीड़ित ने साइबर थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना से अवगत कराया है। पीड़ित के मुताबिक, खातों में जितनी रकम उपलब्ध थी, ठगी में उतनी ही राशि निकाली गई। उनका कहना है कि यदि खातों में इससे अधिक पैसा होता, तो नुकसान और बड़ा हो सकता था। इस घटना ने बिना लिंक खोले या ओटीपी साझा किए बैंक खातों से रकम निकलने को लेकर चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल पीड़ित ने बैंक और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। मामले में ठगी किस तरीके से की गई और लेनदेन के पीछे कौन जिम्मेदार है, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में चारों आरोपी बरी

अलवर पॉक्सो कोर्ट ने सुनाई थी जीवन के अंत तक कठोर आजीवन कारावास की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए चारों आरोपियों की सजा रद्द कर उन्हें बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल और न्यायमूर्ति भुवन गोयल की खंडपीठ ने सोनू उर्फ सावन सुवालिया और तीन अन्य आरोपियों की याचिका पर यह निर्णय दिया। इससे पहले अलवर की पॉक्सो अदालत ने 2 जून 2023 को चारों आरोपियों को जीवन के अंत तक कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपियों ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता की उम्र, प्राथमिकी दर्ज होने की परिस्थितियों, उसके बयानों, चिकित्सकीय साक्ष्यों और डीएनए रिपोर्ट की विश्वसनीयता सहित कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर सवाल उठाए। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने 14 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद 26 अक्टूबर को निर्णय का ऑपरेटिव पार्ट सुनाया गया और अब विस्तृत फैसला जारी किया गया है। मामले के अनुसार, अलवर जिले के एक पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि 27 सितंबर 2019 की रात करीब



साढ़े 10 बजे चारों आरोपी नाबालिग को उसके घर से कार में बैठाकर ले गए थे। आरोप था कि वे पहले उसे गांव के पास स्थित एक बाड़े में और फिर नदी के निकट सुनसान स्थान पर ले गए, जहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया था कि घटना का वीडियो सार्वजनिक करने और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना के बाद पीड़िता को उसके घर के पास छोड़ दिया गया था। इसके बाद वह पुलिस चौकी पहुंची और शिकायत दर्ज करवाई। मामले में निचली अदालत ने सुनवाई के बाद चारों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि, हाईकोर्ट में अपील पर विचार के बाद अदालत ने सजा रद्द करते हुए चारों को बरी कर दिया। फैसले में अदालत ने साक्ष्यों और मामले की परिस्थितियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म मामले में चारों आरोपी बरी

अलवर पॉक्सो कोर्ट ने सुनाई थी जीवन के अंत तक कठोर आजीवन कारावास की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए चारों आरोपियों की सजा रद्द कर उन्हें बरी कर दिया है। न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल और न्यायमूर्ति भुवन गोयल की खंडपीठ ने सोनू उर्फ सावन सुवालिया और तीन अन्य आरोपियों की याचिका पर यह निर्णय दिया। इससे पहले अलवर की पॉक्सो अदालत ने 2 जून 2023 को चारों आरोपियों को जीवन के अंत तक कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपियों ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता की उम्र, प्राथमिकी दर्ज होने की परिस्थितियों, उसके बयानों, चिकित्सकीय साक्ष्यों और डीएनए रिपोर्ट की विश्वसनीयता सहित कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर सवाल उठाए। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने 14 अक्टूबर को



फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद 26 अक्टूबर को निर्णय का ऑपरेटिव पार्ट सुनाया गया और अब विस्तृत फैसला जारी किया गया है। मामले के अनुसार, अलवर जिले के एक पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि 27 सितंबर 2019 की रात करीब साढ़े 10 बजे चारों आरोपी नाबालिग को उसके घर से कार में बैठाकर ले गए थे। आरोप था कि वे पहले उसे गांव के पास स्थित एक बाड़े में और फिर नदी के निकट सुनसान स्थान पर ले गए, जहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। शिकायत में पीड़िता ने आरोप लगाया था कि घटना का वीडियो सार्वजनिक करने और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना के बाद पीड़िता को उसके घर के पास छोड़ दिया गया था। इसके बाद वह पुलिस चौकी पहुंची और शिकायत दर्ज करवाई। मामले में निचली अदालत ने सुनवाई के बाद चारों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि, हाईकोर्ट में अपील पर विचार के बाद अदालत ने सजा रद्द करते हुए चारों को बरी कर दिया। फैसले में अदालत ने साक्ष्यों और मामले की परिस्थितियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

घुघाड़ी धाम में शरद पूर्णिमा महोत्सव: 15 क्विंटल दूध की खीर का भोग, राम झरोखे के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। महावा के निकट स्थित घुघाड़ी धाम में शरद पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्राचीन संतों की तपोस्थली राम झरोखे में भगवान राम को खीर का विशेष भोग अर्पित किया गया। राम झरोखे की विशेष मान्यता है कि इसके दर्शन साल में केवल शरद पूर्णिमा के अवसर पर ही होते हैं। इसी कारण महोत्सव में शामिल होने के



लिए देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान के दर्शन कर मनौतियां मांगीं। महोत्सव के दौरान घुघाड़ी धाम में करीब 15 क्विंटल दूध से खीर तैयार की गई। खीर को रात में चांदनी के नीचे रखा गया और इसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार शरद पूर्णिमा की चांदनी में रखी खीर का विशेष महत्व माना जाता है। धाम में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया। महंत अवध बिहारी दास महाराज ने बताया कि पूरे भारतवर्ष में यह एकमात्र राम झरोखा है, जहां दूधाधारी महाराज की कठोर तपस्या से भगवान राम ने स्वयं दर्शन दिए थे। इसी मान्यता के चलते यह स्थान लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। राम झरोखे के साल में केवल शरद पूर्णिमा पर खुलने के कारण इस दिन यहां दर्शन करने का विशेष महत्व माना जाता है।

माउंट आबू में दीपोत्सव की तैयारी तेज, नक्की झील पर जगमगाएगा उत्सव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। दीपोत्सव और पर्यटन सीजन को लेकर माउंट आबू में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी सिलसिले में महात्मा गांधी नगर पालिका पुस्तकालय में उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव और नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। इसमें व्यापारिक संस्थानों के अध्यक्षों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में पर्यटकों की

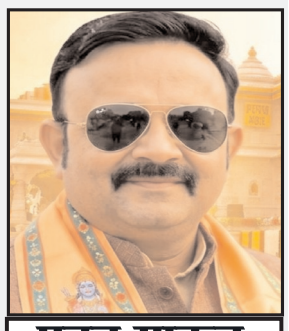


सुविधाओं, पार्किंग, सफाई, यातायात और शहर की सजावट को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सैलानियों की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए पार्किंग व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके लिए पोलो ग्राउंड और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर को पार्किंग स्थल के रूप में चुना गया है। प्रशासन की योजना है कि प्रमुख दर्शनीय स्थलों और बाजारों के आसपास जाम की स्थिति नहीं बने तथा पर्यटकों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और लगातार सफाई सुनिश्चित करने पर भी ध्यान दिया जाएगा। बैठक में नक्की झील पर दीपोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापारिक संस्थानों से सहयोग लिया जाएगा। दीपोत्सव के अवसर पर पूरे शहर में आकर्षक रोशनी की व्यवस्था करने की योजना है। शहर के अधिकांश स्थानों पर जनसहयोग के माध्यम से लाइटिंग कराई जाएगी, जिससे पर्व के दौरान माउंट आबू का वातावरण उत्सवमय बनाया जा सके। प्रशासन और नगर पालिका की ओर से पर्यटन सीजन के दौरान स्वच्छता व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख मार्गों पर सफाई बनाए रखने के साथ दर्शनीय स्थलों पर यातायात सुचारु रखने की योजना बनाई गई है।

सम्पादकीय

ITBP चीफ के बयान पर अरुणाचल के BJP मंत्री के अजीब जवाब से पूरे देश में गुस्सा

'क्या देश सुरक्षित है या अधिकारी फिल्मी वर्चुअल दुनिया में जी रहे हैं?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अरुणाचल प्रदेश भारत की अंदरूनी और बाहरी सिक्योरिटी, बॉर्डर की पवित्रता और देश के सैनिकों का हौसला किसी भी देश के लिए सबसे बड़े और गंभीर मुद्दे होते हैं। लेकिन जब देश के जिम्मेदार पदों पर बैठे नेता नेशनल सिक्योरिटी जैसे गंभीर मुद्दे को गंभीरता से लेने के बजाय सिनेमा और फिल्मी डायलॉग के सहारे गैर-जिम्मेदाराना बयान देते हैं, तो देश की सिक्योरिटी पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हाल ही में, जब अरुणाचल प्रदेश के एक BJP मंत्री से ITBP (इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस) चीफ के चीनी बॉर्डर और उसके खिलाफ हमारी स्थिति के बारे में किए गए कमेंट्स के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसने पूरे देश के बुद्धिजीवियों और नागरिकों को चौंका दिया है। रिपोर्टर के सवाल पर मंत्री का बेतुका और मज़ेदार बयान

घटनाक्रम के अनुसार, जब एक पत्रकार ने अरुणाचल के एक BJP मंत्री से पूछा, ITBP चीफ ने कहा है कि चीन के मुकाबले भारत कमज़ोर है! '

इस गंभीर और सही सवाल के जवाब में, ज़िम्मेदार मंत्री ने असलियत मानने या देश की मिलिट्री तैयारियों के बारे में सही-सही बोलने के बजाय, मज़ेदार बचाव करते हुए कहा, 'ऐसा नहीं है। हम कमज़ोर नहीं हैं। आप 'धुरंधर' (या उससे जुड़ा प्रोपेगैंडा) फ़िल्म देख लीजिए, भारत बहुत ताकतवर है! '

हम पर किस तरह के लोग राज कर रहे हैं? देश की सिक्योरिटी किसके भरोसे है?

ऐसे बयान सुनकर किसी भी देशभक्त नागरिक के मन में बस एक ही सवाल उठता है कि असल में हम पर किस तरह के लोग राज कर रहे हैं? क्या देश की सीमाओं की सुरक्षा, सेना की ताकत और दुश्मनों के खिलाफ़ चुनौतियों का फ़ैसला कुछ मनगढ़ंत सिनेमा या प्रोपेगैंडा फ़िल्मों के आधार पर होता है? जब कोई दुश्मन देश देश की सीमाओं पर लाल आंखें ताने बैठा हो, अपने मॉडर्न हथियार और मिलिट्री ताकत बढ़ा रहा हो, तो देश के मंत्री असली ज़मीनी हकीकत को मानने के बजाय सिनेमा स्क्रीन पर दिखाई जाने वाली फिल्मी कहानियों को ही असली हकीकत मान लें और जनता को वर्चुअल दुनिया में जीने की सलाह दें - देश के लिए इससे बड़ी दुखद बात और क्या हो सकती है?

फिल्मी डायलॉग से बॉर्डर की सुरक्षा नहीं: ज़मीनी हकीकत से मुंह मोड़ने का खेल

जब नेता ज़मीनी हकीकत (ग्राउंड रियलिटी) पर बात करने के बजाय फिल्मों का रेफरेंस देने लगें, तो समझना होगा कि लीडरशिप में गंभीरता की पूरी कमी है। जो नेता देश की अंदरूनी और बाहरी सुरक्षा को प्रोपेगैंडा फिल्मों के चश्मे से देखते हैं, उनसे देशहित में किसी मजबूत पॉलिसी की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

इसी सोच का नतीजा है कि जब भी बॉर्डर पर घुसपैठ या सुरक्षा में चूक की बात होती है, तो अधिकारी खुशी-खुशी दोहराते हैं, 'नो इनफिल्ट्रेशन, नो एंट्री!' भले ही दुश्मन ज़मीन पर अंदर पैर रख चुका हो, लेकिन सत्ता के नशे में चूर नेता अपनी ख्याली दुनिया में मानते हैं कि सब ठीक है। जनता में भारी गुस्साः गंभीर मुद्दों पर मज़ाक बर्दाश्त नहीं

देश के नागरिक और जागरूक वोटर अब ऐसी गैर-ज़िम्मेदार राजनीतिक बयानबाज़ी से तंग आ चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटी कोई मज़ाक या फ़िल्मी स्क्रिप्ट नहीं है जहाँ सिनेमा के हीरो की तरह डायलॉग बोलकर हालात बदले जा सकें। सेना के जवान अपनी जान देकर बॉर्डर की रक्षा करते हैं, और दूसरी तरफ़ ऐसे नेता सिर्फ़ राजनीतिक रोटियाँ सेंकने या असलियत छिपाने के लिए फ़िल्मों के सहारे बेमतलब बयान देते हैं।

अगर समय रहते इस सोच को नहीं बदला गया और गंभीर मुद्दों पर गंभीरता से नहीं सोचा गया, तो भविष्य में देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। देश के लोग अब सवाल पूछ रहे हैं - क्या सच में हमारी सीमाएँ और सुरक्षा ऐसी वर्चुअल दुनिया में रहने वाले नेताओं के भरोसे छोड़ दी जानी चाहिए?



आज का राशिफल

(गुरुवार)29 अक्टूबर 2026

मेष
कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। रुके हुए काम पूरे करने के लिए प्रयास बढ़ाएं, परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ
रिश्तों में तालमेल बनाए रखने का दिन है। नौकरी या कारोबार में नई संभावनाओं पर विचार कर सकते हैं, अनावश्यक विवादों से दूर रहें

मिथुन
आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। नौकरी और कारोबार में धैर्य से काम लेने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

कर्क
मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण कामों में धैर्य रखें और किसी भी निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें

सिंह
नए लोगों से संपर्क लाभदायक हो सकते हैं। कामकाज में व्यस्तता रहेगी, लेकिन अपनी सेहत और आराम का भी ध्यान रखें।

कन्या
शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। अनुभवी व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, परिवार को समय दें।

तुला
परिवार में सुखद माहौल रह सकता है। किसी पुराने मामले का समाधान मिलने की उम्मीद है, खर्चों पर नियंत्रण रखें

वृश्चिक
कामकाज की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। अपनी प्राथमिकताएं तय करके आगे बढ़ें और आर्थिक मामलों में अनावश्यक जोखिम लेने से बचें

धनु
आत्मविश्वास के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अपनी बात स्पष्ट रखें और जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें

मकर
नए विचारों और योजनाओं पर काम करने का अवसर मिल सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी भी वादे से पहले अपनी स्थिति समझ लें

कुंभ
योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिल सकती है। धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें और जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करें

मीन
दिन सामान्य से अनुकूल रह सकता है। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और परिवार का साथ मिलेगा। महत्वपूर्ण फैसलों में भावनाओं के बजाय व्यावहारिकता को महत्व दें

सरकारें हमेशा अपने विचारों से सहमत जजों को पसंद करती हैं: पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सरकार के साथ उसके संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि सरकारें हमेशा उन न्यायाधीशों को पसंद करती रही हैं, जो उनके विचारों से सहमत होते हैं। उनके अनुसार, लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका केवल सरकारी फैसलों की समीक्षा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा करना और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित रखना भी उसका मूल दायित्व है। ऐसे में न्यायपालिका को अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए मजबूती से खड़ा रहना चाहिए और अपने संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन बिना किसी दबाव के करना चाहिए।

जस्टिस कौल ने ये बातें अपनी आगामी पुस्तक 'विदाउट फियर ऑर फेवर' को लेकर चर्चा के दौरान कहीं। उनके विचारों में न्यायपालिका की स्वायत्तता, न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया, सरकार और अदालतों के बीच संस्थागत संबंध तथा न्याय मिलने में होने वाली देरी जैसे मुद्दे प्रमुखता से सामने आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता केवल एक संस्थागत व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध संविधान के प्रभावी क्रियान्वयन और आम नागरिकों के भरोसे से भी है। यदि न्यायपालिका अपने निर्णयों और नियुक्तियों से जुड़े मामलों में स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पाती, तो संवैधानिक संस्थाओं के बीच संतुलन प्रभावित हो सकता है। न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर जस्टिस कौल ने कॉलेजियम की स्वतंत्रता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम को योग्य उम्मीदवारों के चयन के मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना चाहिए और सरकार से पहले ही मंजूरी लेने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। उनके अनुसार, नियुक्तियों की प्रक्रिया में सरकार को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना और संबंधित तथ्यों पर विचार करना अपनी जगह उचित हो सकता है, लेकिन इसे इस तरह नहीं चलाया जाना चाहिए कि न्यायपालिका की निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित होने लगे। भारत में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में कॉलेजियम और केंद्र सरकार की अलग-अलग भूमिकाएं हैं। इस व्यवस्था में उम्मीदवारों की योग्यता, अनुभव और उपयुक्तता के साथ कई अन्य पहलुओं पर भी विचार किया जाता है। जस्टिस कौल की टिप्पणी इसी प्रक्रिया में न्यायपालिका की स्वायत्तता को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाती है। उनका मानना है कि नियुक्तियों से संबंधित निर्णयों में कॉलेजियम को अपनी संवैधानिक भूमिका स्पष्टता और दृढ़ता के साथ निभानी चाहिए। उनकी राय में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अर्थ सरकार के साथ टकराव बनाए रखना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि नियुक्तियों और न्यायिक कामकाज से जुड़े निर्णय किसी अनुचित दबाव या अनावश्यक निर्भरता के कारण प्रभावित न हों। सरकार और न्यायपालिका के बीच संवाद जरूरी हो सकता है, लेकिन संवाद और पूर्व मंजूरी के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नियुक्तियों में यदि किसी स्तर पर अनावश्यक देरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल संस्थागत व्यवस्था पर नहीं, बल्कि अदालतों के कामकाज और न्याय पाने वाले लोगों पर भी पड़ सकता है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ अपने संबंधों को लेकर जस्टिस कौल ने कहा कि दोनों के बीच व्यक्तिगत संबंध अच्छे थे, लेकिन न्यायाधीशों की नियुक्ति के मुद्दे पर उनकी सोच अलग थी। उन्होंने नियुक्तियों के मामले में चंद्रचूड़ के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए अपनी राय रखी कि कई बार सरकार के सामने कॉलेजियम का पक्ष मजबूती से रखने में नरमी दिखाई देती थी। यह टिप्पणी न्यायपालिका के भीतर नियुक्तियों की प्रक्रिया और उसके संचालन को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोणों की ओर संकेत करती है। जस्टिस कौल के अनुसार, कॉलेजियम की भूमिका केवल नामों पर विचार करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे अपनी सिफारिशों और निर्णयों के संबंध में संस्थागत स्वतंत्रता भी बनाए रखनी चाहिए। नियुक्तियों से जुड़े मामलों में स्पष्टता और दृढ़ता आवश्यक है, ताकि न्यायपालिका की स्वायत्तता पर किसी तरह का संदेह पैदा न हो।हालांकि, उन्होंने चंद्रचूड़ के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को अलग रखते हुए नियुक्तियों के विषय पर असहमति व्यक्त की। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि न्यायपालिका के भीतर किसी व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध होने का अर्थ यह नहीं है कि सभी संस्थागत और नीतिगत मुद्दों पर विचार भी समान हों। न्यायिक व्यवस्था में अलग-अलग राय और दृष्टिकोण के आधार पर बहस होना स्वाभाविक है, लेकिन ऐसी बहस का उद्देश्य व्यवस्था को अधिक प्रभावी और स्वतंत्र बनाना होना चाहिए। जस्टिस कौल ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के रिक्त पदों को समय पर भरने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि नियुक्तियों की प्रक्रिया बहुत लंबी और जटिल होने से योग्य वकीलों का मन बदल सकता है। ऐसे उम्मीदवार, जिनके पास कानूनी क्षेत्र में पर्याप्त अनुभव और क्षमता है, वे लंबी प्रक्रिया के कारण न्यायाधीश बनने की जिम्मेदारी स्वीकार करने से पीछे हट सकते हैं।झ न्यायाधीशों के रिक्त पदों का मुद्दा अदालतों के कामकाज से सीधे जुड़ा हुआ है। जब अदालतों में स्वीकृत पदों के मुकाबले न्यायाधीशों की संख्या कम होती है, तो उपलब्ध न्यायिक संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। मुकदमों की सुनवाई, लंबित मामलों के निपटारे और नागरिकों को समय पर राहत उपलब्ध कराने की चुनौती और गंभीर हो सकती है। ऐसे में नियुक्तियों में देरी का प्रभाव केवल चयन प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहता, बल्कि न्याय पाने की पूरी व्यवस्था पर पड़ सकता है। जस्टिस कौल ने इस बात पर जोर दिया कि योग्य उम्मीदवारों की पहचान करने और उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाना चाहिए। सरकार को उम्मीदवारों के बारे में आवश्यक जानकारी देना प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल नियुक्तियों को अनावश्यक रूप से लंबा खींचने का कारण नहीं बनना चाहिए। उनके विचार में न्यायपालिका की संस्थागत क्षमता बनाए रखने के लिए योग्य लोगों को समय पर अवसर देना जरूरी है। यह विषय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यायपालिका में नियुक्ति केवल एक पद भरने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है। इसमें उम्मीदवार की कानूनी समझ, न्यायिक दृष्टिकोण, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता जैसे पहलुओं का महत्व होता है।

सर्बिया से नोएडा तक: डेमोक्रेसी का 'सिग्नल' और हमारी फिल्म सिटी की ज्वलंत चिंता!

विदेशी हिंसा और हमारी 'शांति' के बीच विडंबना:

सर्बिया की धरती से जो दिल दहला देने वाले और आंखें खोल देने वाले दृश्य सामने आ रहे हैं, वे किसी भी संवेदनशील इंसान को सिहरन पैदा कर देंगे। वहां राज या सत्ता में थोड़ा सा क्या बदलाव हुआ, भड़की हुई भीड़ ने सीधे न्यूज़ चैनलों के मेन ऑफिस और स्टूडियो पर जानलेवा हमले शुरू कर दिए! सवाल यह है कि जो पब्लिक पिछले 14 सालों से उन्हीं चैनलों के कैंपेन और खबरें देख रही थी, आज अचानक इतना गुस्सा क्यों फूट पड़ा? अरे भाई, जब रिमोट कंट्रोल आपके ही हाथ में था और आप ही 14 साल से उस स्क्रीन पर आंखें गड़ाए बैठे थे, तो अचानक कांच तोड़ने और स्टूडियो जलाने की क्या ज़रूरत पड़ गई?

सच में, इन विदेशियों को 'टॉलरेंस' का सबक सिखाना होगा। ज़रा हमारे देश की गंगा-जमुना का असर तो देखिए! यहां कितनी शांति और अजीब सा मेलजोल है। खुशकिस्मती से, हमारे देश में सब कुछ काफी नॉर्मल और कंट्रोल में है। यहां न तो किसी न्यूज़ चैनल के हेडक्वार्टर या ऑफिस के बाहर गुस्साई भीड़ दिखती है, न ही किसी कैमरामैन या एंकर को अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ता है। यही हमारी महान, मैच्योर और मजबूत डेमोक्रेसी की असली और जीती-जागती निशानी है!

नोएडा के सेक्टर 16A की 'पवित्र' फिल्म सिटी और उसके देश के रक्षक

यह सब तो ठीक है, लेकिन फिर भी एक छोटी और जानलेवा चिंता अक्सर मन में आती है। ज़रा नोएडा, उत्तर प्रदेश के सेक्टर 16 पर नज़र डालिए, जहां हमारी बहुत प्यारी और करोड़ों की 'फिल्म सिटी' है। सेक्टर पर बाएं मुड़ें और आप सीधे स्टूडियो पहुंच जाएंगे! और तो और, यह जगह सेंट्रल दिल्ली से सिर्फ़ 7.3 किलोमीटर की दूरी पर है। इसका मतलब है कि अगर आप कॉनॉट प्लेस से ऑटो-रिक्शा में बैठते हैं, तो जब तक रिक्शा वाला मीटर ऑन करके गियर बदलेगा, तब तक स्टूडियो लेटेस्ट 'ब्रेकिंग न्यूज़' और हाई-वोल्टेज डिबेट के साथ तैयार होगा!

यहां से चलने वाले बड़े चैनल और बड़े स्टूडियो सच में हमारे मेनस्ट्रीम मीडिया की रीढ़ हैं। सुबह चाय की चुस्की के साथ देशभक्ति के नारे परोसते हैं, दोपहर में स्टूडियो के अंदर अखाड़ा बनाकर धर्मयुद्ध शुरू कर देते हैं, और रात के प्राइम टाइम में हमारे एंकर साहब इतनी ज़ोर से चिल्लाते हैं कि पड़ोसी के घर का LCD TV भी डर के मारे बंद हो जाता है! अगर हम ऐसे बिना थके काम करने वाले 'देश के रक्षकों' और कैमरा वॉरियर्स की सुरक्षा नहीं करेंगे, तो इस दुनिया में किसकी सुरक्षा करेंगे, भाई?

जवाबदेही मांगने का तरीका और हमारी 'सुविधा'

सर्बिया में तो सत्ता बदलते ही जनता ने सीधे 14 साल का हिसाब मांगना शुरू कर दिया था। लेकिन हमारे देश में यह कितना बढ़िया है! वहां तो जनता को सरकार या सिस्टम से कोई हिसाब मांगने या लड़ने की ज़रूरत नहीं पड़ती। क्योंकि, वहां तो चैनलों के एंकर खुद ही सीधे 'हिसाब-किताब' और सवाल पूछने का काम संभाल लेते हैं! ज़रा सोचिए कितनी सुविधाएं हैं! आपको बैठकर खुद से सोचने या दिमाग लगाने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आपको क्या सोचना चाहिए और किसे गाली देनी चाहिए, यह एंकर मास्टर स्टूडियो में बैठकर पहले से ही सोचता, पचाता और तैयार रखता है! इसलिए, हमारा एक बहुत ही विनम्र और गंभीर सुझाव है कि नोएडा की इस फिल्म सिटी के आसपास सिक्योरिटी स्टैंडर्ड तुरंत बढ़ाया जाना चाहिए। सिर्फ़ खाकी वर्दी वाले सिक्योरिटी गार्ड या गनमैन ही काम नहीं करेंगे, बल्कि स्टूडियो के चारों तरफ़ 'पॉज़िटिव सोच' और सरकारी तारीफ़ की एक शानदार ढाल ज़रूरी है। क्योंकि, अगर अचानक सत्ता का रुख़ बदलता है और जोशीले लोग 'सर्बिया स्टाइल' में अपना गुस्सा निकालने के लिए सड़कों पर उतरते हैं, तो उस गुस्साई भीड़ को दिल्ली से नोएडा तक सिर्फ़ 7.3 द्यद्व की दूरी तय करने में बस कुछ ही मिनट लगेंगे!

आखिर में - सिग्नल और मन की बातः

और आखिर में, हम सभी को अपनी मौजूदा सरकार और अपने प्यारे मीडिया का दिल से और मज़बूती से साथ देना चाहिए। बस इतना समझ लीजिए, सरकार पूरा देश चलाती है, और मीडिया पूरी वफ़ादारी से सरकार को देश चलाने में मदद करता है... ओह सॉरी, मेरा मतलब था कि मीडिया सरकार को 'खबरें' चलाने में मदद करता है! इतना सुंदर, पवित्र और करीबी रिश्ता कभी नहीं टूटना चाहिए।

तो सर्बियाई लोगों, हमारा मानना ??है कि आपको हमसे थोड़ा सीखना चाहिए। किसी भी न्यूज़ चैनल या स्टूडियो को बंद करने से सैटेलाइट का 'सिग्नल' डाउन नहीं होता, सिर्फ़ आपका टीवी बंद होता है! और एक बार टीवी बंद हो गया, तो हफ़्ते के आखिर में आप किसके टीवी स्क्रीन पर बैठकर प्यारे प्रधानमंत्री की 'मन की बात' सुनेंगे? इसलिए चैनल चालू रखें और अपना मन शांत रखें!

सिस्टम में शुद्धिकरण का दावा और एडमिनिस्ट्रेटिव सच्चाई

'ऑपरेशन गंगाजल' सिर्फ़ सरकारी अफ़सरों के लिए ही क्यों है ऑपरेशन गंगाजल' उन चुने हुए नेताओं के लिए कब होगा जो घिनौना भ्रष्टाचार करते हैं?

राज्य में भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के ख़िलाफ़ एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन गंगाजल' या सरकारी शुद्धिकरण अभियान की बातें बड़े ज़ोर-शोर से की जा रही हैं। एडमिनिस्ट्रेशन छोटे-बड़े रिश्वतखोर बाबुओं, क्लास-3 और क्लास-4 कर्मचारियों या सरकारी दफ़्तरों के बड़े अधिकारियों परUACB रेड करके या उन्हें रिटायर करके घर पर जमा करके अपनी बहादुरी साबित करने की कोशिश करता है। लेकिन यहाँ सवाल यह उठता है कि क्या भ्रष्टाचार की जड़ सिर्फ़ सरकारी बाबुओं के साइन और अंडर टेबल चल रहे एडमिनिस्ट्रेशन तक ही सीमित है?

चुने हुए प्रतिनिधियों के ख़िलाफ़ चुप्पी क्यों?

जब जनता द्वारा चुने गए और सत्ता के सबसे ऊँचे पायदान पर बिठाए गए चुने हुए नेताओं, पार्षदों, रूरू या मंत्रियों पर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते हैं, तो सिस्टम का 'ऑपरेशन गंगाजल' अचानक क्यों बंद हो जाता है? टेंडर में कमीशन, सरकारी ज़मीन की री-ज़ोनिंग का खेल, कंस्ट्रक्शन की मंज़ूरी में परसेंटेज और एक बड़ा करप्ट नेटवर्क चलाने में किसका बड़ा रोल है? अगर सरकारी अफ़सर सिर्फ़ नेताओं के ऑर्डर और पॉलिसी लागू करने के लिए मोहरे हैं, तो असली खिलाड़ियों तक जांच क्यों नहीं पहुँचती?

कानून के दोहरे रवैये के ख़िलाफ़ जनता का गुस्सा

अगर कोई छोटा सरकारी कर्मचारी कुछ हज़ार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा जाता है, तो उसे तुरंत सस्पेंड कर दिया जाता है और उसका नाम सबके सामने उछाल दिया जाता है। लेकिन जिन चुने हुए नेताओं के नाम अरबों रुपये के घोटालों में खबरों में हैं, उनके ख़िलाफ़ जांच की फाइलें सालों तक धूल फांकती रहती हैं या राजनीतिक असर का इस्तेमाल करके दबा दी जाती हैं। अगर 'गंगाजल' जैसा पवित्र कॉन्सेप्ट शुद्धिकरण के लिए है, तो वह शुद्धिकरण सिर्फ़ दफ़्तरों तक ही क्यों सीमित है? राजनीति की गंगा में फैले करप्शन के कीचड़ को साफ़ करने का समय कब आएगा?

जनता का सीधा सवालः कब होगा अंधाधुंध ऑपरेशन? आज, एक नागरिक और गुजरात के लोगों की पक्की आवाज़ के तौर पर, हम यह सवाल पूछते हैं कि क्या डेमोक्रेसी में चुने गए नेताओं को भ्रष्टाचार करने का अघोषित लाइसेंस मिल गया है?

अगर हम सच में राज्य से भ्रष्टाचार खत्म करना चाहते हैं और सिस्टम को साफ करना चाहते हैं, तो 'ऑपरेशन गंगाजल' की असली धार सिर्फ अधिकारियों तक ही नहीं, बल्कि उन चुने हुए प्रतिनिधियों तक भी पहुंचनी चाहिए जो घिनौना भ्रष्टाचार करते हैं और काले धन से तिजोरियां भरते हैं।

जब तक सत्ता के गलियारों में बैठे असली घोटालेबाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक ऐसे ऑपरेशन जनता की नज़र में सिर्फ दिखावा और पक्षपात ही रहेंगे।

बनासकांठा के धरतीपुत्रों का गुस्सा; अधिकारियों की नीतियों के खिलाफ किसानों का खुला ऐलान

'किसान जिएगा या मरेगा, यह AC ऑफिस में बैठकर तय नहीं होता!' बनासकांठा में सूखा घोषित न किए जाने से बॉर्डर इलाके के किसानों का गुस्सा चरम पर है

बनासकांठा। 'जिसके पैरों में रेत हो, वही जानता है कि गर्मी कितनी होती है!' बनासकांठा ज़िले के किसानों की हालत आज कुछ ऐसी ही है। एक तरफ कुदरत की मेहरबानी और दूसरी तरफ सरकार का बेपरवाह रवैया–इन दोनों के बीच फंसे बनासकांठा के किसान अब पूरी तरह गुस्से के मूड में आ गए हैं। इस साल, ठीक-ठाक बारिश न होने और सिंचाई के पानी की गंभीर समस्या के कारण पूरे बनासकांठा ज़िले में भयानक सूखे जैसे हालात बन गए हैं। इसके बावजूद, प्रशासन द्वारा बनासकांठा को 'घाटे' या 'सूखे से प्रभावित' घोषित न किए जाने से किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है।

AC ऑफिस में बैठकर ज़मीनी हकीकत नहीं मापी जा सकती' - किसानों के तीखे सवाल

बनासकांठा ज़िले के बॉर्डर और अंदरूनी इलाकों के किसानों ने सरकार और सेक्रेटेरिएट में बैठे अधिकारियों पर जमकर निशाना साधा है, उन्होंने साफ़ शब्दों में कहा है, 'गांधीनगर के्ष्ट ऑफिस में बैठकर कागज़ पर आंकड़े देखकर खेत की हकीकत नहीं मापी जा सकती! अगर आप खेत में आकर देखेंगे, तो पाएंगे कि कपास, अरंडी और बाजरे की फसलें सूखकर राख हो गई हैं। 'किसान नेताओं और स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी सर्वे और रिपोर्ट सिर्फ़ कागज़ों पर ही रह जाती हैं। ज़मीनी हकीकत यह है कि बोरवेल का पानी का लेवल नीचे चला गया है, नहरों में समय पर पानी नहीं आ रहा है और मॉनसून की फसल पूरी तरह से खराब हो गई है। ऐसे में, किसानों को आर्थिक मदद देने के बजाय, प्रशासन सूखा घोषित करने में देरी करके किसानों का मज़ाक उड़ा रहा है।

कर्ज़ के बोझ तले धरतीपुत्रः फसल बर्बाद होने के बाद रोजी-रोटी का सवाल

बनासकांठा ज़िला ज़्यादातर खेती और पशुपालन पर निर्भर इलाका है। लाखों रुपये खाद, बीज और मज़दूरी पर खर्च करने के बाद, जब फसल काटने का समय आया, तो बारिश की वजह से पूरी फसल जलकर राख हो गई।

पशुपालन पर संकटः फसल बर्बाद होने के साथ-साथ जानवरों के चारे की भी भारी कमी हो गई है।

आर्थिक तबाहीः किसानों के पास बैंकों और सोसाइटियों से लिए गए कर्ज़ को चुकाने का कोई रास्ता नहीं बचा है।

ज़िले के किसानों की मांग है कि पूरे बनासकांठा ज़िले को जल्द से जल्द आधिकारिक तौर पर सूखाग्रस्त घोषित किया जाए, फसल के नुकसान का सही मुआवज़ा दिया जाए और मवेशियों के लिए मुफ़्त चारे के डिपो शुरू किए जाएं।

विरोध की धमकीः 'हक के लिए सड़कों पर उतरने को तैयार '

किसान संगठनों ने साफ़ चेतावनी दी है कि अगर सरकार नींद से नहीं जागी और तुरंत सर्वे करके बनासकांठा को सूखाग्रस्त घोषित नहीं किया, तो आने वाले दिनों में पूरे ज़िले में ज़ोरदार आंदोलन किया जाएगा। किसान ट्रैक्टर रैली निकालकर, कलेक्टर ऑफिस का घेराव करके और सड़कें जाम करके अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे। बनासकांठा के किसानों की यह आवाज गांधीनगर के पावर कॉरिडोर में बैठे पॉलिसी बनाने वालों के लिए एक बड़ी चुनौती है। अब देखना यह है कि सरकार किसानों की इस पीड़ा को सुनकर जल्द से जल्द कोई राहत पैकेज या सूखे का ऐलान करती है या फिर धरतीपुत्र अपने हक के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होते हैं।

अग्निवीर भर्ती के नाम पर 5 लाख रुपये तक की ठगी का आरोप, अमरोहा का मतपाल गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। सेना में अग्निवीर भर्ती कराने के नाम पर युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने अमरोहा निवासी मतपाल को गिरफ्तार किया है। मिलिट्री इंटेलिजेंस मध्य कमान से मिले इनपुट के आधार पर एसपी सिटी स्वाट टीम और लालकुर्ती पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात उसे तोपखाना पुलिस चौकी क्षेत्र से पकड़ा। आरोपी के कब्जे से 3 युवकों के मूल दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी अमरोहा जिले के सहदोली गांव का रहने वाला है। आरोप है कि वह सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवकों को मेडिकल फिटनेस और भर्ती परीक्षा में पास कराने का भरोसा दिलाता था। इसके बदले 3 से 5 लाख रुपये तक की रकम तय करता था। शुरुआत में करीब 1 लाख रुपये अग्रिम लेकर युवकों के शैक्षणिक और अन्य जरूरी दस्तावेज अपने पास रख लेता था। मामले में अमरोहा के 2 और मेरठ के 1 युवक ने ठगी का संदेह होने पर मिलिट्री इंटेलिजेंस से शिकायत की थी। इसके बाद टीम ने करीब 8 दिन तक जानकारी जुटाई और पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी पर करीब 2 दर्जन युवकों से 25 से 30 लाख रुपये तक की ठगी करने का संदेह है। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस मामले में अन्य लोग शामिल हैं या नहीं। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसकी पत्नी के बैग लेकर जाने की चर्चा भी सामने आई है, लेकिन बैग में क्या था, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

आगरा में भाजपा के 'गुरु जी' की फिर जीत, सपा के शशांक यादव को हराकर पहुंचे विधान परिषद



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की एमएलसी सीट पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मानवेंद्र प्रताप सिंह 'गुरु जी' ने जीत दर्ज कर एक बार फिर विधान परिषद में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी शशांक यादव को हराकर इस सीट पर जीत हासिल की। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा खेमे में खुशी का माहौल देखने को मिला। समर्थकों ने जीत पर उत्साह जताया और इसे पार्टी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मानवेंद्र प्रताप सिंह इससे पहले भी आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य रह चुके हैं। इस बार उन्होंने दोबारा चुनाव मैदान में उतरकर अपनी जीत का सिलसिला कायम रखा। चुनाव में भाजपा और सपा के बीच मुकाबले पर राजनीतिक हलकों की नजर थी। अंतिम नतीजे घोषित होने के बाद मानवेंद्र प्रताप सिंह को विजयी घोषित किया गया। उनकी जीत के साथ भाजपा ने इस सीट पर अपना प्रतिनिधित्व बरकरार रखा, जबकि सपा प्रत्याशी शशांक यादव को हार का सामना करना पड़ा। जीत के बाद मानवेंद्र प्रताप सिंह 'गुरु जी' ने कहा कि स्नातकों, अधिवक्ताओं और पत्रकारों के हितों का ध्यान रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन वर्गों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। उनके अनुसार, संबंधित वर्गों की अपेक्षाओं को समझते हुए उनके हितों की रक्षा के लिए काम करना महत्वपूर्ण रहेगा।आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव सामान्य विधानसभा चुनाव से अलग होता है। इसमें प्रत्येक आम मतदाता मतदान नहीं कर सकता, बल्कि निर्धारित पात्रता पूरी करने वाले और संबंधित स्नातक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने वाले मतदाता ही वोट डाल सकते हैं। इसलिए इस चुनाव में स्नातक मतदाताओं के बीच संपर्क बनाए रखना और उनकी समस्याओं को समझना प्रत्याशियों के लिए अहम रहता है। मानवेंद्र प्रताप सिंह की दोबारा जीत के बाद अब मतदाताओं की निगाहें उनके वादों पर रहेंगी। स्नातक वर्ग रोजगार, शिक्षा और युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाए जाने की अपेक्षा रखता है।

मेरठ में स्पोर्ट्स कारोबारी की कोठी में बड़ी चोरी का खुलासा, नौकरानी और प्रेमी कानपुर से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्पोर्ट्स कारोबारी आशुतोष भल्ला की कोठी में हुई बड़ी चोरी के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए नौकरानी रोशनी और उसके प्रेमी नीरज यादव को कानपुर से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि रोशनी ने अपनी मालकिन रेखा भल्ला को चाय में नींद की गोलियां देकर बेहोश किया और इसके बाद तिजोरी से नकदी तथा सोने-हीरे के आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर चोरी गए सामान की बरामदगी के प्रयास में जुटी है। पुलिस के अनुसार, रोशनी पश्चिम बंगाल की रहने वाली है और पिछले करीब डेढ़ साल से कारोबारी के घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी। इसी दौरान सोशल मीडिया के जरिए उसकी मुलाकात कानपुर निवासी नीरज यादव से हुई। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने के बाद कथित तौर पर चोरी की योजना बनाई गई। आरोप है कि इस वारदात को अंजाम देने में नीरज ने रोशनी का साथ दिया। बताया गया कि सोमवार दोपहर कारोबारी की 70 वर्षीय मां रेखा भल्ला घर में मौजूद थीं। आरोप है कि रोशनी ने उन्हें चाय में नींद की गोलियां मिलाकर दे दीं, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं। इसके बाद रोशनी ने तिजोरी की चाबी लेकर उसमें रखी नकदी और कीमती आभूषण निकाल लिए। वारदात के बाद वह घर से निकल गई और आगरा के रास्ते कानपुर पहुंच गई। करीब दो घंटे तक रेखा भल्ला के बाहर नहीं आने पर परिजनों को शक हुआ। जब उन्होंने अंदर जाकर देखा तो वह बेसुध अवस्था में मिलीं और तिजोरी खुली हुई थी। इसके बाद उन्हें उपचार के लिए जसवंत राय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों की तलाश के लिए चार टीमें गठित कीं।



देवास में नकली शराब कांड का खुलासा, एआई से तरीका सीखने का दावा; 13 मौतों के मामले में 10 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। मध्य प्रदेश के देवास जिले के चंदाना और बिंजाना गांवों में हुई संदिग्ध मौतों के मामले में पुलिस जांच के दौरान नकली शराब की बिक्री से जुड़े गंभीर आरोप सामने आए हैं। शुरुआती जांच के अनुसार, मुख्य आरोपी अजय राठौर ने कथित तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से शराब तैयार करने का तरीका सीखा था। इसके बाद इंदौर के दवा बाजार से केमिकल मंगवाने और पुरानी बोतलों का इस्तेमाल कर नकली शराब तैयार करने की बात सामने आई है। पुलिस इस पूरे मामले को लेकर सप्लाई नेटवर्क, केमिकल की खरीद और शराब की बिक्री से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मामले में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कथित तौर पर लाइसेंसी शराब



की दुकानों से जुड़े कारोबार की आड़ में नकली शराब बाजार तक पहुंचाई। जांच में सामने आया है कि 2 से 6-7 अक्टूबर के बीच संदिग्ध शराब तैयार की गई और 7 से 12 अक्टूबर के बीच इसकी बिक्री की गई। आरोप है कि नकली शराब की बोतलों को असली शराब की पेटियों के बीच रखकर ग्रामीण इलाकों में पहुंचाया गया। इससे खरीदारों को बोतलों की वास्तविकता पर संदेह नहीं हुआ। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कितनी बोतलें तैयार की गई, किन स्थानों पर उनकी बिक्री हुई और इस नेटवर्क से कितने लोग जुड़े थे। इस मामले में मुख्य आरोपी अजय राठौर की भूमिका जांच के केंद्र में है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, उसने एआई की मदद से शराब तैयार करने से संबंधित जानकारी जुटाई थी। इसके बाद कथित तौर पर इंदौर से केमिकल मंगवाया गया और कबाड़ियों से पुरानी बोतलें खरीदी गईं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि केमिकल किस उद्देश्य से खरीदा गया, उसकी आपूर्ति किसने की और तैयार की गई शराब को बाजार में पहुंचाने में किन लोगों ने मदद की। हालांकि, शराब में इस्तेमाल किए गए पदार्थों और उनसे हुई मौतों के संबंध में अंतिम निष्कर्ष फॉरेंसिक जांच के बाद ही निकाला जा सकेगा। जांच के दौरान इंदौर के दवा बाजार तक भी मामले के तार पहुंचने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, शराब तैयार करने में इस्तेमाल किए जाने का संदेह वाला केमिकल दवा बाजार की चौथी मंजिल पर स्थित एक गोदाम से सप्लाई किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीम ने संबंधित गोदाम को सील कर दिया है। अब जांच की जा रही है कि वहां से कितनी मात्रा में केमिकल निकाला गया, उसे किसने खरीदा और उसकी बिक्री से जुड़े रिकॉर्ड में क्या जानकारी दर्ज है। अधिकारियों की कोशिश है कि केमिकल की आपूर्ति से लेकर नकली शराब की बिक्री तक की पूरी कड़ी का पता लगाया जा सके। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, 8 आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद 3 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया, जबकि 2 अन्य आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

गाजियाबाद में पत्नी के जिम ट्रेनर ने पति पर किया चाकू से हमला, हत्या की साजिश के आरोप में दोनों गिरफ्तार

पति को प्रेम संबंध की जानकारी मिलने के बाद फ्लैट बदलने की थी तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। वसुंधरा सेक्टर-1 स्थित जागृति आरडब्ल्यूए सोसायटी में पति पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने पत्नी और उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, महिला के जिम ट्रेनर के साथ प्रेम संबंध थे और पति को इसकी जानकारी हो गई थी। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने मिलकर शशांक कंथरिया को रास्ते से हटाने की साजिश रची। घटना 26 अक्टूबर की सुबह करीब 5:15 बजे की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, शशांक कंथरिया अपने घर में मौजूद थे। इसी दौरान उनकी पत्नी प्रिया शर्मा जिम जाने के लिए घर से निकलीं और कथित तौर पर जिम ट्रेनर प्रताप सिंह घर में घुस गया। आरोप है कि प्रताप ने शशांक पर चाकू से कई वार किए। हमले में गंभीर रूप से घायल शशांक ने शोर मचाया तो आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस



ने घायल को उपचार के लिए यशोदा मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती कराया। जांच में सामने आया कि प्रताप सिंह फिटनेस हेडक्वार्टर जिम में ट्रेनर है, जबकि प्रिया पिछले 7-8 महीने से वहां व्यायाम करने जाती थी। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने और प्रेम संबंध बनने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में प्रताप ने बताया कि दोनों शादी करना चाहते थे। शशांक को उनके संबंधों की जानकारी हो गई थी और वह दिवाली के बाद फ्लैट बदलकर दूसरी जगह जाने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि 25 अक्टूबर को सुबह दौड़ने के दौरान प्रताप और प्रिया की मुलाकात हुई थी। इसी दौरान शशांक पर हमला करने की योजना बनाए जाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन प्रिया ने घर का गेट खुला रखा था, जिसके बाद प्रताप अंदर पहुंचा और शशांक पर हमला कर दिया। इंदिरापुरम के एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि शशांक के भाई की शिकायत पर प्रताप सिंह और प्रिया शर्मा के खिलाफ हत्या के प्रयास और आपराधिक षड्यंत्र सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद किया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

हरदीप सिंह पुरी मध्य प्रदेश से लड़ेंगे राज्यसभा उपचुनाव, भाजपा ने घोषित किया उम्मीदवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उनकी उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक रिक्त सीट को भरने के लिए यह उपचुनाव कराया जा रहा है। भाजपा की ओर से उम्मीदवार के नाम की घोषणा के बाद राज्य की राजनीतिक गतिविधियों के बीच इस चुनाव को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हरदीप सिंह पुरी वर्तमान में केंद्र सरकार में मंत्री हैं। भाजपा ने उन्हें मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजने के लिए उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की स्वीकृति के बाद उनके नाम की औपचारिक घोषणा की गई। इस फैसले के साथ भाजपा ने रिक्त सीट के लिए अपना प्रत्याशी तय कर दिया है। अब निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के तहत नामांकन और मतदान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मध्य प्रदेश की यह राज्यसभा सीट पूर्व केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन



के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। इसी रिक्त सीट पर उपचुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम घोषित किया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 2 नवंबर है, जबकि 12 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापस लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव की अगली औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। राज्यसभा उपचुनाव की प्रक्रिया सामान्य लोकसभा चुनाव से अलग होती है। इस चुनाव में आम मतदाता सीधे मतदान नहीं करते, बल्कि संबंधित राज्य विधानसभा के निर्वाचित विधायक राज्यसभा सदस्य चुनने के लिए वोट डालते हैं। इसलिए मध्य प्रदेश विधानसभा में विभिन्न राजनीतिक दलों की संख्या और विधायकों के मत चुनाव परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मतदान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराया जाएगा और इसके बाद मतगणना के आधार पर परिणाम घोषित होगा। भाजपा की ओर से हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद अब सभी की निगाहें नामांकन प्रक्रिया और मतदान पर टिकी हैं। पार्टी ने इस सीट के लिए अपना प्रत्याशी घोषित कर चुनावी तैयारी का महत्वपूर्ण चरण पूरा कर लिया है। वहीं, चुनाव परिणाम निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामने आएगा। 12 नवंबर को होने वाला मतदान तय करेगा कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा की इस रिक्त सीट पर किसे प्रतिनिधित्व मिलता है।

भोपाल में 78 वर्षीय प्यारे मियां को 10 बार उम्रकैद, 5 नाबालिगों के यौन शोषण मामले में अदालत का फैसला

नौकरी का लालच देकर लड़कियों को बुलाने का आरोप, 77.64 लाख रुपये का जुर्माना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और दुष्कर्म के गंभीर मामले में विशेष पॉक्सो अदालत ने पूर्व अखबार मालिक प्यारे मियां को 10 बार उम्रकैद की सजा सुनाई है। 78 वर्षीय प्यारे मियां को 5 नाबालिग लड़कियों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराया गया। अदालत ने उस पर 77.64 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, इस मामले में उसकी सहयोगी राबिया बी को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई गई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, प्यारे मियां लड़कियों को नौकरी दिलाने का लालच देकर अपने पास बुलाता था और फिर उनका यौन शोषण करता था। अदालत ने प्यारे मियां को अलग-अलग मामलों में दोषी मानते हुए कड़ी सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, उसे 8 मामलों में मृत्यु तक उम्रकैद और 2 मामलों में उम्रकैद की सजा दी गई है। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। इसके अतिरिक्त अदालत ने उस पर भारी आर्थिक जुर्माना भी लगाया है। राबिया बी को भी अपराध में सहयोग करने के आरोप में दोषी ठहराया गया और 20 साल जेल में बिताने की सजा सुनाई गई। अदालत का यह फैसला मामले की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, प्यारे मियां पर आरोप था कि वह वर्ष 2014



से नाबालिग लड़कियों को अपने जाल में फंसा रहा था। बताया गया कि वह लड़कियों को हर महीने 10 हजार रुपये वेतन वाली नौकरी दिलाने का लालच देता था। आर्थिक जरूरत और रोजगार की उम्मीद में उसके संपर्क में आने वाली लड़कियों को कथित तौर पर अलग-अलग बहानों से बुलाया जाता था। आरोप था कि इसके बाद उनका यौन शोषण और दुष्कर्म किया जाता था। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और पीड़िताओं के बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में कार्रवाई की। यह मामला 11 जुलाई 2020 को सामने आया था। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, काउंसलिंग के दौरान एक पीड़िता ने अपने साथ हुए यौन शोषण की जानकारी दी थी। पीड़िता ने बताया कि उसे भोपाल के शाहपुरा इलाके में स्थित एक फ्लैट पर जन्मदिन मनाने के बहाने बुलाया गया था। वहां उसके साथ कथित तौर पर जबरदस्ती की गई। इस शिकायत के सामने आने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच आगे बढ़ाई गई। जांच के दौरान अन्य नाबालिग लड़कियों ने भी अपने साथ हुए कथित शोषण की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने पीड़िताओं के बयान दर्ज किए और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की पड़ताल की। जांच एजेंसियों ने आरोपियों की भूमिका और घटनाओं से जुड़े तथ्यों को सामने लाने का प्रयास किया। मामले में प्यारे मियां के साथ राबिया बी की भूमिका भी जांच के दायरे में आई। अभियोजन पक्ष ने अदालत में आरोपों के समर्थन में साक्ष्य पेश किए। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने बताया कि प्यारे मियां पर नाबालिगों को नौकरी का लालच देकर बुलाने और उनका यौन शोषण करने के आरोप थे। अदालत ने प्रस्तुत साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के बाद आरोपियों को दोषी ठहराया। सरकारी वकील पीएन सिंह राजपूत के अनुसार, पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाया था। अदालत ने दोषसिद्धि के आधार पर अलग-अलग मामलों में सजा सुनाई। पॉक्सो अधिनियम के तहत नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों को गंभीरता से लिया जाता है। ऐसे मामलों में पीड़िताओं के बयान, अन्य साक्ष्य और अभियोजन पक्ष की दलीलें महत्वपूर्ण होती हैं। भोपाल के इस मामले में अदालत द्वारा सुनाई गई सजा और लगाए गए जुर्माने ने इसे चर्चा में ला दिया है।ेगी।

हाईकोर्ट की सुनवाई में अंडरवियर में नजर आए अधिकारी, अदालत ने जारी किया अवमानना नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूर

जबलपुर । मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अनुचित वेशभूषा में उपस्थित होने का मामला सामने आया है। सुनवाई के दौरान संयुक्त संचालक अमित कुमार



गजभिये अंडरवियर में नजर आए। अदालत ने उनके इस आचरण को न्यायालय की गरिमा और मर्यादा के विपरीत मानते हुए अवमानना नोटिस जारी किया है। साथ ही राज्य सरकार को संबंधित अधिकारी के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और 4 सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक खोत की एकलपीठ के समक्ष हुई। बताया गया कि नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के संचालक कार्यालय भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारी अदालत के सामने उपस्थित हुए थे। इस दौरान वह बिस्तर पर लेटे हुए और शर्ट के बटन बंद करते हुए दिखाई दिए। उनकी वेशभूषा को अदालत ने अनुचित माना। एकलपीठ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी से जवाब मांगा है और उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू करने के संबंध में नोटिस जारी किया है। यह मामला मेसर्स जी.एस.बी. कंस्ट्रक्शन की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका में जबलपुर के गोरखपुर क्षेत्र में स्थित एक जमीन के भूमि उपयोग में किए गए बदलाव को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि संबंधित जमीन को मास्टर प्लान में आवासीय क्षेत्र के रूप में निर्धारित किया गया था, लेकिन कथित रूप से गलती के कारण उसे औद्योगिक भूमि के रूप में दर्ज कर दिया गया। जमीन के नक्शे और प्रकृति में सुधार की अनुशंसा 3 अक्टूबर 2025 को ही जबलपुर से भोपाल स्थित विभागीय कार्यालय भेजे जाने की बात भी याचिका में कही गई थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सुधार से संबंधित आवेदन एएलपीएएसएस पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। अदालत ने संबंधित आईटी विभाग के अधिकारी को 7 दिनों के भीतर आवेदन अपलोड कराने और उसे स्वीकार कराने में सहायता देने के साथ 4 सप्ताह के भीतर मामले पर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे।

'18 में से 10 को खरीद लिया', बीजेपी विधायक के बयान से सियासी हलचल, कांग्रेस ने घेरा



महानगर मेट्रो ब्यूर

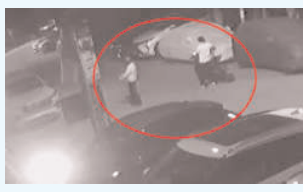
सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले की आष्टा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में विधायक जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव का जिक्र करते हुए कथित तौर पर 18 में से 10 सदस्यों को खरीदने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। उनके इस बयान को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। वहीं, विधायक ने सफाई देते हुए कहा है कि उन्होंने यह बात केवल मजाक-मस्ती में कही थी और इसे बेवजह राजनीतिक मुद्दा बनाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सोमवार को आष्टा में स्वर्णकार समाज की ओर से श्री अजमीढ़जी महाराज के जन्मोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी कार्यक्रम में विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर मंच से संबोधित कर रहे थे। संबोधन के दौरान उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव से जुड़ा एक प्रसंग सुनाया। इसी दौरान उनके मुंह से निकले कथित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा, जिसके बाद यह मामला राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया। वायरल वीडियो में विधायक कहते सुनाई दे रहे हैं कि जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव के लिए उन्होंने बाबा जी से आशीर्वाद मांगा था। इस पर बाबा जी ने कथित तौर पर कहा कि एक की कमी है। जवाब में विधायक ने कहा, '10 को खरीद लिया मैंने 18 में से।' वीडियो सामने आने के बाद इस बयान के अर्थ और चुनाव में कथित खरीद-फरोख्त को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, वीडियो में कही गई बातों के वास्तविक संदर्भ और किसी तरह की खरीद-फरोख्त होने की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा करते हुए विधायक के बयान पर सवाल उठाए और इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया। विपक्ष ने इस बयान को जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में कथित खरीद-फरोख्त से जोड़कर भाजपा को घेरने की कोशिश की है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय राजनीति में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। विवाद बढ़ने पर विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने फोन पर सफाई देते हुए कहा कि उनकी बात केवल मजाक-मस्ती के संदर्भ में थी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह हर बात को मुद्दा बनाता है। विधायक ने खरीद-फरोख्त के आरोपों को स्वीकार करने के बजाय अपने बयान को मजाक में कही गई बात बताया। फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो

दिल्ली में बुकी साहिल जैन उर्फ गूगल के घर पर फायरिंग, सीसीटीवी में कैद हुए 2 शूटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बड़े बुकी में शामिल बताए जाने वाले साहिल जैन उर्फ गूगल के घर पर बाइक सवार 2 हमलावरों ने फायरिंग कर दी। वारदात में घर की दीवार और पार्किंग में खड़ी कार को निशाना बनाया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने कुल 6 राउंड गोलियां चलाईं। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।



वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस आरोपियों की पहचान करने और फायरिंग के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। जानकारी के अनुसार, दोनों हमलावर बाइक पर सवार होकर साहिल जैन के घर पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद उन्होंने घर की ओर गोलियां चलाईं और फिर पार्किंग में खड़ी कार को निशाना बनाया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा और हमलावरों की पहचान को लेकर सवाल उठे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी गतिविधियों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस घटना के बाद साहिल जैन से जुड़ा वर्ष 2021 का एक कथित धमकी भरा ऑडियो भी चर्चा में आ गया है। बताया जाता है कि उस समय लॉरेंस बिश्नोई के नाम से सामने आए एक कथित फोन कॉल में साहिल और उसके परिवार को धमकी दी गई थी। हालांकि, पुराने ऑडियो और मौजूदा फायरिंग की घटना के बीच कोई सीधा संबंध अभी आधिकारिक तौर पर स्थापित नहीं हुआ है। पुलिस इस वारदात की जांच रंगदारी के संभावित एंगल से भी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि फायरिंग के पीछे किसी गिरोह की भूमिका है।

दिल्ली में अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद... 3 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। उत्तर-पूर्वी इलाके गोकलपुरी में पुलिस ने अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 880 तैयार कोल्ड पायरो पटाखे, 600 अधबने पटाखे और 34 किलो संदिग्ध विस्फोटक पाउडर बरामद किया है। इसके अलावा पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, खाली खोल और पैकेजिंग का सामान भी जब्त किया गया है।



पुलिस के अनुसार, रिहायशी इलाके में बिना वैध अनुमति पटाखे बनाने और उनका भंडारण करने का काम किया जा रहा था, जिससे आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। पुलिस को थाना गोकलपुरी क्षेत्र के गोकलपुर गांव में एक मकान की दूसरी मंजिल पर अवैध रूप से पटाखे बनाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। वहां 3 युवक मौजूद मिले, जो कथित तौर पर पटाखों के निर्माण और भंडारण में शामिल थे। पुलिस ने उनसे पटाखे बनाने और उन्हें रखने से संबंधित लाइसेंस या अनुमति के दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने वहां मौजूद पटाखों और अन्य सामग्री को जब्त कर लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस को 5 डिब्बों में रखे 880 तैयार कोल्ड पायरो पटाखे और 600 अधबने पटाखे मिले। इसके साथ ही 34 किलो संदिग्ध विस्फोटक पाउडर भी बरामद किया गया। मौके से पटाखों के खाली खोल, भराई करने वाली मशीन, वजन मापने की मशीन और पैकेजिंग से जुड़ा सामान भी जब्त किया गया है। पुलिस बरामद सामग्री की प्रकृति और उसके इस्तेमाल से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस ने इस मामले में मोहम्मद गोस्वामी (29), अरमान (24) और समीर (21) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के फर्रुखनगर के रहने वाले हैं। आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि पटाखे बनाने के लिए कच्चा माल कहां से लाया जाता था और तैयार पटाखों की आपूर्ति किन स्थानों पर की जानी थी। मामले में थाना गोकलपुरी में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब अवैध निर्माण से जुड़े अन्य लोगों, सामग्री की आपूर्ति और पटाखों के संभावित खरीदारों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। रिहायशी मकान में इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे और संदिग्ध विस्फोटक पाउडर मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शराब खरीदने का तरीका बदला, अब मोबाइल पर बुकिंग और QR कोड से मिलेगी बोतल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। शराब खरीदने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की गई है। अब ग्राहकों को पसंदीदा ब्रांड की उपलब्धता पता करने के लिए अलग-अलग दुकानों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) ने 'दिल्ली लिकर बुकिंग' ऐप के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग और डिजिटल भुगतान की सुविधा शुरू की है।



इस व्यवस्था के तहत ग्राहक मोबाइल पर उपलब्ध ब्रांड देख सकेंगे, स्टॉक की जानकारी ले सकेंगे और अपनी पसंद की दुकान चुनकर भुगतान कर सकेंगे। फिलहाल यह सुविधा डीएसआईआईडीसी की 208 शराब दुकानों पर उपलब्ध कराई गई है। नई व्यवस्था में ग्राहक ऐप पर अपनी पसंद का ब्रांड चुनने के बाद बोतल का आकार और मात्रा निर्धारित कर सकेंगे। इसके बाद ऑनलाइन भुगतान करना होगा। भुगतान पूरा होने पर ग्राहक को क्यूआर कोड मिलेगा, जिसे संबंधित दुकान पर दिखाकर बुक किया गया ऑर्डर प्राप्त किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया से दुकान पहुंचने से पहले ही ब्रांड और उसकी उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी। इस सुविधा का उद्देश्य शराब खरीदने के दौरान ग्राहकों को होने वाली परेशानी कम करना है। कई बार किसी खास ब्रांड की तलाश में लोगों को एक से अधिक दुकानों पर जाना पड़ता है। नई डिजिटल व्यवस्था के जरिए ग्राहक पहले ही पता कर सकेंगे कि उनकी पसंद का ब्रांड किस दुकान पर उपलब्ध है। हालांकि, ऑनलाइन बुकिंग का मतलब घर तक शराब की आपूर्ति नहीं है। ग्राहक को खुद संबंधित दुकान पर पहुंचकर ऑर्डर लेना होगा। बुकिंग के बाद ग्राहक को 48 घंटे के भीतर अपना ऑर्डर प्राप्त करना जरूरी होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ऑर्डर लेने से पहले उसे रद्द करने का विकल्प भी दिया गया है। शराब प्राप्त करने के बाद वापसी की सुविधा नहीं होगी, इसलिए भुगतान से पहले ब्रांड, बोतल का आकार, मात्रा और दुकान की जानकारी ध्यान से जांचना जरूरी है। दिल्ली में शराब से जुड़ी जानकारी के लिए पहले से एम-आबकारी दिल्ली और ई-आबकारी जैसे डिजिटल माध्यम इस्तेमाल किए जाते रहे हैं। नई व्यवस्था में ऑनलाइन भुगतान और क्यूआर कोड के जरिए दुकान से ऑर्डर लेने की सुविधा भी शामिल की गई है। इससे खरीदारी की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होने की उम्मीद है। इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए न्यूनतम उम्र 25 वर्ष बताई गई है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, खरीद की मात्रा पर भी सीमा निर्धारित है, जिसमें एक बार में अधिकतम 9 लीटर व्हिस्की और 18 लीटर बीयर खरीदने का उल्लेख है।

रैपिडो, ओला-उबर के ड्राइवरों की होगी सख्त जांच, कथित आतंकी कनेक्शन का मामला सामने आने के बाद महाराष्ट्र सरकार सख्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में रैपिडो, ओला और उबर जैसी ऐप आधारित यात्री परिवहन सेवाओं से जुड़े ड्राइवरों की जांच सख्त करने की तैयारी शुरू हो गई है। बाइक टैक्सी चलाने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की कार्रवाई के बाद राज्य सरकार ने परिवहन सेवाओं की निगरानी बढ़ाने और ड्राइवरों के दस्तावेजों की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मोटर परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और गंभीर अनियमितता सामने आने पर मामला भी दर्ज किया जा सकता है। सरकार ने यह संकेत भी दिया है कि मौजूदा कानूनी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने पर उसमें बदलाव करने या अलग से संशोधित कानून लाने पर विचार किया जाएगा। यह बैठक मुंबई के माहिम इलाके में रैपिडो बाइक टैक्सी चलाने वाले एक



व्यक्ति के खिलाफ एटीएस की कार्रवाई के बाद हुई। संबंधित व्यक्ति पर सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने का आरोप है। इस मामले की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच को लेकर सामने आई जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान के किसी व्यक्ति या संगठन से उसके सीधे संबंध होने का सबूत नहीं मिलने की बात कही गई है। ऐसे में मामले में लगाए गए आरोपों और किसी संभावित आतंकी संबंध की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल इस घटना के बाद राज्य सरकार ने ऐप आधारित परिवहन सेवाओं से जुड़े ड्राइवरों की जांच और निगरानी को लेकर सख्ती बढ़ाने के संकेत दिए हैं। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रैपिडो, ओला और उबर जैसी सेवाओं से जुड़े ड्राइवरों की पृष्ठभूमि की जांच की जाए। उनके ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन से संबंधित दस्तावेजों और जरूरी अनुमतियों की पड़ताल की जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सेवाओं से जुड़े चालक निर्धारित नियमों के अनुसार काम कर रहे हैं। अधिकारियों को यह भी देखना होगा कि संबंधित कंपनियां अपने ड्राइवरों के दस्तावेजों के सत्यापन और यात्री सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों का पालन कर रही हैं या नहीं। जांच में कोई गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। सरकार की चिंता केवल दस्तावेजों तक सीमित नहीं है। ऐप आधारित परिवहन सेवाओं में यात्रियों और ड्राइवरों के बीच सीधे संपर्क की स्थिति रहती है। ऐसे में ड्राइवरों की पहचान की पुष्टि, जरूरी लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की वैधता तथा सुरक्षा नियमों का पालन महत्वपूर्ण माना जाता है। सरकार चाहती है कि इन सेवाओं की निगरानी ऐसी हो, जिससे नियमों का उल्लंघन होने पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि परिवहन सेवाएं निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित हों। प्रताप सरनाईक ने इस बात पर भी जोर दिया कि कार्रवाई केवल किसी बड़ी घटना के सामने आने के बाद तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। ऐप आधारित यात्री परिवहन सेवाओं पर नियमित निगरानी की व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है। इसके लिए संबंधित विभागों को मौजूदा नियमों और उनके क्रियान्वयन की समीक्षा करनी होगी। यदि जांच प्रक्रिया, दस्तावेजों के सत्यापन या कंपनियों की जवाबदेही से जुड़े प्रावधानों में कमी पाई जाती है, तो उन्हें दूर करने के उपाय तलाशे जाएंगे। इस कदम का उद्देश्य परिवहन सेवाओं के संचालन में नियमों का पालन सुनिश्चित करना और सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है। सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि ऐप आधारित परिवहन सेवाओं को राज्य परिवहन प्राधिकरण के नियमों के दायरे में प्रभावी तरीके से लाने के लिए मौजूदा कानूनों में संशोधन की जरूरत पर विचार किया जा सकता है। यदि वर्तमान प्रावधानों के माध्यम से अपेक्षित निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करना मुश्किल होता है।

दिल्ली के सदर बाजार में प्लास्टिक के फूलों और सजावटी सामान के गोदाम में भीषण आग, दमकल की 5 गाड़ियों ने 39 मिनट में पाया काबू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के प्रमुख थोक कारोबारी इलाके सदर बाजार में बुधवार सुबह प्लास्टिक के फूलों और सजावटी सामान के एक गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग 12 टूटी चौक के पास स्थित एक इमारत की तीसरी मंजिल पर लगी थी। गोदाम में प्लास्टिक के फूल और अन्य सजावटी सामान रखा होने के कारण आग फैलने की आशंका बढ़ गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 5 गाड़ियों को मौके पर रवाना किया। दमकलकर्मियों ने करीब 39 मिनट तक मशक्कत कर आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली। दमकल विभाग के अधिकारी रविंदर के मुताबिक, बुधवार सुबह 11:41 बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही विभाग ने तीन वाटर टेंडर, एक वाटर बाउजर और एक क्विक रिस्पॉन्स व्हीकल घटनास्थल के लिए रवाना किए। एसटीओ रविंदर के नेतृत्व में दमकलकर्मियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का



अभियान शुरू किया। आग इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित गोदाम में लगी थी, जहां प्लास्टिक के फूलों और सजावटी सामान का भंडारण किया गया था। टीम ने उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग को फैलने से रोकने और उसे नियंत्रित करने का प्रयास किया। लगातार प्रयासों के बाद दोपहर 12:20 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने की खबर फैलते ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में हलचल बढ़ गई। सदर बाजार में बड़ी संख्या में दुकानें, गोदाम और व्यापारिक प्रतिष्ठान होने के कारण ऐसी घटनाओं में आग के आसपास की दुकानों तक पहुंचने की आशंका बनी रहती है। गोदाम में रखे प्लास्टिक के फूल और सजावटी सामान आग की चपेट में आने से नुकसान की आशंका है, हालांकि नुकसान की वास्तविक मात्रा को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। आग किस वजह से लगी, इसका भी तत्काल पता नहीं चल सका। घटना के कारणों और गोदाम में हुए नुकसान का आकलन किया जाना बाकी है। सदर बाजार दिल्ली के सबसे व्यस्त थोक कारोबारी क्षेत्रों में शामिल है। यहां देश के विभिन्न हिस्सों से व्यापारी सामान खरीदने आते हैं। बाजार में सजावटी सामान, घरेलू वस्तुओं और कई अन्य उत्पादों का कारोबार होता है। रोजाना बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही के कारण यहां भीड़ बनी रहती है। बाजार की कई गलियां संकरी हैं और सामान की लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान वाहनों की आवाजाही भी बढ़ जाती है। ऐसे में आग लगने जैसी आपात स्थिति में दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचाना और राहत कार्य चलाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसके बावजूद दमकल विभाग की टीम ने सूचना मिलने के बाद तेजी से कार्रवाई करते हुए आग को नियंत्रित किया। घनी आबादी वाले कारोबारी क्षेत्रों में गोदामों के भीतर बड़ी मात्रा में सामान रखे जाने के कारण अग्नि सुरक्षा के इंतजामों का विशेष महत्व है।

जीशान सिद्दीकी को बड़ी जिम्मेदारी, सुनेत्रा पवार ने बनाया एनसीपी का मुंबई अध्यक्ष; उमेश पाटिल राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता नियुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने संगठन को मजबूत करने और पार्टी की जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से निर्धारित करने की दिशा में 2 अहम नियुक्तियां की हैं। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा अजित पवार ने विधायक जीशान सिद्दीकी को पार्टी का मुंबई अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, सोलापुर जिला अध्यक्ष उमेश पाटिल को राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन नियुक्तियों के जरिए पार्टी ने मुंबई में संगठनात्मक गतिविधियों और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी बात रखने के लिए दोनों नेताओं की भूमिकाएं तय की हैं। सुनेत्रा पवार ने बुधवार को इन नियुक्तियों की घोषणा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेता पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा पार्टी संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। नियुक्तियों के बाद जीशान सिद्दीकी मुंबई में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों का नेतृत्व करेंगे, जबकि उमेश पाटिल राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का पक्ष



रखने और उसके विचारों को सामने रखने की जिम्मेदारी निभाएंगे। दोनों नेताओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए बुधवार को सुनेत्रा पवार के सरकारी आवास 'देवगिरी' में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और सांसद पार्थ अजित पवार प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी भी शामिल हुए। नियुक्ति पत्र सौंपे जाने के साथ ही दोनों नेताओं की नई जिम्मेदारियों को औपचारिक रूप दिया गया। सुनेत्रा पवार ने विश्वास जताया कि उमेश पाटिल और जीशान सिद्दीकी पार्टी के विचारों और सिद्धांतों के अनुरूप काम करते हुए अजित पवार की जनसेवा की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने दोनों नेताओं से संगठन के प्रति समर्पित रहकर पार्टी को मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई। जीशान सिद्दीकी को मुंबई अध्यक्ष बनाए जाने को महानगर में पार्टी संगठन की जिम्मेदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुंबई जैसे बड़े राजनीतिक और शहरी क्षेत्र में संगठन को सक्रिय रखना, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाना और पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाना उनके प्रमुख दायित्वों में शामिल रहेगा। वहीं, उमेश पाटिल को राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बनाए जाने से उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की नीतियों, विचारों और राजनीतिक पक्ष को सामने रखने की जिम्मेदारी मिली है। एनसीपी की इन नियुक्तियों से संगठन में दोनों नेताओं की भूमिका स्पष्ट हो गई है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नई जिम्मेदारियों के तहत दोनों नेता पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क को किस तरह आगे बढ़ाते हैं। पार्टी नेतृत्व ने उम्मीद जताई है कि उनके अनुभव और सक्रियता से संगठन को मजबूती मिलेगी तथा पार्टी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पत्नी से विवाद के बाद पिता ने 9 महीने के बेटे को स्कायवॉक से फेंका, इलाज के दौरान मौत

फडणवीस सरकार देगी 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता; जानिए कौन होगा पात्र और कैसे मिलेगी राशि

लापुर जिला अध्यक्ष उमेश पाटिल को राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का पक्ष रखने की जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में सूखा और फसल नुकसान से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए राज्य सरकार ने 5,000 रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली सरकार की इस पहल से राज्य के करीब 1.5 करोड़ किसानों को लाभ मिलने का दावा किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राज्य के 304 सूखा प्रभावित तालुकाओं के किसानों को दिवाली से पहले सहायता राशि उपलब्ध कराने की योजना है। यह रकम राहत एवं पुनर्वास विभाग के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। सरकार का उद्देश्य फसल नुकसान और पानी की कमी से जूझ रहे किसानों को त्योहार से पहले आर्थिक राहत देना है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की मौजूदगी में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने की जानकारी सामने आई है। बैठक में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और सचिव भी मौजूद रहे। सरकार की ओर से इस सहायता के लिए करीब



7,500 करोड़ रुपये आवंटित किए जाने का उल्लेख किया गया है। सरकार की ओर से बताई गई पात्रता शर्तों के अनुसार, जिन किसानों की फसल को 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है, वे इस सहायता के पात्र होंगे। हालांकि, किसानों को अपनी पात्रता की पुष्टि संबंधित सरकारी विभाग या आधिकारिक सूचना के माध्यम से कर लेनी चाहिए। सहायता की अंतिम पात्रता प्रभावित क्षेत्र, फसल नुकसान के सरकारी आकलन और लागू नियमों के आधार पर तय होगी। सरकार ने किसानों के लिए प्रक्रिया आसान बनाने की बात कही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जिन किसानों ने पहले ही अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए ई-केवाईसी पूरी कर ली है, उन्हें दोबारा ई-केवाईसी कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे पात्र किसानों को सहायता राशि जारी करने की प्रक्रिया में सुविधा मिलने की उम्मीद है। जिन किसानों की ई-केवाईसी अधूरी है या बैंक खाते से जुड़ी जानकारी में कोई समस्या है, उन्हें संबंधित विभाग से आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को मिलने वाली राहत राशि में किसी प्रकार की कटौती नहीं होनी चाहिए। बैंकों को भी पुराने कर्ज या बकाया राशि की वसूली के नाम पर इस सहायता रकम से पैसा नहीं काटने के निर्देश देने की बात कही गई है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संकट से जूझ रहे किसानों तक सरकारी सहायता पूरी पहुंचे और वे इस रकम का इस्तेमाल अपनी तत्काल जरूरतों के लिए कर सकें। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, सरकार की योजना दिवाली से पहले किसानों के खातों में 5,000 रुपये की अग्रिम राहत राशि जमा कराने की है। हालांकि, राशि जारी होने की वास्तविक तारीख और भुगतान की स्थिति की पुष्टि आधिकारिक सरकारी सूचना से की जानी चाहिए। किसानों को अपने बैंक खाते की जानकारी सही रखने और खाते से जुड़ी किसी समस्या की स्थिति में संबंधित बैंक या सरकारी कार्यालय से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित पोस्ट साझा करने के मामले में पुणे की छात्रा को बॉम्ब



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट दोबारा साझा करने के मामले में पुणे की 20 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने छात्रा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी सोशल मीडिया पोस्ट से लोगों में नाराजगी या असंतोष पैदा होने की आशंका मात्र के आधार पर किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। आपराधिक कानून लागू करने के लिए संबंधित अपराध के आवश्यक तत्वों का मौजूद होना जरूरी है। अदालत के इस फैसले से लंबे समय से कानूनी कार्रवाई का सामना कर रही छात्रा को राहत मिली है। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव ने छात्रा की याचिका स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि किसी सामग्री को आपत्तिजनक मान लेना अपने आप में आपराधिक कार्रवाई के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। अभियोजन पक्ष को यह साबित करना होता है कि संबंधित व्यक्ति के कृत्य में कानून के तहत अपराध के आवश्यक तत्व मौजूद हैं। अदालत के अनुसार, इस मामले में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आरोपों को जारी रखने के लिए जरूरी आधार नजर नहीं आया। इसी को ध्यान में रखते हुए छात्रा के खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त करने का आदेश दिया गया। यह मामला मई 2025 का है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसी घटनाक्रम से संबंधित एक विवादित इंस्टाग्राम पोस्ट को पुणे के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने दोबारा साझा किया था। पोस्ट में कथित तौर पर भारत सरकार की भूमिका की आलोचना की गई थी। इसके बाद पुणे के कोंढवा पुलिस थाने में छात्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। शिकायत में आशंका जताई गई थी कि पोस्ट से धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं और सांप्रदायिक तनाव पैदा हो सकता है। पोस्ट साझा किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, छात्रा को धमकियां मिलने के बाद उसने करीब 2 घंटे के भीतर पोस्ट हटा दी थी। इसके बाद उसने सार्वजनिक रूप से अपने कृत्य पर खेद जताते हुए माफी भी मांगी थी। हालांकि, पोस्ट हटाने और माफी मांगने के बावजूद उसके खिलाफ दर्ज मामले की कार्रवाई जारी रही और उसे गिरफ्तार भी किया गया था।

5 साल की बच्ची की गवाही पर भरोसा, कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 20 साल की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 5 साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के मामले में विशेष पॉक्सो अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी आकाश बाबूराव थोराट को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने मामले में बच्ची की गवाही को भरोसेमंद माना और कहा कि बचाव पक्ष यह साबित करने में नाकाम रहा कि उसे गवाही देने के लिए सिखाया गया था। विशेष अदालत



के न्यायाधीश जीटी पवार ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए आरोपी पर कुल 6,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने निर्देश दिया कि जुर्माने की राशि बच्ची को दी जाए। इसके साथ ही ठाणे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता के लिए अतिरिक्त मुआवजा मंजूर करने के संबंध में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए गए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना 1 दिसंबर 2019 की दोपहर की है। उस समय बच्ची ठाणे जिले के मुंब्रा इलाके में स्थित एक चॉल में रहती थी। घटना के दिन वह अपने पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति के घर खेलने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला आरोपी उसे बहलाकर अपने घर ले गया। उसने बच्ची के लिए टेलीविजन चलाया और इसके बाद उसका यौन उत्पीड़न किया। घटना के बाद बच्ची डरी हुई हालत में अपने घर लौटी और अपनी मां को पूरी बात बताई। बच्ची की बात सुनने के बाद मां ने पहले आरोपी से इस संबंध में सवाल किया और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच पूरी होने पर आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया। इसके बाद अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य पेश किए। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने वाले पॉक्सो कानून की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद आरोपी को दोषी ठहराया। सुनवाई के दौरान बच्ची की गवाही मामले का अहम आधार बनी। न्यायाधीश जीटी पवार ने कहा कि बच्ची की गवाही भरोसेमंद है और बचाव पक्ष ऐसा कोई ठोस आधार पेश नहीं कर पाया, जिससे यह साबित हो सके कि उसे गवाही देने के लिए सिखाया गया था। अदालत ने गवाही को कमजोर करने के लिए पेश किए गए तर्कों पर विचार करने के बाद उसे स्वीकार किया। न्यायालय के मुताबिक, अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने में सफल रहा। अदालत ने जांच प्रक्रिया में सामने आई कुछ कमियों का भी उल्लेख किया।

ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाएं जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें

शक्तिकांत ने बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए पांच प्राथमिकताओं को किया रेखांकित

नई दिल्ली।

मुंबई में बीएफएसआई इनसाइट समिट में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने देश में बड़े बैंकों के निर्माण और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के और ज्यादा एकीकरण की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में हुए बैंकों के विलय से एक ठोस आधार तैयार हुआ है और अब अगला लक्ष्य ऐसे वैश्विक स्तर के संस्थान बनाना होना चाहिए जो जटिल अंतरराष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य का सामना कर सकें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए मुख्य रूप से पांच प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है। इनमें विशालकाय संस्थानों का निर्माण, कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को गहरा बनाना, म्युनिसिपल बॉन्ड व्यवस्था को मजबूत करना, बीमा कवरेज का विस्तार और पेंशन की पहुंच को हर नागरिक तक पहुंचाना शामिल है। जानकारों के मुताबिक बड़े बैंक बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण और वैश्विक आर्थिक झटकों को सहने में ज्यादा सक्षम होते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऋण विस्तार को बढ़ावा देना, दीर्घकालिक बचत जुटाना और विनिर्माण क्षेत्र को गति प्रदान करना है। वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली की स्थिति काफी मजबूत है और यह पुराने फंसे कर्जों से उबर चुकी है। मार्च 2026 तक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात घटकर कई दशकों के निचले स्तर 1.8 फीसदी पर आ गया है, जबकि शुद्ध एनपीए घटकर मात्र 0.4 फीसदी रह गया है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली रुकावटों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतर स्थिरता का प्रदर्शन किया है। उद्योगों को मिलने वाले बैंक ऋण में भी सालाना आधार पर करीब 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जो निजी कॉरपोरेट निवेश चक्र में सुधार का संकेत देती है। जानकारों का कहना है कि भारत के निजी ऋण घनत्व को बढ़ाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में ऋण की पहुंच बढ़ानी होगी। साथ ही सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों को अधिक वित्तीय सहायता देकर आर्थिक समावेशन को मजबूत किया जाना जरुरी है।

एआई कारोबार ने बढ़ाई चीन के उद्योगपति झांग यिमिंग की संपत्ति, बने सबसे अमीर

झांग की कुल संपत्ति बढ़कर करीब 100 अरब अमरीकी डॉलर पर पहुंची

बीजिंग।

चीन में शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस के संस्थापक झांग यिमिंग फिर चीन के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। ताज़ा रैंकिंग रिपोर्ट के मुताबिक एआई क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व विकास के चलते झांग यिमिंग की कुल संपत्ति रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। झांग यिमिंग की कुल संपत्ति बढ़कर करीब 100 अरब अमरीकी डॉलर हो गई है। पिछले एक साल के अंदर उनकी संपत्ति में करीब 43 फीसदी का भारी उछाल आया। उनकी इस वित्तीय सफलता के पीछे बाइटडांस का तेजी से बढ़ता एआई कारोबार और उनका एआई असिस्टेंट दौबाओ मुख्य वजह है, जो वर्तमान में चीन में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले एआई टूल्स में शामिल हो चुका है। बाइटडांस टिकटॉक के अलावा चीन के घरेलू बाजार में दोयिन नाम से बेहद लोकप्रिय प्लेटफॉर्म संचालित करती है।रिपोर्ट के मुताबिक चीन में रियल एस्टेट और पारंपरिक उद्योगों से जुड़े उद्योगपतियों की संपत्ति में गिरावट देखी जा रही है, जबकि सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और एआई तकनीक से जुड़े उद्यमियों की दौलत में तेजी से इजाफा हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेली की कीमतों में तेजी आई है। तेल की कीमतों में ये बढ़त ईरान के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर हमले के बाद आई हैं। इससे तेल की सप्लाई पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 1.48 डॉलर बढ़कर 115.36 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं अमेरिकी बास्केट का डब्ल्यूटीआई तेल भी 1.22 डॉलर बढ़कर 101.12 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इससे पहले मंगलवार को तेल का भाव करीब 2 डॉलर कम हो गया था, लेकिन हमले के बाद यह फिर से बढ़ गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ऐसे समया आया जब अमेरिका में क्रूड का स्टॉक बढ़ता जा रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर में पिछले सप्ताह क्रूड का उत्पादन 15 हजार बैरल से भी ज्यादा बढ़ा है पर ताजा हमलों ने इसके उत्पादन पर संकट के बादल दिखाए जिससे कीमतों पर फिर से दबाव बढ़ा. ओपेक और अन्य सहयोगी देशों ने दिसंबर तक अपने तेल उत्पादन को बढ़ाए रखने का अनुमान लगाया था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 352, निफ्टी 50 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 352.64 अंक टूटकर की 73,246.03 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 50.90 अंक नीचे आकर 22,698.85 पर बंद हुआ। हालांकि, यह गिरावट मुख्य रूप से बड़े पूंजीकरण वाले शेयरों तक ही सीमित रही, जबकि छोटे और मध्यम आकार के शेयरों में तेजी रही। बाजार में जहां लार्जकैप शेयरों में दबाव रहा, वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 244.80 अंक की तेजी के साथ 57,274.70 पर पहुंच गया। इसी तरह, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी 166.20 अंक की बढ़त लेकर 18,634.90 पर बंद हुआ। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशक मजबूत आधार वाली मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में अवसरों की तलाश में हैं। सेक्टोरल इंडेक्स में, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी फार्मा ने शानदार प्रदर्शन किया और वे सबसे अधिक लाभ में रहे। इनके अलावा, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर कुछ प्रमुख सेक्टर्स में भारी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी



आईटी के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी रियल्टी में भी नकारात्मक रुझान बना रहा, जिससे इन क्षेत्रों से निवेशक दूर रहे। सेंसेक्स पैक के भीतर, एलएंडटी, ट्रेंट, एसबीआई, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम जैसे शेयरों ने निवेशकों को लाभ पहुंचाया और मजबूती के साथ बंद हुए। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा जैसे प्रमुख शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जिससे सूचकांकों पर दबाव बना। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 700 अंक से अधिक फिसलकर 72,800 के स्तर पर आ गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 22,550 के अंक तक नीचे आया।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में कमी आई है। अमरीकी फेडरल रिजर्व के आगामी नीतिगत फैसलों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते निवेशक इस सप्ताह होने वाली फेड की बैठक पर सभी की नजरें बनी हुई हैं। राष्ट्रीय कमोडिटी एवं डेरिवेटिव एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध में शुरुआती कारोबार के दौरान 271 रुपये की गिरावट रही। यह 1,43,867 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला, और बाद में 1,43,650 रुपये के करीब कारोबार करता नजर आया। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। वहीं, चांदी के वायदा भाव में भी कमजोरी रही। एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर अनुबंध 617 रुपये टूटकर 1,96,010 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला और आगे चलकर 1,95,650 रुपये के स्तर के आसपास पहुंच गया। चालू वर्ष में चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड उच्च स्तर दर्ज किया था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी बहुमूल्य धातुओं में कमजोरी देखी गई। यहां सोने का वायदा भाव गिरावट के साथ 4,058.70 डॉलर प्रति औंस पर, जबकि चांदी 54.15 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। बाजार जानकारों के अनुसार, मौजूदा समय में बाजार में तकनीकी रूप से शॉर्ट कवरिंग देखने को मिल रही है, जो कीमतों पर दबाव डाल रही है। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर, सोने को 1,42,740 रुपये के स्तर पर मजबूत सपोर्ट हासिल है, जबकि इसका ऊपरी प्रतिरोध 1,44,900 रुपये पर देखा जा रहा है। यदि कीमतें इस ऊपरी स्तर को पार करने में सफल होती हैं, तो भाव 1,45,670 रुपये तक बढ़ सकते हैं।

लार्ज कैप फंड्स- सुरक्षित निवेश की अवधारणा और बाजार का यथार्थ

मुंबई ।

निवेशक अक्सर लार्ज कैप म्युचुअल फंड्स को सुरक्षित निवेश का पर्याय मानते हैं, लेकिन शेयर बाजार की बड़ी गिरावट से ये फंड भी पूरी तरह अछूते नहीं रहते है। हाल ही में सितंबर के महीने में निफ्टी 100 इंडेक्स में 5.95 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, इसके बावजूद निवेशकों ने लार्ज कैप फंड्स पर भरोसा जताकर 859 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया, जो उनकी निरंतर अवधारणा को दिखाता है। ये फंड्स अपनी कुल परिसंपत्ति का करीब 80 प्रतिशत बाजार की 100 सबसे बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। जानकारों का मानना है कि मजबूत कारोबार वाली बड़ी कंपनियां भी आर्थिक मंदी या वैश्विक झटकों के प्रभाव से पूरी तरह बच नहीं सकतीं। यदि किसी शेयर का मूल्यांकन उसकी वास्तविक आय से कहीं अधिक हो, तब बाजार सुस्त पड़ने पर उसमें बड़ी गिरावट आ सकती है। हालांकि, स्मॉल और मिड कैप फंड्स की तुलना में इसमें उतार-चढ़ाव कम होता है। विशेषज्ञों की समीक्षा बताती है कि कई सक्रिय रूप से प्रबंधित लार्ज कैप फंड लंबी अवधि में अपने बेंचमार्क इंडेक्स को पीछे छोड़ने में विफल रहते हैं, जिससे निवेशक कम लागत वाले इंडेक्स फंड्स पर विचार कर सकते हैं। बाजार में बड़ी गिरावट के बाद शेयरों को अपने पुराने स्तर पर लौटने में काफी समय लग सकता है। उदाहरण के लिए, 2008 के आर्थिक संकट के बाद बाजार को उबरने में 5 से 6 साल का लंबा समय लगा था, जबकि 2020 की महामारी के दौरान बाजार कुछ ही महीनों में संभल गया था।

माइक्रोसॉफ्ट ने 60,000 कर्मचारियों को स्वैच्छिक बायआउट का दिया प्रस्ताव

कर्मचारियों की संख्या में कमी कर बचाए गए पैसे को एआई में करेगा निवेश

नई दिल्ली ।

दुनिया की अग्रणी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने एक बार फिर बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। कंपनी ने लगभग 60,000 कर्मचारियों को स्वैच्छिक बायआउट का प्रस्ताव दिया है। यह कदम माइक्रोसॉफ्ट द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में भारी निवेश करने और अपनी वर्कफोर्स को बदलती व्यावसायिक जरूरतों के अनुरूप ढालने की रणनीति का हिस्सा है। इस प्रस्ताव के माध्यम से कंपनी अपनी वर्तमान कुल वर्कफोर्स के लगभग 27 प्रतिशत की भारी कटौती करने जा रही है। यह बायआउट ऑफर अमेरिका, कनाडा, भारत और ब्रिटेन में वाइस प्रेसिडेंट लेवल और उससे नीचे के चुनिंदा कर्मचारियों के लिए है। जानकारी के अनुसार, एआई एक्सपीरियंस, कोपायलट, फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्सेज, एक्सबॉक्स और विंडोज प्लस डिवाइसेस से जुड़े कर्मचारियों को इस दायरे में रखा गया है। हालांकि, डेटा सेंटर, सेल्स, मार्केटिंग, कमर्शियल बिजनेस और सिक्योरिटी जैसी महत्वपूर्ण टीमों को इस ऑफर से बाहर रखा गया है। माइक्रोसॉफ्ट की चीफ पीपल ऑफिसर एमी कोलमैन ने कर्मचारियों को भेजे गए आंतरिक मेमो में कहा है कि यह ऑफर उन कर्मचारियों को नया विकल्प देता है जो कंपनी के बाहर अपना



भविष्य तलाश रहे हैं। यह कंपनी को अपनी बदलती आवश्यकताओं के अनुसार कर्मचारियों की संख्या को समायोजित करने में भी मदद करेगा। यह इस साल माइक्रोसॉफ्ट का दूसरा बड़ा बायआउट ऑफर है, जो अप्रैल में अमेरिका में 9,000 कर्मचारियों और जुलाई में 4,800 लोगों की छंटनी के बाद आया है। दरअसल, माइक्रोसॉफ्ट एआई डेटा सेंटर्स और चिप्स पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है। कर्मचारियों की संख्या में कमी कर बचाए गए पैसे को एआई में निवेश किया जा रहा है, जिसका अनुमान इस साल 175 अरब डॉलर है। हालांकि, निवेशक इस भारी-भरकम खर्च के बदले अपेक्षित रिटर्न पर सवाल उठा रहे हैं।

मोबाइल पीएलआई योजना की सफलता-19,000 करोड़ के प्रोत्साहन से 3.25 लाख करोड़ का राजस्व

मुंबई ।

भारत सरकार द्वारा देश में मोबाइल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए शुरू हुई महत्वाकांक्षी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने अभूतपूर्व सफलता पाई है। इस योजना के तहत मोदी सरकार ने मोबाइल निर्माण क्षेत्र को केवल 19,000 करोड़ का प्रोत्साहन (सब्सिडी) दिया था, इसके बदले सरकारी खजाने में करों के रूप में 3.25 लाख करोड़ की बंपर राशि जमा हुई है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने आंकड़े पेश कर योजना की प्रभावशीलता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस राजस्व में 25,000 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर और 3 लाख करोड़ रुपये माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के रूप में प्राप्त हुए हैं।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री का यह स्पष्टीकरण उन आलोचनाओं के मुंह पर तमाचा है जिसमें दावा किया गया था कि करदाताओं के पैसे से दी जाने वाली सब्सिडी की तुलना में मोबाइल कलपुर्जों के आयात पर अधिक खर्च हो रहा है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला हुआ है, जिसमें से सिर्फ मोबाइल निर्माण क्षेत्र में 12 लाख से अधिक लोग काम कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 2 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन का निर्यात किया। यह उल्लेखनीय है कि एक दशक पहले देश में कुल घरेलू मांग का 75 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल आयात पर निर्भर था, जो अब घटकर मात्र 0.02 प्रतिशत रह गया है। इस दौरान भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का कुल उत्पादन 6 गुना बढ़कर 11.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि मोबाइल फोन का उत्पादन बढ़कर करीब 5.5 लाख



करोड़ रुपये हो गया है। मोबाइल निर्माण में आत्मनिर्भरता को और अधिक मजबूत करने के लिए सरकार ने 62,500 करोड़ रुपये के कुल बजट वाली एक नई मोबाइल फोन विनिर्माण योजना की भी शुरुआत की है।

जियो की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री, निवेशकों को 21.36फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला

नई दिल्ली।

निवेशकों को कई दिनों से जिस पल का इंतजार था वो आज यानी बुधवार को आ ही गया। जियो प्लेटफॉर्म्स की बुधवार को शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। करीब 30,200 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद कंपनी का शेयर सुबह 10 बजे बाजार में डेब्यू किया। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 1,119 रुपए के आईपीओ इश्यू प्राइस के मुकाबले 1,358 रुपए पर लिस्ट हुए, जिससे निवेशकों को 21.36फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग से पहले ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने जियो प्लेटफार्म पर कवरेज शुरू करते हुए इसे 'बाय' रेटिंग दी और 1,340 रुपए प्रति शेयर का टारगेट प्राइस तय किया। ब्रोकरेज का मानना है कि जियो अब सिर्फ बाजार में बदलाव लाने वाली कंपनी नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र की अग्रणी कंपनी बन चुकी है। कारोबार के लिहाज से भी जियो प्लेटफॉर्म ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत परफॉर्म दर्ज किया। कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 14.6फीसदी बढ़कर 1.47 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट प्रॉफिट 15.1% बढ़कर 30,049 करोड़ रुपए पहुंच गया।

टाटा समूह विवाद पर राजनीतिक घमासान तेज, राहुल के निशाने पर मोदी सरकार

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में से एक, टाटा समूह के भीतर चल रही खींचतान अब एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुकी है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच नेतृत्व, कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने और कामकाज के तरीकों को लेकर उपजे विवाद पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि इस प्रमुख उद्योग समूह को आपराधिक तरीके से नुकसान पहुंचाया जा रहा है और डर के माहौल के कारण देश का पूरा कारोबारी समूह खामोश है। सोशल मीडिया पर अपनी बात रखकर राहुल गांधी ने भारतीय उद्योग जगत की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि भारतीय कारोबार कोई खिलौना नहीं है और देश के शीर्ष नेतृत्व (नरेंद्र मोदी और अमित शाह) को इसतरह के मामलों में निष्पक्षता व न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। यह पूरा विवाद तब खुलकर सामने आया जब टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और उसकी सबसे बड़ी शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स (जो टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती है) के बीच नेतृत्व और रणनीतिक फैसलों को लेकर मतभेद सार्वजनिक हुए। विवाद की मुख्य वजह टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष नोएल टाटा द्वारा एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस का अध्यक्ष फिर से नियुक्त करने संबंधी उस प्रस्ताव को चुनौती देना है, जो कि सितंबर में निदेशक मंडल की बैठक में पारित किया गया था। जानकारों के अनुसार, भारत के कॉर्पोरेट इतिहास में टाटा समूह का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान देखकर शीर्ष कंपनियों के बीच चल रहा यह घमासान न केवल शेयर बाजार बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि कारोबारी पारदर्शिता और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिहाज से इस विवाद का जल्द से जल्द समाधान आवश्यक है, ताकि देश के औद्योगिक माहौल पर इसका कोई विपरीत असर न पड़े।

केनरा रोबेको ला रहा है नया आर्बिट्राज फंड

मुंबई ।

म्युचुअल फंड में निवेश करने के इच्छुक लोगों के लिए जल्द ही एक नया वित्तीय विकल् बाजार में मौजूद होगा। केनरा रोबेको म्युचुअल फंड ने अपनी नई ओपन-एंडेड योजना केनरा रोबेको आर्बिट्राज फंड का ड्राफ्ट दस्तावेज बाजार नियामक सेबी के पास जमा कराया है। इस योजना के तहत निवेशक सामान्य कारोबारी दिनों में आसानी से अपना पैसा लगा सकते और जरूरत पड़ने पर वापस भी निकाल सकते है।

इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य शेयर बाजार के कैश और डेरिवेटिव सेगमेंट में प्रतिभूतियों की कीमतों के बीच मौजूद अंतर का लाभ उठाकर प्रतिफल अर्जित करना है।

जब कीमतों का अंतर कम होता है, तब फंड अपनी शेष राशि को तय नियमों के अनुसार डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश कर सकता है। हालांकि, इसमें किसी निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं दी जाती है। इस फंड के प्रदर्शन का आकलन निफ्टी 50 आर्बिट्राज इंडेक्स (टीआरआई) के आधार पर किया जाएगा।

निवेशक एकमुश्त न्यूनतम 5,000 रुपये से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद 1,000 रुपये के गुणकों में अतिरिक्त निवेश संभव है। सिस्टेमेटिक इंवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए मासिक आधार पर न्यूनतम 1,000 रुपये और तिमाही आधार पर 2,000 रुपये से निवेश शुरू हो सकता है।

इसके अलावा निवेशकों को एसटीपी (सिस्टेमेटिक ट्रांसफर प्लान) और एसडब्ल्यूपी (सिस्टेमैटिक विड्रॉअल प्लान) जैसी अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। नया फंड ऑफर (एनएफओ) करीब 3 और अधिकतम 15 कामकाजी दिनों तक खुला रहेगा। एनएफओ के दौरान प्रति यूनिट की कीमत 10 रुपये निर्धारित है, इसके बाद इसका मूल्य नेट एसेट वैल्यू के अनुसार घटेगा-बढ़ेगा। यदि कोई निवेशक अलॉटमेंट के 15 दिनों के भीतर अपना पैसा निकालता है, तब उस पर 0.25 प्रतिशत का एग्जिट लोड लागू होगा।

जानकारों के अनुसार, यह योजना उन निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकती है जो कम जोखिम के साथ आर्बिट्राज रणनीति का लाभ उठाना चाहते हैं।

पेट्रोल में 20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल मिलाने की फिलहाल कोई योजना नहीं-पुरी

इस सीमा को बढ़ाकर 50 या 100 फीसदी करने की खबरें पूरी तरह से आधारहीन

नई दिल्ली।

पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण को लेकर चल रही अटकलों और अफवाहों पर विराम लगाते हुए केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सरकार का पेट्रोल में 20 फीसदी से ज्यादा एथेनॉल मिलाने का फिलहाल कोई विचार या योजना नहीं है। एक कायक्रम में पुरी ने ई-20 ईंधन से जुड़ी खबरों पर कहा कि बायोफ्यूल के संदर्भ में 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखा गया था, जिसे हासिल कर लिया गया है। इस सीमा को बढ़ाकर 50 फीसदी या 100 फीसदी किए जाने की खबरें पूरी तरह से आधारहीन हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस मुद्दे पर फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों पर भरोसा न करें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही ध्यान दें। बता दें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव और आपूर्ति बाधाओं के बीच भारत ने विदेशी तेल पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा दिया था। एथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने और अनाज के अवशेषों से तैयार किया जाने वाला एक पर्यावरण अनुकूल विकल्प है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें तैर रही थीं कि सरकार जल्द ही उच्च स्तर का एथेनॉल मिश्रित ईंधन अनिवार्य करने जा रही है, जिससे कुछ वाहन मालिकों ने इंजनों की दक्षता पर असर पड़ने की चिंता व्यक्त की थी। सरकार की इस आधिकारिक स्पष्टता के बाद वाहन चालकों की सभी आशंकाएं दूर हो गई हैं। जानकारों के मुताबिक 20 फीसदी एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य देश के आयात बिल को घटाने और कृषि क्षेत्र को अतिरिक्त आय प्रदान करने के उद्देश्य से सफलतापूर्वक लागू किया गया है। सरकार की प्राथमिकता फिलहाल इसी व्यवस्था को स्थिर और प्रभावी बनाए रखने की है।

आज हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद,जाने अन्य राज्यों में क्या रहेगा हाल

मुंबई ।

अगर आप 29 अक्टूबर को बैंक जाने की सोच रहे हैं, तब यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कैलेंडर के अनुसार, गुरुवार को कुछ राज्यों में बैंकों का कामकाज बंद रहेगा। मुख्य रूप से, करवाचौथ के त्यौहार के कारण हिमाचल प्रदेश में सभी सरकारी और निजी बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे प्रमुख बैंक शामिल हैं। हालांकि, यह छुट्टी केवल हिमाचल प्रदेश तक ही सीमित है। देश के अन्य सभी राज्यों, जैसे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पंजाब, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल सहित अधिकांश जगहों पर बैंक सामान्य रूप से खुले रहने वाले है।

इन राज्यों में करवाचौथ का उत्सव होने के बावजूद बैंकिंग सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

बता दें कि करवाचौथ हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जिसमें विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इस दिन सुबह सरगी से शुरुआत होती है और शाम को चंद्रमा की पूजा के बाद ही व्रत खोला जाता है।



करवा चौथ यानी पति की लम्बी उम्र के लिए रखे जाने वाले व्रत का दिन होता है। छांदोग्य उपनिषद् के अनुसार चंद्रमा में पुरुष रूपी ब्रह्मा की उपासना करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इससे जीवन में किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होता है। साथ ही साथ इससे लंबी और पूर्ण आयु की प्राप्ति होती है। करवा चौथ के व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय, गणेश तथा चंद्रमा का पूजन करना चाहिए। चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा होती है। पूजा के बाद मिट्टी के करवे में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री रखकर सास अथवा सास के समकक्ष किसी सुहागिन के पांव छूकर सुहाग सामग्री भेंट करनी चाहिए।

करवा चौथ

अखंड सुहाग का वरदान मांगने का दिन

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला त्योहार करवा चौथ एक ऐसा पावन दिन है जब पति की आयु के लिए की गई प्रार्थना प्रभु स्वीकार करते हैं और यही विवाहिता के लिए बड़ा वरदान है। चौथ के एक दिन पहले ही महिलाएं मेहंदी लगवाकर अपनी सजी हथेली से पूजन करती हैं। करवा चौथ नजदीक आते ही महिलाओं के मन में एक अजीब-सी हलचल होने लगती हैं। उनका मन साज-श्रृंगार करने के लिए लालायित होने लगता है। महिलाएं इस त्योहार की तैयारी महीनों पहले से ही करने लगती हैं। परंपरा, फैशन और आधुनिकता के अनुरूप सजने-संवरने के लिए महिलाएं, कुंवारी कन्याएं तरह-तरह के सजने-संवरने के सामान को बाजार से समेटकर ले आती हैं और इस आने वाले पर्व का इंतजार करती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं विशेष रूप से श्रृंगार करती हैं। फैशन के इस दौर में भी महिलाएं इस पर्व पर पारंपरिक रूप से ही तैयार होती हैं। कुछेक महिलाएं इस दिन विवाह के समय दी गई चुंदड़ी भी ओढ़ती हैं।

जिस घर में नवविवाहिता बहू होती है उसके पहले करवा चौथ पर कुछ परिवारों में मायके से ससुराल में उपहारस्वरूप वस्त्र और श्रृंगार का सामान भिजवाया जाता है, जिसे पहनकर ही नवविवाहिता यह पूजा करती है। इस दिन नवविवाहिताओं को बस इंतजार रहता है शरमाकर बादलों के घूँघट में छिपे चंद्रमा का सुंदर मुखड़ा देखने का। उन्हें न भूख, न प्यास का अहसास होता है। उनके मन में तो बस करवा चौथ की उमंग होती है। करवा चौथ के दिन छोटी बहू, परिवार की बड़ी बहू या फिर सास को करवा और मिष्ठान्न प्रदान कर अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद लेती है। वर्ष में एक बार मनाए जानेवाले करवा चौथ के दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सलामती के लिए चौथमाता से मुराद मांग कर इस पर्व को सार्थक करती हैं। करवा चौथ के दिन लाल रंग के परिधान पहनने का अपना अलग ही महत्व है, क्योंकि लाल रंग शुभ व सुहाग का प्रतीक माना जाता है, अत: इस पर्व पर सामान्यत: इसी रंग के परिधान पहने जाते हैं। समय में आए बदलाव के अनुसार अब पुरुष भी अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखते हैं और अपनी पत्नी की भावनाओं, उनकी आकांक्षाओं का ख्याल रखते हुए दोनों एक-दूजे के साथ-साथ, एक-दूजे के हाथ से व्रत का समापन करते हैं। यह दिन पति-पत्नी दोनों के लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि यह व्रत रिश्तों को मजबूत बनाता है। यही वजह होती है कि करवा चौथ के दिन पत्नी द्वारा ईश्वर से अपने सुहाग और घर की सुख-समृद्धि के लिए की गई प्रार्थना पति की जिंदगी में पत्नी की अहमियत को और बढ़ा देती है। दिल को छू जाने वाले यही अहसास परिवार के रिश्ते को मजबूत बनाता हैं।

क्या आप जानते हैं कितना पुराना है करवा चौथ का व्रत

करवा चौथ शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है, करवा यानी मिट्टी का बरतन और चौथ यानि चतुर्थी। इस त्योहार पर मिट्टी के बरतन यानी करवे का विशेष महत्व माना गया है। सभी विवाहित स्त्रियां साल भर इस त्योहार का इंतजार करती हैं और इसकी सभी विधियों को बड़े श्रद्धा-भाव से पूरा करती हैं। करवा चौथ का त्योहार पति-पत्नी के मजबूत रिश्ते, प्यार और विश्वास का प्रतीक है।

करवा चौथ का इतिहास : बहुत-सी प्राचीन कथाओं के अनुसार करवा चौथ की परंपरा देवताओं के समय से चली आ रही है। माना जाता है कि एक बार देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हो गया और उस युद्ध में देवताओं की हार हो रही थी। ऐसे में देवता ब्रह्मदेव के पास गए और रक्षा की प्रार्थना की।

ब्रह्मदेव ने कहा कि इस संकट से बचने के लिए सभी देवताओं की पत्नियों को अपने-अपने पतियों के लिए व्रत रखना चाहिए और सच्चे दिल से उनकी विजय के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। ब्रह्मदेव ने यह वचन दिया कि ऐसा करने पर निश्चित ही इस युद्ध में देवताओं की जीत होगी। ब्रह्मदेव के इस सुझाव को सभी देवताओं और उनकी पत्नियों ने खुशी-खुशी स्वीकार किया।

ब्रह्मदेव के कहे अनुसार कार्तिक माह की चतुर्थी के दिन सभी देवताओं की पत्नियों ने व्रत रखा और अपने पतियों यानी देवताओं की विजय के लिए प्रार्थना की। उनकी यह प्रार्थना स्वीकार हुई और युद्ध में देवताओं की जीत हुई। इस खुशखबरी को सुन कर सभी देव पत्नियों ने अपना व्रत खोला और खाना खाया। उस समय आकाश में चांद भी निकल आया था। माना जाता है कि इसी दिन से करवा चौथ के व्रत के परंपरा शुरू हुई

करवा चौथ के लिए पूजन सामग्री की सूची

पति के प्रति प्रेम की आत्मिक अभिव्यक्ति के लिए किया जाने वाला करवा चौथ का व्रत पिया की दीर्घायु के लिए किया जाता है। अन्न जल का त्याग कर व्रत रखकर, रात्रि समय में चांद को अर्घ्य देकर यह व्रत पूर्ण होता है। इस व्रत का सबसे अहम और दिलचस्प पहलू है, छलनी में से चांद और अपने चंदा यानि पिया को देखना, जो इस व्रत के उत्साह को बढ़ा देता है। चूंकि व्रत पति की लंबी उम्र के लिए है, इसलिए पूजन में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। इसलिए हम बता रहे हैं, पूजन सामग्री की लिस्ट जो इस व्रत व पूजन में उपयोग होती हैं। कुल मिलाकर ऐसी 34 चीजें हैं, जो इस व्रत की शुरूआत से लेकर व्रत खोलने तक उपयोग में आती हैं। पढ़कर एक बार मिलान जरूर करें, कि आपके पास कोई सामग्री कम तो नहीं है। और अगर है, तो उसे अपनी सूची में जल्दी से शामिल कर लिजिए - चंदन, शहद, अगरबत्ती, पुष्प, कच्चा दूध, शकर, शुद्ध घी, दही, मिठाई, गंगाजल, कुंकुम, अक्षत (चावल), सिंदूर, मेहंदी, महावर, कंघा, बिंदी, चुनरी, चूड़ी, बिछुआ, मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन, दीपक, रुई, कपूर, गेहूं, शकर का बूरा, हल्दी, पानी का लोटा, गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी, लकड़ी का आसन, चलनी. आठ पूरियों की अठावरी, हलुआ, दक्षिणा के लिए पैसे।



पति-पत्नी करवा चौथ पर लें यह संकल्प

वैवाहिक जीवन को स्थायित्व प्रदान करने के लिए जरूरी है, पति-पत्नी का आपसी प्रेम व विश्वास। छोटी-छोटी शिकायतों को मुस्कुराकर हल करते हुए एक-दूसरे के सहयोग से इस रिश्ते को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। करवाचौथ, उपवास तथा पूजा के साथ आपसी रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने और एक-दूजे के प्रति सम्मान जगाने का भी प्रतीक है। इस भावना के साथ कि 'मैं तुम्हारे साथ हूं, हर परिस्थिति में, हर घड़ी'। इस करवाचौथ पर पति-पत्नी दोनों मिलकर लीजिए कुछ संकल्प और विवाह बंधन को कीजिए और मजबूत.



प्रेम इंसान के उन भावनात्मक पहलुओं की कोमल अभिव्यक्ति है, जिसमें उसका स्वतंत्र भाव समर्पित रूप से समाया हुआ है। यह किसी तराजू का तौल नहीं बल्कि सुंदर, कोमल भावनाओं का स्नेह भरा मोल है, जिसका परस्पर आदान-प्रदान आपसी संबंधों को मधुर व मजबूत बनाता है।

परखें जीवनसाथी की महत्ता

पुरुष व स्त्री सिक्के के दो पहलू के समान हैं। उनका पारस्परिक संयोग, सृजन और जीवन जैसे महत्वपूर्ण तत्वों को बनाए रखने में सक्षम है। हर शख्स का यह सुनहरा स्वप्न होता है कि वह अपने जीवनसाथी को सर्वगुण संपन्न देखे, किंतु यह स्वप्न तभी साकार हो सकता है, जब दोनों ओर से संभावनाओं की अभिव्यक्त हों। कोई भी व्यक्ति स्वयं में संपूर्ण नहीं होता, इस बात से सभी वाकिफ हैं। अत: आवश्यक है कि अपने जीवनसाथी के आवश्यक गुणों को परखें व उन्हें उचित सम्मान दें।

सुख- दुख में साथ

सुख-दु:ख में एक-दूसरे का सहभागी होना मानव का प्रथम महत्वपूर्ण कर्तव्य है। उचित समय व परिस्थिति अनुसार ही व्यक्ति की पहचान होती है। आपसी सहयोग ही संबंधों को प्रगाढ़ बनाता है। अत: हर बिंदु पर आपसी समझौते द्वारा उचित निवारण करने का प्रयास करें।

राई का पहाड़ न बनने दें

हर व्यक्ति की विचारधारा, स्वभाव उसकी व्यक्तिगत विशेषता है। कोशिश करें कि आपसी नोक-झोंक को बात का बतंगड़ या राई का पहाड़ न बनने दें। यह क्रिया आग में घी का काम करती है।

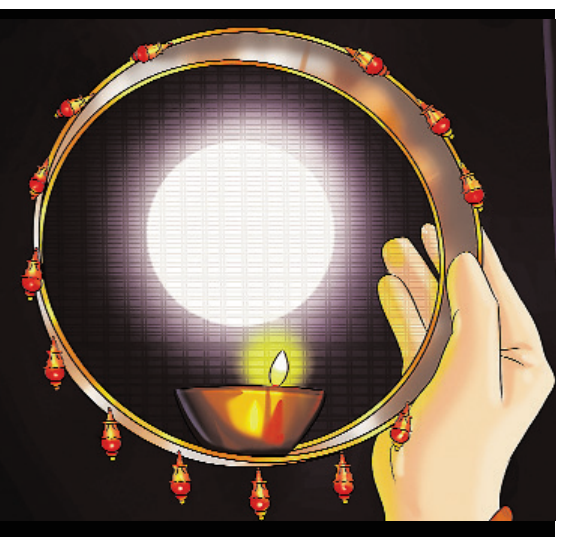
दाल-भात में मूसलचंद

जब पति-पत्नी के आपसी संबंधों के बीच कोई अन्य तीसरा व्यक्ति हर बात पर अपनी राय देने लगता है तो रिश्तों में कड़वाहट आनी शुरू हो जाती है। ऐसी परिस्थिति से बचने का उचित उपाय यह है कि पति-पत्नी दोनों ही यह महसूस करें कि वे सिर्फ एक-दूसरे के लिए हैं। और उनके बीच की प्रगाढ़ता में किसी तीसरे के लिए स्थान नहीं है। हम दोनों बने ही एक-दूजे के लिए हैं। एक-दूसरे का सुख-दु:ख हमारा अपना है। आपसी निजता व महत्ता को कायम रखें व आपसी विश्वास को सदैव तरजीह दें। लोगों से खूब घुलें-मिलें किंतु आपके निजी मसलों में बोलने का हक किसी को भी न दें।

वादे पूरे करें

यह जन्म-जन्मांतर का अटूट प्रेम बंधन तभी जीवंत रह सकता है जबकि आपने सच्चे वायदे पूरे करने की कसम खाई हो व उसे साकार रूप प्रदान किया हो। प्यार की यह नाजुक डोर विश्वास, आपसी प्रेम व सामंजस्य से जुड़ी होती है। ऐसे में अन्य किसी के सामाजिक-पारिवारिक दबाव में आकर जीवनसाथी से धोखा करना सरासर बेईमानी है। इससे आपसी विश्वास को ठेस पहुंचती है। इन सारे संकल्पों को आत्मसात कर लें। याद रखिए करवाचौथ का असली महत्व तभी सार्थक होगा, जब आप दोनों निश्चिंत होकर एक-दूसरे के सहयोग से अपनी दुनिया सजाएंगे।





इस साल करवा चौथ पर कब निकलेगा चांद

सुहाग से जुड़े सभी व्रतों में करवा चौथ विशेष है। इसे हर साल कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और तरक्की के लिए निर्जला उपवास रखती हैं, जिसका पारण चांद निकलने पर किया जाता है। करवा चौथ मुख्य रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में मनाया जाता है, जो सभी सुहागिनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सुहागिनें इस दिन की तैयारी महीने भर पहले से शुरू कर देती हैं। इस दौरान बाजारों में इसकी अलग रौनक देखने को मिलती है।

करवा चौथ पर करवा माता की पूजा का विधान है। ऐसे में व्रत कथा सुनने और माता की पूजा करने से अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही उनका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहता है। इस बार करवा चौथ पर व्यतीपात योग बन रहा है। इस योग में पूजा करने से सुखी परिवार का आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में आइए इस दिन चांद निकलने के समय से लेकर पूजा विधि के बारे में जानते हैं।

करवा चौथ 2026 तिथि

करवा चौथ का व्रत 29 अक्तूबर 2026, गुरुवार को रखा जाएगा।
चतुर्थी तिथि आरंभ : 29 अक्तूबर 2026 को सुबह 01:06 बजे से
चतुर्थी तिथि समाप्त : 29 अक्तूबर 2026 को रात 10:09 बजे तक

करवा चौथ शुभ मुहूर्त और चंद्रोदय समय

पूजा मुहूर्त : शाम 5 :38 बजे से 6 :56 बजे तक
व्रत अवधि : सूर्योदय से चंद्रोदय तक
चंद्रोदय : रात करीब 8 :17 बजे

करवा चौथ व्रत के नियम और सावधानियां

ज्योतिष के जानकारों की मानें तो इस बार करवा चौथ का ये व्रत हर सुहागिन की जिंदगी संवार सकता है, लेकिन इसके लिए इस दिव्य व्रत से जुड़े नियम और सावधानियों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए हम बताते हैं कि इस अद्भुत संयोग वाले करवा चौथ के व्रत में क्या करें और क्या ना करें -

- केवल सुहागिनें या जिनका रिश्ता तय हो गया हो वही स्त्रियां ये व्रत रख सकती हैं।
- व्रत रखने वाली स्त्री को काले और सफेद कपड़े कतई नहीं पहनने चाहिए।
- करवा चौथ के दिन लाल और पीले कपड़े पहनना विशेष फलदायी होता है।
- करवा चौथ का व्रत सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखा जाता है।
- ये व्रत निर्जल या केवल जल ग्रहण करके ही रखना चाहिए।
- इस दिन पूर्ण श्रृंगार और अच्छा भोजन करना चाहिए।
- पत्नी के अस्वस्थ होने की स्थिति में पति भी ये व्रत रख सकते हैं।

करवा चौथ पूजा के 5 फलदायी मंत्र

कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इसे चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी (अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है) कहा जाता है। उस दिन सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की लंबी आयु, अच्छा आरोग्य तथा सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहकर उपवास करती है। इस दिन भगवान शिव तथा मां पार्वती, स्वामी कार्तिकेय तथा भगवान श्रीगणेश एवं चंद्रमा का पूजन करने का विधान है। इनके पूजन के दौरान निम्न मंत्रों का जाप करना विशेष फलदायी रहता है। अत: करवा चौथ के दिन इन मंत्रों का जाप अवश्य किया जाना चाहिए। करवा चौथ व्रत पूजा के मंत्र.

- पार्वतीजी का मंत्र - ऊँ शिवायै नम:
- शिव का मंत्र - ऊँ नम: शिवाय
- स्वामी कार्तिकेय का मंत्र - ऊँ षण्मुखाय नम:
- श्रीगणेश का मंत्र - ऊँ गणेशाय नम:
- चंद्रमा का पूजन मंत्र - ऊँ सोमाय नम:

कोच गौतम गंभीर की दूरदृष्टि...टीम इंडिया छू रही सफलता के नए आयाम

नई दिल्ली। गौतम गंभीर का टी20 क्रिकेट के लिए दृष्टिकोण एक अलग विचार पर आधारित है। भारत को एक ऐसी टीम बनना होगा जो असफलता से न डरे, पूरी तरह से व्यक्तिगत नायकों पर निर्भर न हो, और जब कोई खिलाड़ी आउट हो जाए तो विश्वास करना न छोड़े। टी20 क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सुनियोजित आक्रामकता, लचीली बल्लेबाजी व्यवस्था और प्रभाव डालने पर जोर दिया गया। तिलक बल्लेबाजी में लचीलापन और मैच की विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता रखते हैं। शुरुआती विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने में वे मददगार साबित हो सकते हैं या टीम को तेजी से रन बनाने की जरूरत पड़ने पर अपनी गति बढ़ा सकते हैं। नमन धीर मध्य क्रम में आक्रामक विकल्प प्रदान करते हैं, जिनमें गेंदबाजों पर आक्रमण करने और दबाव वाली परिस्थितियों में महत्वपूर्ण रन बनाने की क्षमता है। नीतीश कुमार रेड्डी अपनी बल्लेबाजी की ताकत और तेज गेंदबाजी से टीम को एक नया आयाम देते हैं, जिससे प्रबंधन को प्लेइंग इलेवन बनाने में अधिक लचीलापन मिलता है। वे एक जैसे खिलाड़ी नहीं हैं, और उनमें से किसी को भी हार्दिक पांड्या बनने की जरूरत नहीं है। उनका महत्व उन अलग-अलग गुणों में निहित है जो वे टीम में ला सकते हैं। सिद्धांत सरल हैः केवल खिलाड़ी को नहीं, बल्कि भूमिका को ही बदलें। अगर तिलक स्थिरता प्रदान करें, नमन आक्रामक बल्लेबाजी करें और नीतीश एक ऑलराउंडर के रूप में योगदान दें, तो हार्दिक पर पड़ने वाली कुछ जिम्मेदारियों को टीम में बाँटा जा सकता है। सही संतुलन परिस्थितियों, विरोधी टीम और खिलाड़ियों के फॉर्म पर निर्भर करेगा, लेकिन मूल सिद्धांत वही रहेगाः एक ऐसा संयोजन तैयार करें जिसमें कई खिलाड़ी समग्र योजना में योगदान दें।



व्यक्तिगत जिम्मेदारी से सामूहिक जिम्मेदारी की ओर

लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की कहानी अक्सर इसके सबसे बड़े सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। प्रशंसक किसी खास बल्लेबाज से पारी को संभालने की उम्मीद रखते थे या किसी खास गेंदबाज से निर्णायक विकेट लेने की। ऐसे खिलाड़ी आज भी अमूल्य हैं, लेकिन आधुनिक टी20 क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए एक ऐसी टीम की आवश्यकता होती है जिसमें छठा बल्लेबाज योगदान दे सके, निचले क्रम के बल्लेबाज मैच का रुख बदल सकें, एक ऑलराउंडर रणनीतिक लचीलापन प्रदान कर सके और अनुपस्थित स्टार खिलाड़ी के स्थान पर खेलने वाला खिलाड़ी एक स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिका निभा सके।

हार्दिक पांड्या का विकल्प खोजना

हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी की अनुपलब्धता में किसी भी टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक सही संयोजन खोजना होता है । हार्दिक टी20 क्रिकेट में एक दुर्लभ खिलाड़ी हैं जो विस्फोटक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और तेज गेंदबाजी से टीम में योगदान दे सकते हैं। उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुनना और उनसे समान परिणाम की उम्मीद करना मात्र नहीं है। इसके लिए सोचने का एक अलग तरीका चाहिए। हार्दिक की तरह ही टीम के लिए सब कुछ करने वाले एक ही खिलाड़ी की तलाश करने के बजाय, भारत इन जिम्मेदारियों को कई खिलाड़ियों में बांट सकता है।



3 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने टेनिस को कहा 'अलविदा'

बेसल। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा। स्टेन वावरिंका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं। वावरिंका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए। वावरिंका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था। 2014 में वावरिंका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और 2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था। रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले 'बिग थ्री' दौर का हिस्सा रहे वावरिंका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल मैच जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिंका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था। वावरिंका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था। वावरिंका ने एटीपी टूर डॉट कॉम को बताया, 'पिछले 20 सालों में एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे बारे में अलग-अलग सोच रही है। मैं अपने करियर में बस इतना चाहता था कि अपना शत प्रतिशत दूं, हमेशा लडूं, कोई पछतावा न हो। अपने लिए, विरोधी के लिए, टूर्नामेंट के लिए, फैंस के लिए, सबके लिए सम्मान के साथ रहूं। 20 से ज्यादा वर्षों तक यही हमेशा सबसे जरूरी चीज रही है, और यही एकमात्र तरीका है जिससे आप खेल बिना किसी पछतावे के छोड़ सकते हैं।'

अभिषेक शर्मा बने फिर नंबर-1

आईसीसी रैंकिंग....टेस्ट ऑलराउंडर में जडेजा की बादशाहत खत्म, गेंदबाजी में मार्को यानसेन शीर्ष स्थान पर

दुबई, एजेंसी। आईसीसी की ताजा पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से नंबर-एक बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मार्को यानसेन ने एक साथ टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। यानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया, जो चार साल से अधिक समय से इस स्थान पर काबिज थे। ताजा रैंकिंग में टेस्ट बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सूची में भी कई बदलाव हुए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में तूफानी शतक लगाने का फायदा अभिषेक शर्मा को आईसीसी रैंकिंग में मिला है। भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया।

वेलिंगटन में खेले गए मुकाबले में अभिषेक ने केवल 35 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। उन्होंने 38 गेंदों में 113 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत भारत ने 199 रन का लक्ष्य 13.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

ईशान किशन ने इस साल जुलाई में आयरलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद अभिषेक से नंबर-1 का स्थान हासिल किया था। अभिषेक पहली बार जुलाई 2025 में टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को पीछे छोड़ा था।

टी20 और वनडे रैंकिंग में भी हुए बदलाव : टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भारत के संजू सैमसन छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 25वां स्थान हासिल किया। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर सात स्थान ऊपर चढ़कर सातवें और भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे रैंकिंग में भी कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी दो स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि नामीबिया के बर्नार्ड शॉल्ट्ज नौ स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वनडे ऑलराउंडरों की सूची में अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नबी पांच स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए।



मार्को यानसेन ने जडेजा से छीना नंबर-1 का स्थान

दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन के लिए ताजा रैंकिंग बेहद खास रही। उन्होंने पहली बार अपने करियर में टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गकेबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में यानसेन ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले से 85 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट लेकर मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला बड़े अंतर से जीता। इस प्रदर्शन के बाद यानसेन टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें स्थान पर पहुंच गए। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में उन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ा। वहीं, टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर पहुंचकर उन्होंने रवींद्र जडेजा का लंबे समय से चला आ रहा शीर्ष स्थान छीन लिया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज डेल स्टेन हाल ही में यानसेन को 'दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर' बता चुके हैं।

बावुमा और हार्मर को भी फायदा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 179 रन बनाने वाले बावुमा अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड तीन स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 15 स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए।



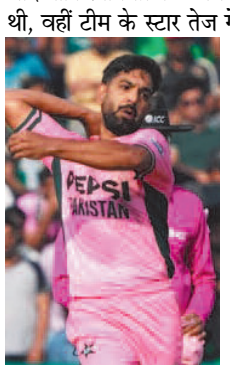
अभिषेक ने वैभव की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेडियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता। मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की। अभिषेक ने कहा, 'कल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म के डायलॉग 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे। अभिषेक ने कहा, 'जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उन्हें जाता है। ' ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की।



हारिस रऊफ ने फिर की घटिया हरकत, लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। लाहौर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने जमकर जश्न मनाया। एक तरफ जहां टीम जश्न में डूबी थी, वहीं टीम के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपनी घटिया हरकत से एक बार फिर सुर्खियां बटोरने का काम किया। मैदान पर खेल भावना की धज्जियां उड़ाने और अंपायर से उलझने के जुर्म में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हारिस रऊफ को कड़ी फटकार लगाई है। इस हरकत के लिए आईसीसी ने रऊफ पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना ठोक दिया है। यह पूरा ड्रामा पाकिस्तानी पारी के 46वें ओवर के खत्म होने पर देखने को मिला। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हारिस रऊफ पहले तो अंपायर से वाइड गेंद मांगने लगे। फिर इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स से फालतू में बहसबाजी करने लगे। अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद के मना करने के बावजूद रऊफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने हवा में बल्ला उठाया, अंपायर को अनदेखा करके उनसे टकराते हुए निकले और इंग्लिश खिलाड़ी की तरफ बदतमीजी से बढ़ते रहे।रऊफ की हरकत के अलावा इस मैच में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर भी गाज गिरी है। तय समय सीमा में 3 ओवर कम फेंकने की वजह से आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रुक और पूरी टीम पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया। दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी गलतियों और सजा को बिना किसी बहस के स्वीकार कर लिया है।



यास्तिका डब्ल्यूबीबीएल में करेंगी वापसी



ब्रिस्बेन। भारत की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में वापसी करेंगी। ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें चोटिल जेस जोनासेन की जगह साइन किया है। यास्तिका, जिन्होंने डब्ल्यूबीबीएल 10 के दौरान मेलबर्न स्टार्स का प्रतिनिधित्व किया था, डब्ल्यूबीबीएल 12 के लिए ब्रिस्बेन की तीसरी विदेशी साइनिंग और इस साल के कॉम्पिटिशन में एकमात्र भारतीय क्रिकेटर बनीं। 25 साल की इस खिलाड़ी के रविवार को ड्रमॉयन ओवल में सिडनी थंडर के खिलाफ अपने दूसरे मैच से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगी। वह इस कैंपेन के लिए ब्रिस्बेन की विदेशी टीम में इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन और आयरलैंड की ऑल-राउंडर ओर्ला प्रेंडरगैस्ट के साथ शामिल होंगी।ब्रिस्बेन की सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जोनासेन कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं, जिससे फ्रेंचाइजी को अतिरिक्त बैटिंग गहराई के लिए भाटिया की ओर रुख करना पड़ा। भारतीय बल्लेबाज ने लीग में छह मैच खेले हैं और तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल अनुभव लेकर आई हैं। हीट के हेड कोच मार्क सोरेल ने कहा यास्तिका के टीम से जुड़ने पर कहा, 'टूर्नामेंट के इतने करीब इतने अच्छे, अनुभवी इंटरनेशनल खिलाड़ी को साइन कर पाना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। हम बेशक जेस जोनासेन को मिस करेंगे, लेकिन अपनी बैटिंग लाइन-अप में एक और मजबूत स्कोरिंग लेफ्ट-हैंडर को लाना सुकून देने वाला है। यास्तिका को ऑस्ट्रेलिया और एलन बॉर्डर फील्ड में खेलने का अच्छा अनुभव है।



प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का बदला नजरिया

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट तक ले जा रही हैं। इस साल की शुरुआत में बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से सफर शुरू करने वाली उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फीचर फिल्म अब टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2026 तक पहुंच गई है।

श्वेता का कहना है कि प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह सिर्फ फिल्म बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि यह भी सोचती हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी और इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है। श्वेता ने कहा, ''आप जिस फिल्म पर भरोसा करते हैं, उसे किसी इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक ले जाना अपने आप में खास होता है। खासकर तब, जब बतौर प्रोड्यूसर यह आपकी पहली फीचर फिल्म हो। बर्लिन से टोरंटो तक का सफर मेरे लिए बेहद खास रहा है, क्योंकि इस दौरान मुझे 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को एक अलग तरीके से पेश करने का मौका मिला।''

उन्होंने आगे कहा, ''जब आप फिल्म को बनाने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर देखते हैं, तो आपके मन में यह सवाल आने लगते हैं कि फिल्म किन लोगों तक पहुंचेगी, इसके जरिए किस तरह की बातचीत शुरू हो सकती है और आगे इसके लिए क्या-क्या संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि इस सफर का फिल्म के लिए क्या मतलब निकलता है।'' श्वेता त्रिपाठी ने बताया कि बतौर प्रोड्यूसर काम करने से उन्हें कहानी कहने के तरीके को एक नए नजरिए से समझने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, ''प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी कहने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया है। एक एक्टर के तौर पर आप किसी किरदार और कहानी को पर्दे पर जीवंत करने में पूरी तरह जुटे रहते हैं।''

उन्होंने कहा, ''प्रोड्यूसर के तौर पर आपको यह भी देखना होता है कि फिल्म बनने के बाद उसका सफर कैसा होगा, कौन लोग इससे जुड़ सकते हैं और आप फिल्म को उसके दर्शकों तक पहुंचाने के लिए किस तरह मौके बना सकते हैं। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट ऐसे लोगों को एक साथ लाते हैं, जो इन संभावनाओं को हकीकत में बदलने में मदद कर सकते हैं। अपनी पहली प्रोडक्शन को इन प्लेटफॉर्म पर पेश कर पाना मेरे लिए एक अहम कदम रहा है।''

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके फिल्ममेकर संजय नाग के निर्देशन में बनी 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' में तिलोत्तमा शोम और श्वेता त्रिपाठी नजर आएंगी। यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जिसमें प्यार और इंसानी रिश्तों को ईमानदारी और बारीकी से दिखाने की कोशिश की गई है। बतौर प्रोड्यूसर श्वेता का सफर थिएटर से शुरू हुआ था। साल 2010 में उन्होंने अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी 'ऑलमाइटी' की शुरुआत की थी। इसकी पहली प्रस्तुतियों में ब्रिटिश नाटककार माइक बार्टलेट का क्वीर ड्रामा 'कॉक' शामिल था। माइक बार्टलेट ओलिवियर अवॉर्ड जीत चुके हैं।



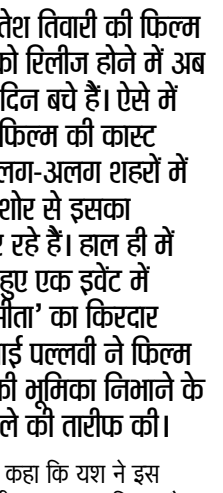


साई पल्लवी ने 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में मेकर्स और फिल्म की कास्ट भारत के अलग-अलग शहरों में जाकर जोर-शोर से इसका प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट में फिल्म में 'सीता' का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी ने फिल्म में 'रावण' की भूमिका निभाने के यश के फैसले की तारीफ की।

साई पल्लवी ने कहा कि यश ने इस किरदार को पूरी तरह अपना लिया और लोगों की नफरत के बजाय उनका प्यार हासिल किया। साई पल्लवी ने कहा, 'कोई भी रावण का किरदार नहीं निभाना चाहता, क्योंकि इस किरदार के साथ नफरत जुड़ी होती है, लेकिन यश ने यह किरदार निभाया और इसके बदले सभी का प्यार जीता।'

क्यों यश ने निभाया 'रावण' का किरदार



इससे पहले एक बातचीत में यश ने बताया था कि फिल्म के सह-निर्माताओं में से एक होने के बावजूद उन्होंने भगवान राम के बजाय रावण का किरदार निभाने का फैसला क्यों किया। यश ने कहा था, 'राम की भलाई दिखाने के लिए रावण की बुराई भी तो चाहिए।' अपनी एक्टिंग पर भरोसा जताते हुए यश ने कहा, 'मुझसे अच्छी बुराई कोई दिखा नहीं सकता।' फिर जब अभिनेता से पूछा गया कि तो क्या आपने पर्दे पर बुरा आदमी बनने की जिम्मेदारी ले ली है? इसके जवाब में यश ने कहा, 'जब मैं अच्छा किरदार भी करूंगा ना, मुझसे अच्छा कोई भी नहीं होगा।' यश ने आगे कहा, 'रावण को देखकर लगना चाहिए कि इसको कैसे मारा जाए? हम सभी ने अपने अहंकार को एक तरफ रख दिया है। रामायण में बात मेरे स्टारडम या एक स्टार के तौर पर मेरी पहचान की नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर सबसे अच्छे लोग काम कर रहे हैं।'



एकता कपूर ने की प्रियंका चाहर चौधरी की तारीफ



अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 में प्रोड्यूसर एकता कपूर द्वारा उनके गेम की तारीफ किए जाने के बाद इमोशनल नजर आईं। दरअसल, शो के टावर के अंदर साथी कंटेस्टेंट्स के साथ झगड़े के बाद माहौल गरम होने के बीच, प्रियंका को एकता, अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह की तरफ से सपोर्ट मैसेज मिले। प्रियंका की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एकता ने कहा कि वह शो में उनकी जर्नी फॉलो कर रही हैं और उन्होंने जिस तरह से अलग-अलग हालात को हैंडल किया है, वह वाकई सराहनीय है।

एकता ने कहा, 'मैं आपको 'राइज एंड फॉल' में देख रही हूं और मैं कहना चाहती हूं, आप बहुत अच्छा खेल रही हो। शो में आप कभी-कभी शांत और संयमित रहती हो और कभी-कभी लोगों को उनकी असली जगह दिखा देती हो।'

प्रियंका को 'असली हीरोइन' बताते हुए प्रोड्यूसर ने कहा कि वह पूरे देश में मौजूद उनके सपोर्टर्स के साथ उनके लिए दुआ कर रही हैं। एकता ने प्रियंका के साथ जुड़े 'नागिन' टैग पर भी बात की और इसे हौसला बढ़ाने वाला मैसेज बताया। उन्होंने कहा, 'सबसे अच्छी बात, अगर कोई आपको नागिन कहे, तो उन्हें ये बात याद हो कि नागिन का डसा पानी भी नहीं मांगता और आप सिर्फ बुरे लोगों को डसती हो। तो, खेलती रहो और जीतो। मेरे और पूरे इंडिया के लिए, आप असली हीरोइन हो, लोगों के दिल की, बालाजी की, मेरी और इंडियन टेलीविजन की। जीतो, क्योंकि मुझे नहीं पता, या आपको नहीं पता कि हारना कैसे है।' अभिषेक मल्हान और ईशा सिंह ने भी प्रियंका को अपना सपोर्ट दिया, जिसके बाद टावर के अंदर चल रही राइवलरी के बीच हौसला बढ़ाने वाले शब्द सुनकर प्रियंका चौधरी इमोशनल हो गईं। बनिजय एशिया द्वारा प्रोड्यूस 'राइज एंड फॉल' सीजन 2 के होस्ट पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग हैं। यह शो प्राइम वीडियो पर फ्री में एक्सक्लूसिव तौर पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके नए एपिसोड रोज दोपहर 12 बजे रिलीज होते हैं।



शिल्पा राव को मिला 'ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन' का साथ

सिंगर शिल्पा राव का कॉन्सर्ट विवाद बढ़ता जा रहा है। अब इस मामले में 'ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन' की एंट्री हुई है। एसोसिएशन ने एक बयान जारी किया है। इसमें 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' (बीएमपी) के दौरान शिल्पा राव की परफॉरमेंस को अचानक रोके जाने का जिक्र करते हुए इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया गया है। शनिवार को मुंबई में 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' के इवेंट में शिल्पा राव मंच पर लाइव परफॉर्म कर रही थीं, तभी आयोजकों ने जबरन उनका माइक्रोफोन और लाइटें बंद कर दीं। वह कुछ देर तक मंच पर ही रहीं। माइक बंद होने के बाद, उनकी जगह 'कुतले खान प्रोजेक्ट' के कलाकार कुतले खान को गाने का मौका दे दिया गया। उन्होंने शिल्पा राव के कुछ कहने के दौरान ही गाना शुरू कर दिया।

क्या बोला एसोसिएशन

इस मामले पर एसोसिएशन ने कहा 'किसी कलाकार की परफॉरमेंस के बीच में ही जबरन साउंड और लाइट बंद कर देना और फिर मंच किसी और को सौंप देना, पूरी तरह से अस्वीकार्य है। शिल्पा राव एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं और भारतीय संगीत जगत की सबसे सम्मानित आवाजों में से एक हैं। उनके गानों को पूरे देश में बहुत पसंद किया गया है। द्ध्रष्ट्ठड्ड 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' की तरफ से राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पा राव को मंच पर लाइव परफॉर्म करते समय अपमानित किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा करता है। किसी कलाकार के साथ ऐसा बर्ताव कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

एसोसिएशन ने सिंगर का समर्थन करने की कहा

एसोसिएशन ने आगे कहा एआईसीडब्ल्यूए पूरी मजबूती से शिल्पा राव के साथ खड़ा है। अगर वह 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' के खिलाफ कोई कदम उठाना चाहती हैं, तो एसोसिएशन हर कानूनी रास्ते से उनका समर्थन करेगा। भविष्य में अगर किसी कलाकार के साथ बुरा बर्ताव किया जाता है, तो एसोसिएशन कानून के अनुसार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। किसी कलाकार का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

आयोजकों ने मांगी माफी

इससे पहले 'बॉलीवुड म्यूजिक प्रोजेक्ट' (बीएमपी) के आयोजकों ने सिंगर शिल्पा राव के माइक बंद वाले मामले पर माफी मांगी थी। 24 अक्तूबर को मुंबई में हुए फेस्टिवल में गायिका शिल्पा राव की परफॉरमेंस को अचानक बीच में ही रोक दिया गया था। इस घटना की फेस्टिवल में आए फैंस ने आलोचना की। सोशल मीडिया पर जस्टिस फॉर शिल्पा राव ट्रेंड करने लगा।

क्या अक्षय कुमार के बेटे आरव को डेट कर रहीं हैं अनन्या पांडे



हाल ही में अभिनेत्री अनन्या पांडे भी एकेडमी म्यूजियम गाला 2026 में शामिल हुई, जहां ने अपने लुक से छा गईं थीं। अब अनन्या ने एक और तस्वीर शेयर की है, जिसके बाद एक बार एक्ट्रेस सुर्खियों में आ गई हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने फैंस को अपनी छुट्टियों की एक झलक दिखाई है। उन्होंने अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बेटे आरव भाटिया के साथ एक तस्वीर शेयर की है। अनन्या ने यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट की, जिसमें दोनों घर पर बनी कुछ खाने की चीजों के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि बॉलीवुड के मशहूर परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद आरव भाटिया लाइमलाइट से दूर रहते हैं।

डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में नजर आएंगी रुक्मिणी वसंत

फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने वाली एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आएंगी। शुक्रवार को फिल्म के मेकर्स ने रुक्मिणी का अपनी टीम में स्वागत करते हुए उनके किरदार की जानकारी दी। वह डायरेक्टर श्री कार्तिक की अगली फिल्म में थारा का किरदार निभाएंगी। अभी फिल्म के नाम का ऐलान नहीं किया गया है। इस फिल्म में रुक्मिणी लीड रोल में होंगी और उनके साथ देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। डायरेक्टर श्री कार्तिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''ईश्वर के आशीर्वाद से बेहद टैलेंटेड कलाकार रुक्मिणी के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। एक मजेदार, रोमांचक और दिल को छू लेने वाली फिल्म आने वाली है। 'ओके ओका जीवितम' की तरह यह फिल्म भी हमेशा आपके दिलों में रहेगी।''

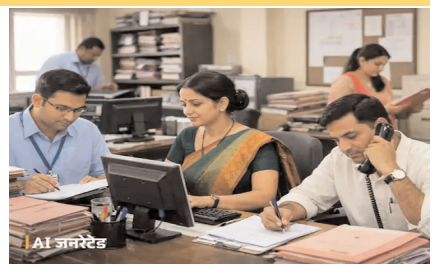
उन्होंने पोस्ट में रुक्मिणी को टैग करते हुए फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया। यह पहली बार होगा जब रुक्मिणी वसंत और डायरेक्टर श्री कार्तिक किसी फिल्म में साथ काम करेंगे। फिल्म का निर्माण मैडबॉयज एंटरटेनमेंट और सिरुनी सिने कॉर्पोरेशन मिलकर कर रहे हैं, जबकि साईकृष्णा गडवाल इसके को-प्रोड्यूसर हैं। इससे पहले श्री कार्तिक फिल्म 'कानम' के जरिए चर्चा में आए थे। इस फिल्म में टाइम ट्रैवल जैसे अनोखे कॉन्सेप्ट को मां और बेटे के भावनात्मक रिश्ते के साथ जोड़ा गया था। अब वह एक नए प्रोजेक्ट के साथ लौट रहे हैं, जिसमें अलग-अलग कलाकारों और क्रिएटिव टीम के साथ एक नई कहानी पेश करने की तैयारी है। मेकर्स ने रुक्मिणी के किरदार थारा का परिचय एक अनाउंसमेंट वीडियो के जरिए कराया। इस वीडियो में श्री कार्तिक, देव रामनाथ और विनायक वैथियानाथन थारा के किरदार को फाइनल करने की कोशिश करते नजर आते हैं। इसी बीच अचानक एक नोटिफिकेशन आता है, जो तीनों को चौंका देता है। इसके बाद रुक्मिणी वसंत की एंट्री होती है और दर्शकों को उनके किरदार की पहली झलक देखने को मिलती है।

डीए 60% से बढ़कर 63% हुआ, करीब 48 लाख कर्मचारी और 68 लाख पेंशनभोगी होंगे लाभान्वित

दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा, महंगाई भत्ता 3% बढ़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी का फैसला किया है। बुधवार, 28 अक्टूबर को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस बढ़ोतरी के बाद कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा। इससे करीब 48 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलने की बात कही गई है। नई दरें 1 जुलाई 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी। सरकार के इस फैसले से त्योहारों के दौरान कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को आर्थिक राहत मिलेगी। जुलाई से नई दरें लागू होने के कारण पात्र कर्मचारियों को पिछले महीनों का बकाया भी मिल सकता है। इस बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आने का अनुमान बताया गया है।ठ इससे पहले सरकार ने अप्रैल में महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत भत्ते (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद महंगाई भत्ते की दर 60 प्रतिशत हो गई थी। अब 3 प्रतिशत की नई वृद्धि के बाद यह बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगी। महंगाई भत्ता कर्मचारियों को दिया जाता है, जबकि महंगाई राहत पेंशनभोगियों की मूल पेंशन के आधार पर निर्धारित होती है।द्व महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का सीधा असर कर्मचारियों की मासिक आय पर पड़ेगा। बढ़ने वाली राशि कर्मचारी की मूल सैलरी के आधार पर तय होगी। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी कर्मचारी का मूल वेतन 18,000 रुपए है, तो 3 प्रतिशत की वृद्धि से उसे हर महीने 540 रुपए अतिरिक्त मिलेंगे। वहीं, 56,100 रुपए मूल वेतन वाले कर्मचारी के महंगाई भत्ते में हर महीने करीब 1,683 रुपए की बढ़ोतरी होगी। चूंकि नई दरें 1 जुलाई से प्रभावी मानी जाएंगी, इसलिए पात्र कर्मचारियों को जुलाई से लागू बढ़ी हुई दर के अनुसार बकाया राशि भी मिल सकती है। भुगतान की वास्तविक तारीख और प्रक्रिया संबंधित सरकारी आदेश के अनुसार तय होगी। केंद्र सरकार आमतौर पर कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत में साल में दो बार संशोधन करती है। पहला संशोधन जनवरी से और दूसरा जुलाई से प्रभावी होता है। महंगाई की स्थिति का आकलन करने के लिए औद्योगिक श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सहित संबंधित आंकड़ों को आधार बनाया जाता है। महंगाई भत्ते का उद्देश्य रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती कीमतों के कारण कर्मचारियों की क्रय शक्ति पर पड़ने वाले असर को कम करना है। यह



मूल वेतन के प्रतिशत के रूप में दिया जाता है। इसी तरह पेंशनभोगियों को मूल पेंशन पर महंगाई राहत मिलती है। नई बढ़ोतरी से पात्र कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की आय में वृद्धि होगी, हालांकि वास्तविक लाभ उनकी मूल सैलरी या पेंशन के अनुसार अलग-अलग रहेगा।

छह जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 23 जिलों में बूंदाबांदी के आसार; धार में एक दिन में 4.2 डिग्री गिरा न्यूनतम तापमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदल गया है। भोपाल समेत कई शहरों में बादल छाए हैं, जबकि सतना और कटनी में बारिश हुई। रतलाम में ठंडी हवाएं चलने से मौसम में ठंडक बढ़ गई है। इंदौर और धार में तापमान गिरने से लोगों को ठंड का एहसास होने लगा है। खजुराहो और अनूपपुर में भी बादल छाने के साथ कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बूंदाबांदी दर्ज की गई।झ मौसम विभाग ने सीधी, सिंगरौली, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं भोपाल, नर्मदापुरम, भिंड, दतिया, रायसेन, सीहोर, विदिशा, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, रीवा, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अगले चार दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आंधी, बारिश और गरज-चमक की संभावना है। शहडोल में अगले 24 घंटे के दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश, बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। धार में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। यहां न्यूनतम तापमान मंगलवार को 15.4 डिग्री सेल्सियस था, जो बुधवार सुबह घटकर 11.2 डिग्री पर पहुंच गया। यानी एक दिन में 4.2 डिग्री की गिरावट आई। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम में बदलाव के बीच दिन के तापमान में भी गिरावट की संभावना जताई गई है।



लुधियाना में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रंजीत कौर के पति से मारपीट, कपड़े फाड़कर गली में दौड़ाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लुधियाना। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रंजीत कौर उर्फ भाभी चुम्मेवाली के परिवार में विवाद का मामला सामने आया है। रंजीत कौर ने अपने देवर सुरिंदरपाल, देवरानी करमजीत कौर और उनके बेटों मुनीष हंस व गगन हंस पर पति के साथ मारपीट करने, कपड़े फाड़ने और गली में दौड़ाने के आरोप लगाए हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आने की बात कही गई है। पीड़ित परिवार ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ परिवार की सुरक्षा की मांग की है। सीपी कार्यालय में दी गई शिकायत के अनुसार, विवाद 27 अक्टूबर की सुबह करीब 7:30 से 7:45 बजे के बीच शुरू हुआ। रंजीत कौर का आरोप है कि देवर और उसके परिवार के सदस्यों ने बिना किसी वजह के झगड़ा शुरू किया। इसके बाद गाली-गलौज और मारपीट की गई। आरोप है कि उनके पति के कपड़े फाड़ दिए गए और उन्हें गली में दौड़ाकर पीटा गया। रंजीत कौर के मुताबिक, मारपीट के बाद आरोपियों ने घर को अंदर से बंद कर लिया और उन्हें उनके ही घर से बाहर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार को घर खाली नहीं करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। रंजीत की बेटी शिवानी हंस ने भी आरोप लगाया कि घर में अक्सर झगड़े होते हैं और कुछ लोग कथित तौर पर नशे की हालत में आकर डर का माहौल बनाते हैं। शिवानी का कहना है कि परिवार ने सबसे पहले मोती नगर थाने में शिकायत दी थी, लेकिन वहां से उचित कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें पुलिस कमिश्नर के पास जाना पड़ा।



एमएलसी चुनाव में एनडीए की बढ़त पर पीएम मोदी का कांग्रेस पर तंज, बोले- बैलेट पेपर से चुनाव हुए तो कांग्रेस को कितनी सीटें मिलीं?

कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने सभी चार सीटें जीतीं, यूपी में सपा को भी मिली सफलता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों में एनडीए की बढ़त के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों पर चुनाव हुए और ये चुनाव बैलेट पेपर से कराए गए। इसके बाद उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे चुनावों में कांग्रेस को कितनी सीटें मिलीं। विपक्ष लोकसभा और विधानसभा चुनाव भी बैलेट पेपर से कराने की मांग करता रहा है, जबकि इन चुनावों में फिलहाल इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का इस्तेमाल होता है। चार राज्यों की 28 एमएलसी सीटों पर मतगणना के दौरान एनडीए कई सीटों पर आगे रहा। शुरुआती रुझानों में एनडीए 15 सीटों पर बढ़त बनाए हुए था, जबकि कांग्रेस किसी भी सीट पर आगे नहीं चल रही थी। चुनाव परिणामों में अलग-अलग राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं कुछ सीटों पर विपक्षी दलों को भी सफलता मिली। बिहार में भाजपा के पांच बार के विधान परिषद सदस्य नवल किशोर यादव समेत चार मौजूदा एमएलसी को हार का सामना करना पड़ा। दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जन सुराज ने जीत दर्ज कर बिहार विधान परिषद में अपना खाता खोला।



इस नतीजे को राज्य की राजनीतिक तस्वीर में एक अहम घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को सफलता मिली। गोरखपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी ध्रुव त्रिपाठी और निर्दलीय उम्मीदवार राजीव यादव के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। ध्रुव त्रिपाठी की बढ़त लगातार कम होने की खबरों के बीच निर्दलीय प्रत्याशी उन्हें चुनौती देते रहे। आगरा शिक्षक सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी आकाश अग्रवाल ने भाजपा उम्मीदवार हरि किशोर तिवारी को हराकर जीत हासिल की। चुनाव के दौरान आकाश अग्रवाल का भावुक होते हुए इस्लाम धर्म कबूलने की धमकी देने वाला बयान भी चर्चा में रहा था। आगरा स्नातक सीट पर भाजपा के मानवेंद्र प्रताप सिंह और झांसी स्नातक सीट पर सपा के डॉ. मान सिंह यादव ने भी जीत का दावा किया, हालांकि इन सीटों के परिणामों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी बताई गई। कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने चारों सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी स्थिति मजबूत की। इस चुनाव में कांग्रेस को एक सीट गंवानी पड़ी। वहीं महाराष्ट्र की पांच सीटों पर मतगणना जारी थी। कुल मिलाकर, चार राज्यों के इन चुनावों में एनडीए की बढ़त और कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

एमएलसी चुनाव में एनडीए की बढ़त, मोदी ने कांग्रेस पर कसा तंज

चार राज्यों की 28 सीटों पर बैलेट पेपर से हुए चुनाव में एनडीए का प्रदर्शन मजबूत रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि बैलेट पेपर से हुए चुनाव में पार्टी को कितनी सीटें मिलीं। कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने चारों सीटें जीतीं, जबकि उत्तर प्रदेश में भाजपा को पांच सीटों पर सफलता मिली। बिहार में जन सुराज ने दरभंगा शिक्षक सीट जीतकर विधान परिषद में खाता खोला

कटनी की फरार सीएसपी नेहा पच्चीसिया की याचिका पर फैसला सुरक्षित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। कटनी की फरार सिटी एसपी नेहा पच्चीसिया की मुश्किलें बरकरार हैं। बुधवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में उनकी याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस राजकुमार चौबे की युगलपीठ ने एफआईआर निरस्त करने और अग्रिम जमानत देने की मांग पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान नेहा पच्चीसिया की ओर से दलील दी गई कि विवादित जमीन की खरीद-फरोख्त में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। बचाव पक्ष के मुताबिक, जमीन मारूफ अहमद हनफी के नाम पर खरीदी गई थी और क्षितिज राज पात्रे ने उसके बैंक खाते में राशि हस्तांतरित की थी। नेहा पच्चीसिया के बैंक खाते से इस लेनदेन में कोई भुगतान नहीं हुआ। उनके पक्ष ने कहा कि जमीन के सौदे में उनकी भूमिका साबित करने वाला कोई साक्ष्य नहीं है। इसी आधार पर एफआईआर निरस्त करने और अग्रिम जमानत देने की मांग की गई। कटनी के कुठला थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत सीएसपी नेहा पच्चीसिया समेत तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज है। पुलिस ने तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। मामला कुठला थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के एक प्रकरण से जुड़ा है। आरोप है कि निर्धारित समय-सीमा में चालान पेश नहीं होने के कारण हत्या के आरोपी को डिफॉल्ट जमानत का लाभ मिल गया। आरोपों के मुताबिक, इसके बदले संबंधित आरोपियों की जमीन कम कीमत पर एक एजेंट के नाम से खरीदी गई थी। हालांकि, नेहा पच्चीसिया ने जमीन के सौदे में अपनी भूमिका से इनकार किया है।



रेलवे में स्टेशन मास्टर के 1265 पदों पर भर्ती, 25 नवंबर तक आवेदन का मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए स्टेशन मास्टर के पदों पर भर्ती का अवसर है। रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने स्टेशन मास्टर के 1265 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस भर्ती के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तारीख 25 नवंबर 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थियों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी जाती है। भर्ती के तहत अलग-अलग रेलवे भर्ती बोर्डों में रिक्त पद निर्धारित किए गए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मुंबई में सबसे अधिक 177 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके बाद जम्मू-श्रीनगर में 122 और चेन्नई में 119 पद निर्धारित हैं। भोपाल मंडल में स्टेशन मास्टर के 49 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। अलग-अलग क्षेत्रों में पदों की संख्या तय होने के कारण उम्मीदवारों को आवेदन करते समय संबंधित रेलवे भर्ती बोर्ड की रिक्तियों पर ध्यान देना होगा। स्टेशन मास्टर का पद रेलवे की परिचालन व्यवस्था में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पद पर कार्यरत कर्मचारियों की जिम्मेदारी में रेलवे स्टेशन पर रेल परिचालन से जुड़े कार्यों का संचालन और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन शामिल होता है। ऐसे में भर्ती की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए पात्रता और चयन प्रक्रिया की जानकारी हासिल करना जरूरी है। भर्ती की पात्रता, चयन प्रक्रिया, परीक्षा के नियमों और अन्य शर्तों की विस्तृत जानकारी अलग अधिसूचना में दी गई है।



महादेवगढ़ मंदिर में शादी के बाद परिजनों पर जबरन ले जाने का आरोप लगा था, न्यायालय में युवती ने कहा- पति के साथ रहना चाहती हूं

तंजीम बनी तेजस्विनी, कोर्ट में बयान के बाद पति तेजपाल के साथ गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। महादेवगढ़ मंदिर में हिंदू युवक तेजपाल से शादी करने वाली तंजीम उर्फ तेजस्विनी मंगलवार को न्यायालय में बयान दर्ज कराने के बाद अपने पति के साथ चली गई। छैगांवमाखन पुलिस ने युवती को खंडवा न्यायालय में न्यायाधीश अपेक्षा पाटीदार के सामने पेश किया। बयान के दौरान युवती ने कहा कि वह अपने पति तेजपाल के साथ रहना चाहती है। उसने अपने परिजनों पर किसी तरह की हिंसा किए जाने का आरोप भी नहीं लगाया। न्यायालय में बयान दर्ज होने के बाद वह तेजपाल के साथ रवाना हो गई। इस मामले ने 25 अक्टूबर को उस समय तूल पकड़ा था, जब मंदिर में शादी के बाद दोनों मालीकुआं क्षेत्र स्थित एक नोटरी कार्यालय पहुंचे थे। तेजपाल के मुताबिक, इसी दौरान युवती के परिजन वहां पहुंचे और उसके साथ मारपीट करने के बाद तंजीम को जबरन अपने साथ ले गए। इसके बाद तेजपाल ने कोतवाली थाने में आवेदन देकर मारपीट और अपहरण का आरोप लगाया था।

पांच साल से एक-दूसरे को जानते थे दोनों

तेजपाल के अनुसार, वह और तंजीम करीब पांच साल से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों ने 20 फरवरी 2026 को आपसी सहमति से साथ रहने का फैसला किया था। इसके लिए इंदौर न्यायालय में लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित दस्तावेज भी तैयार कराए गए थे। इसके बाद 25 अक्टूबर को दोनों ने खंडवा के महादेवगढ़ मंदिर में वैदिक रीति-रिवाज से विवाह किया। शादी के बाद दोनों विवाह से संबंधित दस्तावेज तैयार कराने के लिए मालीकुआं क्षेत्र में नोटरी कार्यालय पहुंचे थे। तेजपाल ने आरोप लगाया था कि वहां पहुंचे युवती के परिजन उसे मारपीट कर अपने साथ ले गए। घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज सामने आने की बात भी कही गई थी। फुटेज को लेकर दावा किया गया कि कुछ लोग युवती को कार्यालय से बाहर ले जाते और विरोध के दौरान उसे घसीटते दिखाई दिए। घटना के बाद हिंदू संगठनों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने युवती को उसके पति के पास वापस भेजने और घटना में शामिल बताए जा रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। तेजपाल ने भी पुलिस से शिकायत कर मामले में कार्रवाई की मांग की थी। मंगलवार को न्यायालय में बयान दर्ज होने के बाद युवती का अपने पति के साथ जाना मामले का अहम घटनाक्रम रहा। युवती ने अदालत में अपनी इच्छा स्पष्ट करते हुए तेजपाल के साथ रहने की बात कही और परिजनों पर हिंसा का आरोप नहीं लगाया।



'किंग' से सुहाना का थिएटर डेब्यू

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' क्रिसमस 2026 पर रिलीज होगी। फिल्म के नए पोस्टर में शाहरुख के होंठों के बीच गुलाब और आंखों में गुस्सा नजर आ रहा है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सुहाना खान पहली बार पिता शाहरुख के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे

प्रसव पीड़ा से तड़पती महिला को झोली में बैठाकर नदी पार कराई, फिर 3.5 किमी पैदल चले परिजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डिंडोरी। प्रसव पीड़ा से तड़पती महिला, गांव से करीब चार किलोमीटर दूर एंबुलेंस और रास्ते में उफनती नदी। ऐसे में परिजनों ने कपड़े की झोली बनाई और गर्भवती यशोदा मरकाम को उसमें बैठाकर लकड़ी के सहारे कंधों पर उठाया। इसके बाद सिलगी नदी पार कराई गई। नदी पार करने के बाद भी परिजनों को करीब साढ़े तीन किलोमीटर पैदल चलकर एंबुलेंस तक पहुंचना पड़ा। इसके बाद यशोदा को शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका सुरक्षित प्रसव हुआ। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और अस्पताल से घर लौट चुके हैं। हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में सड़क और पुल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी को उजागर किया है। डिंडोरी जिले की पाकर बघरा ग्राम पंचायत के पोषक गांव कलगी टोला में करीब 300 लोग रहते हैं। यहां सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। गांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच पाने के कारण गर्भवती महिला को नदी पार कराकर पैदल ले जाना पड़ा। ग्रामीणों के लिए यह समस्या केवल प्रसव के समय तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी उन्हें मुश्किल रास्तों से गुजरना पड़ता है। यशोदा और उनके बच्चे का सुरक्षित होना राहत की बात है, लेकिन यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच की जरूरत को रेखांकित करती है। कलगी टोला के लोगों के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव आज भी बड़ी चुनौती बना हुआ है।



मध्य प्रदेश में फसलों की सुरक्षा के लिए बोमा तकनीक से वन्यजीवों का रेस्क्यू, दक्षिण अफ्रीका से बुलाई टीम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाजापुर। मध्य प्रदेश में किसानों की फसलों को जंगली जानवरों से बचाने और वन्यजीवों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बोमा पद्धति से रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को शाजापुर जिले के रंथभंवर गांव पहुंचे और कृष्ण मृग (ब्लैक बक) तथा नीलगायों को पकड़ने की इस प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। किसानों की फसलों को काले हिरण और नीलगायों से होने वाले नुकसान से बचाने के साथ वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी इस अभियान का उद्देश्य है। इसके लिए दक्षिण अफ्रीका से विशेषज्ञ टीम बुलाई गई है। मुख्यमंत्री ने बोमा तकनीक को वन्यजीवों के सुरक्षित स्थानांतरण का प्रभावी तरीका बताते हुए कहा कि इस परियोजना की सफलता के आधार पर देश के अन्य राज्य भी इसे अपना सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्य प्रदेश इस दिशा में मॉडल राज्य बनेगा। इस पद्धति में वन्यजीवों को बिना नुकसान पहुंचाए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का प्रयास किया जाता है। बोमा वन्यजीवों को पकड़ने और सुरक्षित रूप से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने की अफ्रीकी तकनीक है। इसमें कीप के आकार की अस्थायी बाड़ बनाई जाती है, जो शुरुआत में चौड़ी और आगे जाकर संकरी होती जाती है।



शिवपुरी में श्रीराम कथा के दौरान व्रत पर मजाकिया अंदाज में रखी बात, बोले- पति की लंबी उम्र के लिए सालभर बनी रहनी चाहिए प्रार्थना की भावना

करवा चौथ को 'खसम पूजन दिवस' बोले धीरेंद्र शास्त्री, पतियों को ताने न देने की भी दी नसीहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने करवा चौथ को 'खसम पूजन दिवस' बताते हुए व्रत रखने वाली महिलाओं को एक खास संदेश दिया। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में सात दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान सोमवार को 'सीधी बात' सत्र में एक अनुयायी ने करवा चौथ का व्रत रखने को लेकर सवाल पूछा। इस पर शास्त्री ने मजाकिया अंदाज में कहा कि सिर्फ एक दिन व्रत रखने से काम नहीं चलेगा, बल्कि बाकी 364 दिन भी पतियों को ताने देने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पति से यह नहीं कहना चाहिए कि कहां से मिल गए, किस मुहूर्त में शादी हुई थी या इससे अच्छा तो हम ऐसे ही मर जाते। उनके इस अंदाज ने कथा के दौरान मौजूद श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा। शास्त्री ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि करवा चौथ पर व्रत रखने के साथ एक संकल्प भी लेना चाहिए। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के इस दौर में भले ही शास्त्रों में करवा चौथ के व्रत का बहुत कड़ा विधान न मिलता हो, लेकिन इस अवसर पर एक संकल्प जरूर लेना चाहिए। उनके अनुसार, पति की लंबी उम्र के लिए जिस श्रद्धा, समर्पण और साधना के साथ करवा चौथ पर प्रार्थना की जाती है, वही भावना पूरे साल भी बनी रहनी चाहिए। तभी व्रत का वास्तविक उद्देश्य सार्थक होगा। शास्त्री की टिप्पणी में करवा चौथ को केवल एक दिन के उपवास तक सीमित न रखते हुए वैवाहिक रिश्ते में पूरे साल सम्मान और सकारात्मक व्यवहार बनाए रखने का संदेश भी शामिल रहा। उन्होंने अपने चिर-परिचित सहज और हास्यपूर्ण अंदाज में यह बात कही। करैरा में चल रही सात दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिन भगवान श्रीरामलला का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री इमरती देवी भी कथा सुनने पहुंचीं। उन्होंने व्यासपीठ पर विराजमान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से आशीर्वाद लिया। कथा के दौरान शास्त्री ने भगवान श्रीराम के प्राकट्योत्सव के अवसर पर बधाई गीत गाए। इस दौरान इमरती देवी भी श्रद्धालुओं के साथ झूमती नजर आईं। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और धार्मिक वातावरण के बीच भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई गईं। 'खसम' हिंदी-उर्दू, पंजाबी और उत्तर भारत की कई बोलियों में पति या शौहर के अर्थ में इस्तेमाल होने वाला शब्द है। पुराने साहित्य, लोकगीतों, कहावतों और फिल्मी संवादों में भी इसका प्रयोग मिलता रहा है। हालांकि, आज की सामान्य शहरी हिंदी में 'पति' और 'शौहर' शब्द अधिक प्रचलित हैं। संदर्भ और बोलने के अंदाज के अनुसार 'खसम' शब्द में देसी लोकभाषा की सहजता के साथ हास्य या व्यंग्य का भाव भी आ सकता है।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.